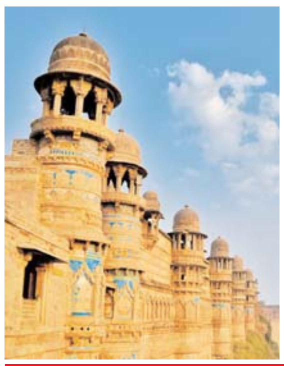

MPHIN/2021/83938

दैनिक

पुष्पांजली टुडे

नई सोच नई पहल

ग्वालियरः वर्षः 3 : अंकः 364 | ग्वालियर,3 नवम्बर शुक्रवार 2023 | पृष्ठः 8 मूल्यः 2 रुपए

न्यूज़ ट्रैक

अखिलेश यादव ने क्यों किया 65 लोकसभा सीटों पर लड़ने का एलान

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और यूपी के पूर्व सीएम अखिलेश यादव ने 65 लोकसभा सीटों पर लड़ने का एलान करने की वजह बताई है. सहारनपुर में पत्रकारों से वार्ता के दौरान सपा नेता ने गठबंधन में रालोद और कांग्रेस का नाम लिए बिना आश्वासन दिया कि उन्हें निराश नहीं किया जाएगा.अखिलेश ने कहा कि मैं आपसे कह रहा हूं कि अभी तक जितने हमने गठबंधन किए हैं कोशिश हुई है कि किसी गठबंधन साथी को निराश ना करें. हमारा गठबंधन और स्ट्रेटजी ही हराएगा को क्योंकिके लोगों ने के लोगों को धोखा दिया है.यूपी में लोकसभा सीटों की संख्या के एलान पर अखिलेश ने कहा- ये जो गिनती है, वो इसलिए भी थी कि वहां पर जो लोग कार्यकारिणी के आए थे, कई लोगों ने कई तरह के सुझाव दिए. सपा को इतनी सीटों पर लड़ना चाहिए. इतने पर दावा करना चाहिए. अभी तक हमने जितने भी गठबंधन किए हैं, हमने किसी को निराश नहीं किया और कोशिश करेंगे कि आगे भी ऐसा ही करें.इसके अलावा सपा नेता ने आजम खान के खिलाफ चल रहे मामलों पर भी प्रतिक्रिया दी. उन्होंने कहा कि ÷अरविंद केजरीवाल हों या आजम खान या सपा के और विधायक हो, अगर जनता की आवाज़ उठाएं तो मुकदमा लग जाएगा. ये सब इसलिए परेशान किया जा रहे हैं क्योंकि बीजेपी को ये लगता है कि ये ताकत बनकर उभरेंगे.सहारनपुर पहुंचे अखिलेश ने देवबंद का भी दौरा किया. सपा नेता ने कहा कि ÷देवबंद वो स्थान है जिसने सदियों से अपनी संस्कृति अपने ट्रेडीशन को बचाया, लोगों को शिक्षित, जागरूक किया. समाज के सुधार के लिए सबसे बड़ा हथियार शिक्षा है. ऐसे स्थान पर आकर हमेशा खुशी मिलती है.÷

गहलोत-पायलट के खिलाफ बीजेपी ने उतारे मजबूत उम्मीदवार या दिया वॉक ऑवर? किसे मिला टिकट

राजस्थान विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी और कांग्रेस पूरे जोर-शोर से तैयारियों में जुटी हुई हैं. बृहस्पतिवार को उम्मीदवारों की तीसरी लिस्ट जारी की है. तीसरी लिस्ट में बीजेपी ने कुल 58 उम्मीदवारों को जगह दी है. तीन लिस्ट के जरिये अब तक कुल 200 विधानसभा सीटों में से 182 सीटों पर अपने उम्मीदवारों की घोषणा कर चुकी है. इस लिस्ट में` मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के विधानसभा सीट सरदारपुरा पर भी उम्मीदवार की घोषणा कर दी है.` मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के खिलाफ के सरदारपुरा विधानसभा सीट से महेंद्र सिंह राठौड़ को चुनावी मैदान में उतारा है. इसी लिस्ट में कांग्रेस के दिग्गज नेता और और पूर्व मुख्यमंत्री सचिन पायलट के खिलाफ पार्टी की तरफ से अजीत सिंह मेहता को उम्मीदवार बनाया है. सचिन पायलट टोंक कांग्रेस आलाकमान से झंडी मिलने के बाद नामांकन भी दाखिल कर चुके हैं. सत्ता में वापसी के लिए बीजेपी पुरोजोर कोशिश कर रही है. यही वजह है कि पार्टी सभी सीटों पर मजबूत उम्मीदवारों को खड़ा कर रही है. मुख्यमंत्री अशोक गहलोत सहित कांग्रेस के कद्दावर नेताओं को बीजेपी इस बार वॉक ओवर देने के मूड में नहीं है. पार्टी ने तीसरी लिस्ट में सीएम गहलोत के खिलाफ सरदारपुरा विधानसभा सीट से पूर्व मंत्री महेंद्र सिंह राठौड़ को उम्मीदवार बनाया है. महेंद्र सिंह राठौड़ जोधपुर डेवलपमेंट अथारिटी के चेयरमैन भी रह चुके हैं. टिकट मिलने पर महेंद्र सिंह राठौड़ बीजेपी आलाकमान को धन्यवाद देते हुए दावा किया कि विधानसभा चुनाव बीजेपी प्रचंड बहुमत से जीत कर दोबार राजस्थान में सरकार बनाएगी. यूनिवर्सिटी में प्रोफेसर हैं महेंद्र सिंह राठौड़महेंद्र सिंह राठौड़ वर्तमान जयप्रकाश नारायण विश्विद्यालय में प्रोफेसर हैं. पार्टी लंबे समय से सीएम अशोक गहलोत के खिलाफ एक मजबूत प्रत्याशी ढूंढ रही थी. मीडिया में छपी खबरों के मुताबिक, बीजेपी आलाकमान से केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने महेंद्र सिंह राठौड़ को अशोक गहलोत के खिलाफ चुनावी मैदान में उतारने की सिफारिश की थी. इससे पहले उम्मीद जताई जा रही थी कि यहां से खुद गजेंद्र सिंह शेखावत मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के खिलाफ चुनाव लड़ेंगे.

एमपी में चुनाव से पहले कांग्रेस ने उठाया विकास का मुद्दा, पार्टी ने जीत को लेकर किया ये बड़ा दावा

मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव जैसे-जैसे नजदीक आते जा रहे हैं, वैसे-वैसे चुनावी घमासान तेज होता जा रहा है. आरोप प्रत्यारोप का दौर भी जारी है. सीएम शिवराज सिंह चौहान के गृह जिले सीहोर की इछावर विधानसभा में प्रचार के दौरान कांग्रेस प्रत्याशी ने बीजेपी प्रत्याशी पर आरोप लगाते हुए कहा कि ये इछावर विधानसभा में 7 बार विधायक रहे, बावजूद इछावर की जनता मूलभूत सुविधाओं से जूझ रही है. विधानसभा क्षेत्र में सड़क, नाली, पानी और सबसे बड़ी समस्या बेरोजगारी की है.

कांग्रेस प्रत्याशी शैलेन्द्र पटेल ने दावा किया कि क्षेत्र में विकास कार्य नहीं होने से बीजेपी के खिलाफ आक्रोश व्याप्त है. गांव-गांव में सड़कों और नालियों के निर्माण नहीं होने से क्षेत्रवासी परेशान हैं. सोयाबीन की फसल खराब हुई थी, लेकिन किसानों को

वह न मुआवजा दिला पाए और न ही बीमे की राशि. किसानों में भी बीजेपी के वर्तमान विधायक को लेकर आक्रोश है. कांग्रेस प्रत्याशी पूर्व विधायक पटेल ने कांग्रेस कार्यकर्ताओं के साथ ग्राम रत्नाखेड़ी, सोहनछापरी, अमामाय, सेमलघाटा, देहरिया खुर्द, खुरानिया, भंडेली, चैनपुरा, नापली और खेड़ली आदि में जनसंपर्क किया.

प्रदेश में बनेगी कांग्रेस की बहुमत की सरकार-इस दौरान पटेल ने कहा कि क्षेत्र के बीजेपी प्रत्याशी जनता के कार्य करने में आलसी है, जिससे इछावर क्षेत्र विकास की रफ्तार में पिछड़ गया है. यहां का किसान परेशान है और बेरोजगारी बढ़ती जा रही है. आगामी दिनों में प्रदेश में कांग्रेस की बहुमत की सरकार बनने वाली है, नोटों के बदले सरकार खरीदने वालों को जनता बेरोजगार करने वाली है.

ईडी की रेड में जो कुछ भी मिलता है, उसका बाद में क्या होता है?

एनफोर्समेंट डिपार्टमेंट को लेकर जब भी कोई खबर आती है, हमारे दिमाग में पहला सीन रेड का होता है. दरअसल, बीते कुछ वर्षों से ईडी शब्द हमारे कानों को खूब सुनने को मिल रहा है. ऐसा इसलिए क्योंकि बीते कुछ समय से ईडी यानी एनफोर्समेंट डिपार्टमेंट ने देश के भीतर भ्रष्ट नेताओं, नौकरशाहों और व्यापारियों के खिलाफ खूब छापे मारे और अवैध संपत्ति जब्त की. खैर, आज हम इसके छापों और भ्रष्ट नेताओं, नौकरशाहों और व्यापारियों की बात नहीं करेंगे. बल्कि हम बात करेंगे कि इन छापों में बरामद नगदी या जो कुछ भी मिलता है, उसका ईडी करती क्या है.

कैश का क्या होता है-दरअसल, जब ईडी किसी रेड में कैश, सामान और प्रॉपर्टी जब्त करती है तो सबसे पहले उसकी एक रिपोर्ट तैयार करती है. इसके साथ ही अगर कैश ज्यादा है तो एसबीआई के अधिकारियों को बुलाया जाता है औक नोट गिनने वाली मशीन से पूरे कैश को गिन कर उसका रिपोर्ट तैयार किया जाता है. पूरा रिपोर्ट तैयार होने के बाद ईडी इस कैश को किसी भी सरकारी खाते में जमा कर देती है. लेकिन इसका इस्तेमाल नहीं होता. इसे आखिरी आदेश तक सेफ रखने के लिए जमा कराया जाता है. हालांकि, अगर किसी सामान या कैश पर कोई खास निशान बना हो, जिससे ईडी को भविष्य में कोई और सुबूत मिल सकता है तो उस चीज को एक लिफाफे में रख कर लॉकर में डाल दिया जाता है

मध्य प्रदेश में विधानसभा चुनाव की तारीख आगे बढ़ाने का लेटर वायरल, क्या है सच्चाई?

मध्य प्रदेश में बुधवार को एक पत्र सोशल मीडिया पर जमकर वायरल रहा है. जिसमें यह कहा गया कि छठ पर्व होने की वजह से 17 नवंबर को होने वाले चुनाव को आगे बढ़ा दिया गया है. जैसे ही यह पत्र वायरल हुआ, वैसे ही राजनीतिक पार्टियों के साथ-साथ आम लोगों में भी चर्चा का दौर चल पड़ा. इस पूरे पत्र का वायरल सच पड़ताल के दौरान सामने आया.गौरतलब है कि मध्य प्रदेश में विधानसभा चुनाव को लेकर पूरा कार्यक्रम निर्वाचन आयोग ने पहले ही जारी कर दिया है. मध्य प्रदेश में 2 नवंबर तक नामांकन वापसी की अंतिम तारीख है. इसके बाद 17 नवंबर को चुनाव होना है. मतदान की मतगणना 3 दिसंबर को होगी. इस पूरे कार्यक्रम के बीच सोशल मीडिया पर एक पत्र जारी वायरल हो रहा है, जिसमें कहा जा रहा है कि चुनाव की तारीख को आगे बढ़ा दिया गया है.

बागी हुए उदयलाल डांगी की बीजेपी में वापसी, पार्टी ने इस सीट से बनाया उम्मीदवार

राजस्थान में 25 नवंबर को विधानसभा चुनाव होने वाले हैं. प्रदेश में नामांकन प्रक्रिया शुरू हुए तीन दिन हो चुके हैं, लेकिन अभी कुछ सीटों पर बीजेपी और कांग्रेस दोनों पार्टियों का पेंच फंसा हुआ है. इसलिए दोनों ही दलों ने अभी तक कई सीटों पर अपने उम्मीदवारों का एलान नहीं किया है. बीजेपी ने दिवाली से पहले मेवाड़ में एक बड़ा धमाका किया है. पार्टी छोड़ बागी हुए नेता उदयलाल डांगी को बीजेपी ने फिर से पार्टी में शामिल कर लिया है. दिल्ली में उन्हें पार्टी की सदस्यता दिलाई गई. बीजेपी ने बृहस्पतिवार (2 नवंबर) को जारी हुई पार्टी की तीसरी लिस्ट में उदयलाल डांगी को पार्टी का उम्मीदवार बनाया है.उदयलाल लाल डांगी उदयपुर की हॉट सीट वल्लभनगर से 2018 का विधानसभा चुनाव लड़ चुके हैं. इसमें वो दूसरे नंबर पर रहे थे, क्योंकि यहां त्रिकोणीय मुकाबला था. यहां कांग्रेस से गजेंद्र सिंह शक्तावत, बीजेपी से उदयलाल डांगी और जनता सेना से रणधीर सिंह भींडर के बीच कांटे की टक्कर हुई थी. हालांकि इस टक्कर में कांग्रेस के उम्मीदवार गजेंद्र सिंह शक्तावत जीत दर्ज करने में कामयाब रहे थे. बीजेपी आलाकमान ने उदयलाल डांगी की इस क्षेत्र में मजबूत पकड़ को देखते हुए, उन्हें वल्लभनगर सीट से उम्मीदवार बनाने का एलान किया है.

उदयलाल डांगी को मिली थी हार-गजेंद्र सिंह शक्तावत का निधन होने के बाद साल 2021 में इस सीट पर उपचुनाव हुए, जिसमें बीजेपी ने उदयलाल डांगी का टिकट काट हिम्मत सिंह झाला को उम्मीदवार बनाया था. इससे नाराज होकर उदयलाल डांगी ने आरएलपी जॉइन कर लिया था और यहां से चुनाव लड़े थे. इस चुनाव में कांग्रेस की प्रीति गजेंद्र शक्तावत को जीत मिली. वहीं दूसरे नंबर पर उदयलाल डांगी, तीसरे पर रणधीर सिंह भींडर और चौथे पर बीजेपी के हिम्मत सिंह झाला रहे थे

ईडी की नोटिस के बीच अरविंद केजरीवाल बोले- मेरे शरीर को गिरफ्तार तो कर लोगे लेकिन..

मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव प्रचार के लिए पहुंचे आम आदमी पार्टी के संयोजक और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने एक रोड शो किया. इस दौरान उन्होंने इशारों-ही-इशारों में बीजेपी पर जमकर हमला बोला. केजरीवाल ने कहा कि दिल्ली में रोज खड़े होकर धमकी दे रहे हैं कि गिरफ्तार कर लेंगे. केजरीवाल के शरीर को तो गिरफ्तार कर लोगे, लेकिन केजरीवाल की सोच को कैसे गिरफ्तार करोगे. हजारों-लाखों केजरीवाल को कैसे गिरफ्तार करोगे.

आप के संयोजक ने आगे कहा, ÷तुम्हारी दस साल से देश में

सरकार है. आज देश का बच्चा-बच्चा पूछ रहा है कि देश में कितने स्कूल बनाए. किस-किस का मुंह बंद करोगे. हम अन्ना आंदोलन से निकले हैं. रामलीला मैदान की स्टेज पर मैं, सत्येंद्र जैन और मनीष सिसोदिया बैठते थे, हमें गिरफ्तार कर लोगे, लेकिन जो करोड़ों लोगों की भीड़ रामलीला मैदान में आती थी, उन्हें कैसे गिरफ्तार करोगे.÷

केजरीवाल जेल जाने से नहीं डरता-दिल्ली के मुख्यमंत्री ने कहा, ÷केजरीवाल जेल जाने से नहीं डरता. हम यहां अपने लिए नहीं आए. जहां-जहां आम आदमी पार्टी प्रचार करने जाती है, जीतना शुरू करती है. जैसे आपने पिछले चुनाव में रानी अग्रवाल को समर्थन दिया था, वैसे ही इस बार भी दीजिए. सिंगरौली से यह शुरुआत होगी और मध्य प्रदेश के कोने-कोने में पहुंचेगी. जिस दिन चुनाव के नतीजे आएंगे मुझे पता नहीं कि मैं जेल में रहूंगा या बाहर, लेकिन जहां भी रहूं, आवाज आनी चाहिए कि सिंगरौली में केजरीवाल आया था और सिंगरौली वालों ने ऐतिहासिक जीत देकर भेजा है.÷

आज ईडी के सामने पेश नहीं हुए केजरीवाल-बता दें कि अरविंद केजरीवाल को ईडी ने गुरुवार को सुबह में आबकारी नीति मामले में पूछताछ के लिए बुलाया था. हालांकि, केजरीवाल ईडी के सामने पेश नहीं हुए और एमपी में चुनाव प्रचार के लिए रवाना हो गए.

बोलीविया के इजरायल से संबंध समाप्त करने का नहीं होगा युद्ध पर असर, इजरायली मकसद पूरा होने तक जारी रहेगी जंग

इजरायल और हमास के बीच युद्ध अब तीसरे सप्ताह में पहुंच गया है. इस बीच लैटिन अमेरिकी देश बोलीविया ने इजरायल से अपने तमाम संबंध समाप्त कर लिए हैं. इसके साथ ही चिली और कोलंबिया ने अपने राजदूत वापस बुला लिए हैं. इजरायल पर दबाव बनाने की यह रणनीति हालांकि काम करती दिख नहीं रही है, क्योंकि उसके हमले बदस्तूर जारी हैं. पहले ईरान और अरब देशों की धमकी के बावजूद इजरायल ने हमले बंद नहीं किए थे. हमास ने बोलीविया के कदम का स्वागत करते हुए सभी अरब देशों से भी ऐसा करने की अपील की है. इजरायल ने बोलीविया को ईरान से डरकर यह कदम उठाने का दोषी करार दिया है.

नहीं होगा इजरायल पर असर-इजरायल के बोलीविया से जो राजनयिक संबंध बने थे, वह बहुत पुराने नहीं थे. 2019 में ही उनकी बहाली हुई थी. उसके पहले भी इजरायल ने जब गाजा पट्टी पर हमला किया था, तो बोलीविया ने उससे संबंध तोड़े ही हुए थे. यह इजरायल के लिए नयी बात नहीं है और इससे इजरायल पर कोई बड़ा असर भी नहीं पड़ेगा.

राजस्थान-मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ से कहीं ज्यादा फंसा है मिजोरम में विधानसभा चुनाव?

उत्तर-पूर्व के मिजोरम ने बड़ी पार्टियों की सियासी बेचैनी बढ़ा दी है. खासकर बीजेपी और कांग्रेस की. चुनावी शोरगुल में राष्ट्रीय चैनल के सिनेरियो से गायब मिजोरम में विधानसभा की 40 सीटें हैं, जहां मुख्य मुकाबला मिजो नेशनल फ्रंट और कांग्रेस गठबंधन के बीच है.मिजोरम की सत्ता में अभी तक बीजेपी भी साझेदार थी, लेकिन चुनाव से पहले सहयोगी मिजो नेशनल फ्रंट ने उससे दूरी बना ली. राज्य के मुख्यमंत्री जोरमथंगा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ मंच शेयर करने से भी इनकार कर दिया है.मुश्किलें कांग्रेस की भी कम नहीं है. पार्टी के सामने 10-10 साल की सत्ता का रिवाज बदलने की चुनौती है. 1986 से ही मिजोरम की जनता राजनीतिक दलों को

लगातार 2 बार सत्ता में आने का मौका देती रही है. कांग्रेस को भी इस परंपरा का फायदा मिल चुका है मिजोरम के चुनाव में मुख्य मुद्दा रोजगार और शांति है. 7 नवंबर को होने वाले इस चुनाव में कुल 174 उम्मीदवार मैदान में हैं.

शरीर में छिपाकर विमान से ला रहा था लाखों का सोना-बिहार का यात्री सोना तस्करों का प्यादा था. हैंडलर दुबई से आए यात्री का इंतजार कर रहे थे. यात्री को दुबई से लाया गया सोना हैंडलरों के हवाले करना था. एयरपोर्ट के बाहर निकलने पर पुलिस को यात्री की गतिविधियां संदिग्ध लगी. मामले की पुष्टि होने के बाद यात्री समेत तीनों लोगों को सरोजनीनगर पुलिस ने धर दबोचा. पकड़े जाने पर यात्री ने दोनों हैंडलरों से अनभिज्ञता जाहिर की. पूछताछ में बिहार के यात्री ने दुबई से सोना छिपाकर लाए की बात स्वीकार की.

ज्ञानवापी मामले में वाराणसी कोर्ट में सुनवाई,ए एस आई आईको रिपोर्ट सौंपने के लिए मिला 17 नवंबर तक का समय

अधिवक्ता सुधीर त्रिपाठी ने बताया कि मौखिक रूप से एएसआई सर्वे रिपोर्ट को 17 नवंबर तक पेश करने के लिए जिला न्यायालय नें निर्देशित किया है. वहीं इस मामले में हिंदू पक्ष की तरफ से पैरवी कर रहे हैं सोहनलाल आर्य ने भी बातचीत में कहा कि न्यायालय द्वारा 17 नवंबर तक स्ढ्ढ रिपोर्ट मौखिक रूप से पेश करने को कहा गया है. हम इस फैसले का सम्मान करते हैं. वहीं केन्द्र सरकार के वकील अमित श्रीवास्तव ने कहा है कि एएसआई ने ज्ञानवापी परिसर में सर्वे का काम पूरा कर लिया है.

एएसआई ने चार हफ्ते का और मांगा था समय -बता दें कि ज्ञानवापी सर्वे की रिपोर्ट एएसआई को इससे पहले छह अक्टूबर तक देनी थी. हालांकि बाद में उसे तीन नवंबर तक इसे जमा करने के निर्देश दिये गये थे. वाराणसी कोर्ट ने 21 जुलाई को एएसआई को ज्ञानवापी परिसर का सर्वे कर चार अगस्त तक रिपोर्ट पेश करने को कहा था. हालांकि 24 जुलाई को सर्वे शुरू होने के बाद पहले सुप्रीम कोर्ट और फिर इलाहाबाद हाईकोर्ट के आदेश से तीन अगस्त तक काम रुका रहा. इसके बाद एएसआई ने सर्वे का काम पूरा करने के लिए चार हफ्ते का और समय मांगा था. वहीं कोर्ट ने पांच अगस्त को सर्वे रिपोर्ट पेश करने के लिए चार हफ्ते का और समय दिया था.

होम्योपैथी

गर्भावस्था में बरतें सावधानी

गर्मी और तपन से बेहल लोगों के लिए मानसून की ठंडी फुहार राहत लेकर आयी हैं, लेकिन यही फुहारें गर्भवती महिलाओं के लिए खतरनाक हो सकती हैं, क्योंकि मानसून अपने साथ कई प्रकार के संक्रमण भी लाता है। यह मौसम मां और गर्भ में पल रहे बच्चे दोनों के लिए प्रतिकूल है। नर्चर आईवीएफ सेंटर में महिला रोग एवं इनफर्टिलिटी उपचार विशेषज्ञ डॉ. अर्चना धवन बजाज का कहना है कि इस मौसम में वातावरण में नमी की वजह से कीटाणु गतिशील हो जाते हैं, जिसकी वजह से डेंगू, मलेरिया, जुकाम, फ्लू, बुखार, त्वचा संक्रमण, फंगस संक्रमण, खाद्य संक्रमण और पानी से होने वाले संक्रमण का खतरा कई गुना बढ़ जाता है। इस मौसम में हैजा और लेप्टोसिरोसिसआदि गंभीर बीमारियां होने की आशंका बढ़ जाती है। डॉ. अर्चना के मुताबिक, लेप्टोसिरोसिस, एक जीवाणु के द्वारा पनपता है जो इंसान या जानवर किसी के भी द्वारा गर्भवती महिला के गर्भ तक पहुंच सकता है। लेप्टोसिरोसिस गर्भ में पल रहे बच्चे के लिए जानलेवा भी हो सकता है।

इसके अतिरिक्त पेट संक्रमण, डिहाइड्रेशन आदि भी जल जनित रोगों में से एक है, इसलिए गर्भवती महिलाओं को इस मौसम में विशेष ध्यान रखने की जरूरत है।

गुस्सैल हैं तो बच्चे भी हो सकते हैं चिड़चिड़े

अगर आप सोचते हैं कि आपके चिड़चिड़े व्यवहार का असर आपके बच्चे पर पड़ेगा या नहीं तो इसके उत्तर हां में होने की संभावना अधिक है। एक अध्ययन में यह बात सामने आई है। यूनिवर्सिटी ऑफ विस्कांसिन के शोध के अनुसार गुस्से या चिंता में दिमाग के तीन हिस्से आवश्यकता से अधिक सक्रिय हो जाते हैं और यह प्रक्रिया अनुवांशिक रूप से एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी में स्थानांतरित हो जाती है। समय के साथ इसका असर गंभीर चिंता और अवसाद के रूप में दिखायी देता है। मस्तिष्क के इन तीन हिस्सों की सक्रियता अत्यधिक गुस्से और व्यग्रता को जन्म देती है और इस गुण को बचपन में देखा जा सकता है। शोधकर्ताओं ने 600 बंदरों पर शोध के बाद निष्कर्ष निकाला है।

कि व्यग्रता और चिड़चिड़ेपन की 35 प्रतिशत भविष्यवाणी उसके पारिवारिक इतिहास को देखकर की जा सकती है। शोधकर्ताओं के अनुसार व्यक्ति का गुस्सा और चिड़चिड़ापन अनुवांशिक रूप तभी लेता है जब वह दिमाग के सर्किटस को ज्यादा क्रियाशील बना देता है।

तो ऐसे मिल सकता है चश्मे से छुटकारा

आधुनिक जीवन में कम्प्यूटर, टीवी और मोबाइल लोगों के जीवन का अभिन्न अंग बन गए हैं। ऐसे में लोगों की आंखों का कमजोर होना आम सा हो गया है। लेकिन चश्मे को कैसे बाय-बाय कहा जाए, इसके संबंध में हम आपको कुछ घरेलू उपाय बताने जा रहे हैं।

1 बादाम,सौंफ और मिश्री को बराबर मात्रा में उसे पीस लें। इस मिश्रण का 10 ग्राम हिस्सा 250 मिली दूध के साथ रात में सोने से पहले लें। 40 दिन तक लगातार इस्तेमाल करने से आप महसूस करेंगे कि आंखों की रोशनी बढ़ी है। इसे लेने के 2 घंटे बाद तक पानी न ?पिएं।

2 आंवला में विटामिन सी की मात्रा ज्यादा होने से यह आंखों के लिए बहुत फायदेमंद होता है। आंवला का सेवन पाउडर, कैप्सूल, जैम या जूस की तरह किया जा सकता है। हर सुबह शहद के साथ आंवले का रस पीने से पहले पानी के साथ एक चम्मच इसका पाउडर खाने से भी फायदा मिलता है।

3- एक चम्मच त्रिफला पाउडर को पानी में डाल कर रात भर के लिए छोड़ दें। अगली सुबह इस पानी को छान कर इसी से आंखें धुलें। साथ ही अगर आंखें धुलते वक्त मुंह में ताजा पानी भरे रखेंगे तो और भी फायदा मिलेगा। एक ही महीने में आपको फर्क महसूस होगा।

ऑफिस में कुछ आदतों से करें तौबा

बंद ऑफिस में बैठकर घंटों काम करते रहना आपकी सेहत को कितना नुकसान पहुंचा सकता है, उसकी कल्पना भी आपने नहीं की होगी। यह सही है कि आप अपने ऑफिस के परिवेश और पर्यावरण को पूरी तरह नहीं बदल सकते, पर कुछ बातों का ध्यान रखकर सेहत संबंधी जोखिम को जरूर कम कर सकते हैं।

एक बार सोचकर देखिए...बाइस-पच्चीस की उम्र में आप ऑफिस पहुंचने की जल्दी में नाश्ता नहीं करते। मीटिंग पूरी होने के बाद आप एक कॉफी पीते हैं और साथ में दो-तीन बिस्कुट खा लेते हैं। शाम में भी देर तक काम करते हैं। फिर एक दशक बाद, इन्हीं स्थितियों में यही काम करने में परेशानी होने लगती है। घंटों कंप्यूटर के सामने बैठे रहने से कंधे और गर्दन में अकड़न रहने लगती है। वजन बढ़ने लगता है और थकान महसूस होती है, निराशा और तनाव भी।

कहीं यह वर्णन आपको अपने ताजा हालात की तरह तो नहीं लग रहा। यदि हां तो थोड़ा संभल जाएं। कार्यस्थल से जुड़ी कई ऐसी बातें हैं, हो सकता है कि उनकी नजरअंदाजी आपकी सेहत पर भारी साबित हो रही हो।

चलें, खड़े हों और स्ट्रेच करेंः औसतन ऑफिस में हम 8 से 10 घंटे बिताते हैं यानी हर सप्ताह 50 से 60 घंटे के करीब। इसमें से भी अधिकतर समय बैठे हुए ही बीतता है। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एपिडेमियोलॉजी में प्रकाशित अध्ययन के अनुसार, आप चाहें बैठे रहते हैं या फिर खड़े, अगर मूवमेंट कम है तो संभलने की जरूरत है। प्रिवेंटिव मेडिसिन जर्नल में छपी एक रिपोर्ट इज योर जॉब मेकिंग यू फैट? के अनुसार पिछले तीन दशकों में ऑफिस कर्मियों की सक्रियता में कमी देखने में आई है, जिससे उनमें मोटापा बढ़ रहा है।

नई दिल्ली के अपोलो स्पेक्ट्रा हॉस्पिटल की वरिष्ठ डॉक्टर नवनीत कौर कहती हैं, ईमेल या फोन करने के बजाय सहकर्मी की सीट पर जाकर बात करने व एक-दो बार

खड़े होकर मीटिंग करने जैसे छोटे कदम ही मूवमेंट को बढ़ा सकते हैं। सीनियर कार्डियोलॉजिस्ट एसके गुप्ता कहते हैं, लगातार बैठे रहना मोटापा, मधुमेह और हृदय रोगों की आशंका बढ़ाता है। हृदय रोगों का कारण रक्त संचार में बाधा आना और धमनियों में कोलेस्ट्रॉल का बढ़ना है। लगातार बैठे रहना इन दोनों की आशंका को बढ़ाता है। हर आधे घंटे बैठने के बाद 2 मिनट खड़े होना और दो मिनट स्ट्रेचिंग करना जरूरी होता है। पानी पीने के लिए सीट से उठकर जाएं। देर तक बैठे न रहें। कभीकभार किसी असुविधाजनक चीज जैसे एक्सरसाइज बॉल, बिना पीछे के सहारे की कुर्सी पर बैठें, पॉस्चर बदलते रहें, सीढ़ियां चढ़ें। **आंखों को दें आरामः** हमारी आंखें सबसे आरामदायक स्थिति में उस समय होती हैं, जब वे 6 मी से अधिक की दूरी से वस्तुओं को देखती हैं। इससे पास से देखना आंख पर दबाव डालता है। धुंधला दिखना, फोकस न कर पाना और सिरदर्द जैसे लक्षण उत्पन्न होने लगते हैं।

इसीलिए किसी भी स्क्रीन को बहुत नजदीक से न देखें। या तो स्क्रीन को आंखों के समानांतर रखें या हल्का सा नीचा। कंप्यूटर स्क्रीन पर कंट्रास्ट और ब्राइटनेस दोनों कम रखें। बीच-बीच में ब्रेक लेकर दूर की चीजों को देखें। नियमित आंखों की जांच कराएं। **थोड़ा ब्रेक लेते रहेंः** दिनभर में हम कुछ ही घंटे पूरी एकाग्रता से काम कर सकते हैं। उससे अधिक देर तक काम करना हृदय व ब्लड प्रेशर के लिए अच्छा नहीं होता। वर्ष 2015 में ऑस्ट्रेलिया, अमेरिका और ब्रिटेन के करीब छह लाख लोगों पर आधारित लैंसेट जर्नल में छपे अध्ययन के अनुसार सप्ताह में 55 घंटे से अधिक काम करने वालों में स्ट्रोक की आशंका 33 इऔर हृदय रोगों की 13इ तक बढ़ जाती है।

लंबे समय तक काम करना है, तो योग, ध्यान व व्यायाम के लिए समय निकालें। ऑफिस में जिम है तो उसे ज्वॉइन करें। साथ ही छुट्टियां लेकर कहीं घूमने जाने के लिए समय निकालें। परिवार के साथ समय बिताएं व अपनी रुचि के काम करें। **काम घर न ले जाएंः** घर पहुंचकर भी ऑफिस कॉल, मैसेज और ईमेल में बिजी रहना आपको रिलैक्स नहीं होने देता। वर्क-लाइफ बैलेंस की स्पष्ट सीमा निश्चित करें। घर और काम में संतुलन बनाना आपको अधिक कार्यकुशल रखेगा। सही समय पर ऑफिस जाएं और समय पर घर लौटें। उसके बाद ऑफिस को घर साथ न ले जाएं। अगर कभी ऑफिस में देर होती है,जो कि संभव है तो बॉस की अनुमति लेकर अगले दिन की शुरुआत कुछ देर से करें और अपनी नींद पूरी करें। अगर बॉस मन के अनुरूप नहीं है तो भी तनाव को घर के रिश्तों पर न निकालें। एक शोध के अनुसार जिन लोगों को लगता है कि वे कम सक्षम मैनेजरों के साथ काम कर रहे हैं, उनमें हृदय रोग होने की आशंका 25इ अधिक होती है। लंबे समय तक उनके साथ काम करना उस आशंका को 64 इ तक बढ़ा देता है। **स्वच्छ हवा जरूरीः** अधिकतर एयरकंडीशंड ऑफिस बिल्डिंग बंद होती हैं, जहां एक ही तरह की टॉक्सिक हवा बार-बार घूमती रहती है, जो फेफड़ों को नुकसान पहुंचा सकती है, जिसे सिक बिल्डिंग सिंड्रोम कहते हैं। फरीदाबाद स्थित एशियन इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज में सीनियर कंसल्टेंट पल्मोनोलॉजिस्ट मानव मनचंदा कहते हैं,कई बार बिल्डिंग के भीतर की हवा बाहर की हवा से 100 गुणा अधिक प्रदूषित होती है। ऐसे में संस्थाओं के लिए जरूरी है कि वे नियमित इनडोर एअर क्वालिटी टेस्ट करवाती रहें। **सही खाएंः** भोजन में ज्यादा अंतराल होने पर हम कुछ हल्का खाने की कोशिश करते हैं। उससे भूख कुछ तो शांत होती है, फिर 20 से 30 मिनट बाद कुछ खाने की ललक होने लगती है। जिसके बाद फिर आप स्नैक्स खाने की कोशिश करते हैं। इस प्रक्रिया में शुगर लेवर में भी उतार-चढ़ाव आता है। आपको थकावट, चिड़चिड़ापन व आलस महसूस होता है। साथ ही कमर का घेरा भी बढ़ने लगता है। यह कहना है मुंबई में सेंटर फॉर ओबेसिटी एंड डाइजेस्टिव सर्जरी में सीनियर न्यूट्रिशनिस्ट कार्लिने रेमिडस का। उनके अनुसार बेहतर है कि नाश्ते के सेहतमंद विकल्प अपने पास रखें, जैसे फल, भुने चने, मेवा, मूंगफली और बिना मिठास की म्युएसली। चीनी वाली चीजों से दूर रहें। इसमें जूस, सोडा, बिस्कुट व तली हुई चीजें शामिल हैं।

दोपहर का भोजन जरूर करेंः दोपहर में भोजन अवश्य करें, पर अपनी डेस्क पर ही न करें। डेस्क पर बैठकर भोजन करना कार्यस्थल पर कीटाणु तो उत्पन्न करता ही है, मानसिक रूप से आप उस समय भी ऑफिस के काम में लगे होते है। वहीं भोजन न करना थकावट और शिथिलता लाता है। सक्रियता घट जाती है और सोचने-समझने की क्षमता पर असर पड़ता है। भोजन करने के बाद थोड़ा टहल लें, विटामिन डी बढ़ेगा और पाचन क्षमता और ऑक्सीजन के स्तर में सुधार होगा। दोपहर के भोजन के बाद थोड़ी देर टहलने पर आप अधिक स्पष्टता और सूझबूझ के साथ काम कर पाते हैं।

चाय-कॉफी कम, पानी ज्यादाः एयरकंडीशंड ऑफिस में पानी पीना याद नहीं रहता। पर इसे न भूलें। शरीर से पानी लगातार कम होता रहता है, ऐसे में पानी की कमी होने पर सिर दर्द, मांसपेशियों में खिंचाव होने लगता है। सिर भी

बालों के लिए वरदान समान है मुलेठी, बस जान लीजिए इसे इस्तेमाल करने का तरीका

आज के समय में हर कोई बालों की किसी ना किसी समस्या से जूझ रहा है। खराब लाइफस्टाइल से लेकर खानपान की आदतें, प्रदूषण व तनाव ऐसे कुछ कारण हैं, जिसके कारण असमय बालों का सफेद होना व उनका झड़ना आदि शुरू हो जाता है। इस स्थिति में अधिकतर लोग तरह-तरह के हेयर केयर प्रॉडक्ट का इस्तेमाल करते हैं, जिसमें उनके काफी सारे पैसे खर्च हो जाते हैं। वैसे अगर आप भी बालों की समस्या से जूझ रहे हैं तो इसके लिए मुलेठी का इस्तेमाल किया जा सकता है। तो चलिए जानते हैं मुलेठी से बालों को मिलने वाले लाभ और उसके सही इस्तेमाल के बारे में-

मिलते हैं यह लाभः हेयर केयर एक्सपर्ट बताते हैं कि मुलेठी पाउडर नए बालों को जन्म देने के लिए हेयर फॉलिकल्स को स्टिम्यूलेट करते हैं, जिससे पुरुषों और महिलाओं में गंजापन और बालों के झड़ने की समस्या दूर होती है। इसके अलावा, यह एक एंटी-बैक्टीरियल एजेंट के रूप में कार्य करता है जिससे स्कैल्प का संक्रमण ठीक हो जाता है। वहीं, मुलेठी पाउडर के इस्तेमाल का एक लाभ यह भी है कि यह आपके स्कैल्प और बालों को गहराई से साफ करता है जिससे सीबम निकल जाता है और बाल चमकदार दिखते हैं। मुलेठी पाउडर के नियमित उपयोग से समय से पहले बालों का सफेद होना नियंत्रित किया जा सकता है। इतना ही नहीं, यह उन्हें चमकदार और स्मूद बनाता है। **ऐसे करें इस्तेमालः** मुलेठी पाउडर को बालों में कई तरह से इस्तेमाल किया जा सकता है। आप अपने बालों की जरूरत के अनुसार इसे प्रयोग कर

सकते हैं। मसलन- **लंबे बालों के लिएः** सबसे पहले एक कटोरी में 3 बड़े चम्मच नारियल का तेल निकाल लें। थोड़ा तेल गरम करें। अब इस तेल में एक टेबलस्पून मुलेठी का पाउडर डालें। अब इस मिश्रण को रात भर के लिए ढक कर रख दें। इसके बाद दूसरे दिन सुबह तेल को छान लें। इसे हल्का गर्म करें और इसे जड़ों से बालों की लंबाई तक लगाएं। अब पूरे दिन बालों में तेल लगा रहने दें। इसे आप रात को भी बालों में लगा कर छोड़ सकते हैं। इसके बाद दूसरे दिन बालों को शैंपू से धो लें। मुलेठी को नियमित रूप से हर 15 दिन में अपने बालों में लगाएं और असर देखें। **स्कैल्प को क्लीन करने के लिए मुलेठी का स्क्रबः** चूंकि, मुलेठी जीवाणुरोधी है। अगर आपके बालों में डैंड्रफ है तो मुलेठी के इस्तेमाल से आपको काफी फायदा मिलेगा। यह एंटीइन्फ्लेमेटरी भी है, इसलिए इससे स्कैल्प को क्लीन करने में मदद मिलती है। स्क्रब बनाने के लिए आप सबसे पहले एक कटोरी में 1 छोटा चम्मच नींबू का रस और 1 चम्मच शहद मिलाएं। अब आप इस मिश्रण में 1 छोटा चम्मच मुलेठी का पाउडर मिला लें। **बालों की कंडीशनिंग के लिए मुलेठीः** मुलेठी में भरपूर मात्रा में विटामिन-ई पाया जाता है। जो बालों को हाइड्रेशन देता है। वहीं अगर आप मुलेठी के साथ दही को बालों में लगाएंगे तो यह मिश्रण बालों को अच्छा प्रोटीन ट्रीटमेंट देगा। एक बाउल में 2 बड़े चम्मच खट्टा दही लें और उसमें एक बड़ा चम्मच मुलेठी का पाउडर डालें। अब इस मिश्रण को अच्छी तरह मिला लें। अब इसे अपने पूरे बालों में लगाएं। इस होममेड हेयर मास्क को बालों में 30 मिनट के लिए छोड़ दें। इसके बाद बालों को धो लें। आप इस देसी नुस्खे को हफ्ते में एक बार अपना सकते हैं।

कहीं नाश्ता करते समय आप भी तो नहीं करते यह गलतियां

दिन की शुरूआत में ही कुछ लोगों को चाय या कॉफी पीने की आदत होती है। खासतौर से, भारतीय घरों में अगर सुबह चाय न मिले तो लगता है कि मानो दिन शुरू ही नहीं हुआ हो। लेकिन एक लंबे गैप के बाद शरीर को एक तरल पदार्थ की आवश्यकता होती है और वह पानी ही होना चाहिए। नाश्ता न सिर्फ दिन का पहला मील होता है, बल्कि यह सबसे अधिक महत्वपूर्ण भी होता है।तो चलिए जानते है ऐसी ही कुछ गलतियों के बारे में- **सबसे पहले चायः** दिन की शुरूआत में ही कुछ लोगों को चाय या कॉफी पीने की आदत होती है। खासतौर से, भारतीय घरों में अगर सुबह चाय न मिले तो लगता है कि मानो दिन शुरू ही नहीं हुआ हो। लेकिन एक लंबे गैप के बाद शरीर को एक तरल पदार्थ की आवश्यकता होती है और वह पानी ही होना चाहिए। सुबह खाली पेट अगर पानी का सेवन न किया जाए तो इससे कई तरह की स्वास्थ्य समस्याएं होती है। **बहुत अधिक मीठा या नमकः** कुछ लोगों को नाश्ते में अत्यधिक मीठा खाने की आदत होती है। नाश्ते में बहुत अधिक मीठा खाना अच्छा नहीं माना जाता। कुछ लोग चाय से लेकर केक, पेस्टी आदि में काफी अधिक मीठे का सेवन कर लेते हैं। ऐसा करने से बचें। बेहतर होगा कि आप अलग से मीठा लेने की बजाय नेचुरल चीजों से ही मीठे का सेवन करें। वैसे नाश्ते में मीठे की तरह ही नमक का भी अधिक सेवन करने से बचना चाहिए। **अंडे पर निर्भरताः** अंडे को एक बेहतरीन ब्रेकफास्ट माना गया है क्योंकि इसमें प्रोटीन का स्तर उच्च होता है। लेकिन अंडे का अत्यधिक सेवन परेशानी खड़ी कर सकता है, खासतौर से गर्मी के मौसम में। बेहतर होगा कि आप अन्य खाद्य पदार्थों जैसे नट्स, पीनट बटर या चिया सीड्स आदि की मदद से प्रोटीन को अपने ब्रेकफास्ट में शामिल करें। **बचें इससेः** नाश्ते के समय हर किसी को बेहद जल्दी होती है, इसलिए कुछ लोग जल्दी-जल्दी में नाश्ता करते हैं, जिससे खाना सही तरह से न चबाकर खाने से अपच या पेट में दर्द की समस्या उत्पनन्‍ होती है। वहीं अगर आप नाश्ता कर रहे हैं तो उस समय अपना ध्यान टीवी या मोबाइल आदि में न रखें।

कोविड से बचाव के लिए सुबह खाली पेट खाएं ये 3 चीजें, इस तरह बूस्ट होगी इम्यूनिटी!

शरीर को बीमारियों से बचाने के लिए रोग प्रतिरोधक क्षमता यानी इम्यूनिटी सिस्टम का मजबूत होना बेहद जरूरी है। इस वक्त दुनियाभर में कोरोना काल भी चल रहा है, ऐसे में अपनी बॉडी को स्ट्रांग बनाने के लिए इम्यून सिस्टम का मजबूत होना भी जरूरी है। दरअसल, डॉक्टर्स के मुताबिक जिन लोगों का इम्यूनिटी सिस्टम कमजोर होता है, ऐसे लोग कोरोना के चपेट में जल्दी आ रहे है। जरूरी है कि खुद को इस जानलेवा बीमारी से बचाने के लिए अपने आहार में ऐसी चीजें शामिल करें जिनसे आपका इम्यूनिटी सिस्टम मजबूत हो सके। इसलिए आज हम आपको तीन ऐसी चीजों के बारे में बताने जा रहे है जिनसे इम्यूनिटी सिस्टम मजबूत होगी, साथ ही कोविड से भी बचाव हो सकेगा, आइए जानते हैं।

अपने आहार में शामिल करें आंवलाः इम्यूनिटी बढ़ाने के लिए आंवला एक अच्छा स्रोत है। इसमें विटामिन सी, एंटी-ऑक्सीडेंट्स भरपूर्ण मात्रा में पाए जाते हैं। इम्यूनिटी बढ़ाने के अलावा चेहरे और बालों की चमक बढ़ाने के लिए आंवला काफी अच्छा माना जाता है। इसके फायदे के लिए रोजाना खाली पेट आंवला का सेवन कर सकते हैं। रोजाना इसका सेवन करने से कैंसर जैसी बीमारी से भी बचाव होता है। इसके अलावा वायरल या बैक्टीरियल इंफेक्शन,

कफ, खांसी और जुकाम जैसी समस्या से बचाव होता है। ये आंखों की रोशनी को तेज करने में भी मददगार साबित होता है।

लहसुन का सेवन करेंः रोजाना खाली पेट लहसुन का सेवन करने से भी कई लाभ होते हैं। इसमें मौजूद एंटीबायोटिक और एंटी बैक्टीरियल गुण शरीर को कई तरह से फायदा पहुंचाते हैं। इसके सेवन से इम्यूनिटी सिस्टम को बढ़ाया जा सकता है। इसमें एलिसिन नामक यौगिक मौजूद है जो ब्लड शुगर को काबू करता है। इसके अलावा ये दिल और फेफड़ों संबंधित समस्या से भी बचाने में मददगार साबित है। विशेषज्ञों के अनुसार कई बीमारियों के इलाज के लिए लहसुन रामबाण इलाज है। ये खून को साफ करने के अलावा शरीर में जमे विषाक्त पदार्थों को भी बाहर निकालने में मदद करता है। लहसुन से होने वाले लाभ के लिए रोजाना खाली पेट इसका सेवन करें। रोजाना दिन में दो बार इसकी कच्ची कलियां चबाने पर आपका बढ़ता वजन भी कम हो सकता है।

शहद का करें सेवनः हेल्थ एक्सपट्र्स कहते है कि शहद में विटामिन सी, विटामिन बी-6, राइबोफ्लेविन, काबीहाइड्रेट और एंटी-ऑक्सीडेंट्स मौजूद होते है, जो शरीर के लिए कई तरह से फायदेमंद हैं। रोजाना खाली पेट शहद का सेवन करने से इम्यूनिटी सिस्टम मजबूत होती है। त्वचा की चमक बढ़ने के अलावा वजन भी कम होता है। अगर बात की जाए शहद से होने वाले अन्य फायदों की तो इसके सेवन से ब्लड शुगर को काबू किया जा सकता है। डायबिटीज टाइप-2 के लिए भी शहद काफी अच्छा माना गया है। शहद में नेचुरल ग्लूकोज और फ्रक्टोज होता है जो शुगर के मरीजों के लिए हानिकारक नहीं होता है। इसलिए वो रोजाना सीमित मात्रा में शहद का सेवन कर सकते है। इसके अलावा अनिद्रा की समस्या होने पर भी शहद का सेवन किया जा सकता है। कब्ज और पाचन क्रिया को सही करने में भी शहद का इस्तेमाल किया जा सकता है। इसके फायदे के लिए रोजाना सुबह खाली पेट गुनगुने पानी में नींबू का रस और शहद का सेवन कर सकते है।

मथुरा का प्रसिद्ध मंदिर भाई-बहन की इस जोड़ी को है समर्पित

विश्वभर में बहुत से देवी-देवताओं के मंदिर स्थापित है। जिन में भगवान शिव, श्री विष्णु, राधा-कृष्ण आदि के बहुतयात में मंदिर पाए जाते हैं। लेकिन देशभर में ऐसे भी कई मंदिर जो अपने इतिहास और विभिन्न प्रकार की मान्यताओं को लेकर बेहद प्रसिद्ध है। इन मंदिरों की सूची में एक नाम मथुरा के मंदिर का है। आप सोच रहे होंगे कि बेशक वो मथुरा का ये मंदिर राधा-कृष्ण को समर्पित होगा। तो आपको बता दें कि मंदिर राधा-कृष्ण को नहीं यमराज और उनकी बहन को समर्पित है। यह मंदिर मथुरा के प्रसिद्ध विश्राम घाट पर बना हुआ है। इस मंदिर में भाई-बहन की एक खास जोड़ी की पूजा की जाती है, वो जोड़ी है भगवान यमराज और उनकी बहन यमुना देवी की। **पौराणिक कथा :** कथा के अनुसार भगवान सूर्य की पत्नि संज्ञा के पुत्र यमराज और पुत्री यमुना थी। लेकिन सूर्य के ताप को सहन नहीं करने की वजह से उन्होंने छाया को अपनी जगह छोडकर चली गई। छाया से ताप्ती और शनि पैदा हुए। छाया का यमुना और यम से अच्छा व्यवहार नहीं होने पर यम ने एक नई नगरी का निर्माण किया। जो श्रीकृष्ण के अवतार के समय गो लोक चली आई। भाई से स्नेह के कारण कई बार यमराज से अपने यहां आने की प्रार्थना की। आखिर में एक दिन यमराज अपनी बहन से मिलने के लिए आए। लेकिन वह उनको गो लोक में मिली। जहां उन्होंने अपने भाई यमराज को खाना खिलाया। यमराज ने जब उन्हें कुछ वर मांगने को कहा तो उन्होंने कहा कि मेरे जल में स्नान करने वाले चाहे स्त्री हो या पुरूष। यम लोक ना जाए। यह वरदान देना यम के लिए मुश्किल था। इस बात का ज्ञान होते ही यमुना बोली आप चिंता न करें मुझे यह वरदान दें कि जो लोग आज के दिन बहन के यहाँ भोजन करके, इस मथुरा नगरी स्थित विश्राम घाट पर स्नान करें वे तुम्हारे लोक को न जाएं। इसे यमराज ने स्वीकार कर लिया। **भाई-बहन की जोड़ी का एकमात्र मंदिर :** मथुरा का यह मंदिर बहुत ही खास माना जाता है, क्योंकि यह दुनिया का एकमात्र ऐसा मंदिर है। जहां पर भाई-बहन की जोड़ी को पूजा जाता है। मान्यता है कि जो कि जो भी भाई-बहन इस मंदिर में साथ दर्शन करते हैं ।

अनोठी पहल.

शिवाजी पब्लिक स्कूल के बच्चे घर से पहली रोटी गौ माता के लिए लाते है

दैनिक पुष्पांजली टुडे संवाददाता मालनपुर पहलवान सिंह राजावत

मालनपुर /मालनपुर क्षेत्र के समीप संचालित शिवाजी पब्लिक स्कूल संचालक दिनेश सिंह परिहार उर्फ बंटू ने विद्यालय में एक अनूठी पहल की शुरुआत की है उन्होंने विद्यालय परिसर में एक रोटी पात्र रखवाया है विद्यालय में अध्यनरत बच्चे अपने लंच टिफिन में एक रोटी गाय माता के लिए भी लेकर आते हैं और उस पात्र में डालते हैं जब पात्र भर जाता है तो स्कूल संचालक द्वारा एकत्रित हुई रोटियों को आवारा, मूक निराश्रित गायों को खिला दिया जाता है या गौशाला भिजवा दिया जाता है उनके इस पुनीत कार्य की सभी लोग प्रशंसा कर रहे हैंद्य स्कूल संचालक ने बताया कि सनातन धर्म में गाय को मां का दर्जा दिया गया है. माना जाता है कि गाय के शरीर में सभी देवी-देवताओं का वास होता है. घर में पहली रोटी भी गाय के लिए निकालते हैं ताकि सभी देवी-देवताओं को भोग लगाया जा सके. यह हमारी संस्कृति का भी हिस्सा है. लेकिन आज हम इसे कहीं ना कहीं भूलते जा रहे हैं. ऐसे में हमें हमारी संस्कृति और संस्कारों को जिंदा रखने के लिए आने वाली पीढ़ी तक पहुंचाना जरूरी है

हिंदू संस्कृति को दिया जा रहा है बढ़ावा निजी स्कूल में-स्कूल संचालक ने बताया कि पहली रोटी गाय व जरूरतमन्द को देने से बच्चों पर जीवन जीने में चमत्कारी प्रभाव पड़ता है, क्योंकि दान की आदत के संस्कार से ही सर्वहितकारी सोच निर्माण होता है. यही बड़ा बनकर सच्चा सा व सर्वप्रिय संतान बनती है. इन संस्कारों के कारण बुढ़ापे में यही बच्चे मां-बाप की सेवा कर पाते हैं. रोज़ाना रोटी देने से बच्चों में ये स्वभावी कर्म बन जाता है और अहंकार मुक्त जीवन हो जाता है. वह जीवन की हर कठिनाइयों में सरलता से निकल अपने उद्देश्य को प्राप्त कर लेता हैद्य विद्यालय संचालक द्वारा चलाई गई इस महीने में विद्यालय के समस्त शिक्षक भी सहयोग कर रहे हैं

आदतन अपराधी बना हुआ है भाजपा का प्रत्याशी : डॉ. गोविंद सिंह

नेता प्रतिपक्ष डॉ. सिंह ने प्रेस वार्ता कर विपक्ष पर किया हमला

पंकज त्रिपाठी
दैनिक पुष्पांजली टुडे

भिण्ड । विधानसभा नेता प्रतिपक्ष डॉ. गोविंद सिंह ने प्रेस वार्ता कर कहा कि लहार से भाजपा का प्रत्याशी अम्बरीश शर्मा आदतन अपराधी तो है ही साथ ही उसके ऊपर कई प्रकरण दर्ज थे। जिनमें कई प्रकरण अभी भी चल रहे है। नेता प्रतिपक्ष डॉ. गोविन्द सिंह ने प्रेस वार्ता में बताया कि लहार विधानसभा क्षेत्र से भारतीय जनता पार्टी को और कोई प्रत्याशी नहीं मिला तो उन्होंने इस अपराधी को ही प्रत्याशी बना दिया जबकि लहार क्षेत्र में भाजपा के कई कर्मठ लोग जिनका क्षेत्र के हर समाज में जनाधार था उन्हें प्रत्याशी न बनाते हुये एक असामाजिक तत्व को प्रत्याशी बनाया है। उक्त भाजपा प्रत्याशी ने नामांकन दाखित करते समय जो शपथ पत्र प्रस्तुत किया है उसमें भी अपराधों का कोई उल्लेख नहीं किया जबकि भाजपा प्रत्याशी अम्बरीश शर्मा पर दर्जनों प्रकरण पंजीबद्ध है। डॉ. सिंह द्वारा उक्त प्रकरणों की सूची भी बताई गई।इसी तरह दिनांक 19 अप्रेल 2023 को कलेक्टर भिण्ड के आदेश पर जब मुख्य नगर पालिका अधिकारी नगर पालिका परिषद् लहार अतिक्रमण हटवा रहे थे तब उक्त आरोपी जो कि भाजपा का प्रत्याशी है,बंदूक लेकर आया और कर्मचारियों को धमका कर मारपीट भी की जे.सी.बी. मशीन तोड़

दी । शासकीय कार्य में बाधा डाली। सी.एम.ओ. महेश पुरोहित के साथ मारपीट की। इस घटना की रिपोर्ट जब श्री पुरोहित द्वारा की गई तो उनकी रिपोर्ट पर थाना प्रभारी द्वारा कोई कार्यवाही नहीं की गई और न ही आरोपी के विरूद्ध कोई प्रकरण दर्ज हुआ। इस घटना की जानकारी मैने स्वयं मुख्यमंत्री को दी। परन्तु आरोपी पर कोई कार्यवाही न करते हुये महेश पुरोहित सी.एम.ओ. लहार को सस्पेंड कर अटेच कर दिया ।अपराधी किस्म का भाजपा प्रत्याशी मेरे बारे में कुछ भी अनाप- शनाप बकता है, जबकि मेरे विरूद्ध लगभग 30 वर्ष से जिले के प्रदेश के या देश भर के किसी भी थाने में कोई प्रकरण दर्ज नहीं है। अपराधी किस्म का व्यक्ति लहार में भाजपा का प्रत्याशी बना हुआ है और गुण्डागर्दी के बल पर चुनाव में वोट डलवाना चाहता है। जबकि लहार क्षेत्र की जनता मुझे भी जानती है और भाजपा के उक्त अपराधी को भी। जिसकी छवि आदतन अपराधी की रही हो वह भाजपा से प्रत्याशी बना हुआ है, और पैसो के दम पर वोटों को खरीदने का दंभ भरता है। लहार क्षेत्र की जनता पर मुझे पूर्ण विश्वास है,कि वह ऐसे अपराधी प्रवृत्ति के व्यक्ति को माकूल जबाब देगी। वार्ता में मुख्य रूप से मध्यप्रदेश कांग्रेस प्रदेश उपाध्यक्ष खिजर कुरैशी,कांग्रेस जिला अध्यक्ष मानसिंह कुशवाहा,कांग्रेस शहर जिलाध्यक्ष डॉ. राधेश्याम शर्मा मौजूद रहे।

तपागच्छ रक्षक श्रीमणि भद्रदेव इंद्र का पूजन

दैनिक पुष्पाजंली टुडे

बेंगलूरू ।धर्म के प्रति पूर्ण श्रद्धा एवं परमात्मा के प्रति पूर्ण श्रद्धा हो तो जीवन में आए हुए संकट भी दूर हो जाते हैं।आज श्री रामचंद्रपुरम दादा गुरुदेव प्रातः स्मरणीय राजेंद्रसुरीश्वरजी महाराज साहब के गुरु मंदिर के आंगन में आज तपागच्छरक्षक श्रीमणिभद्रदेव का इंद्र का पूजन एवं हवन हुआ मुनि राजपद्मसागरजी एवं मुनि श्रमणपद्मसागरजी की पावन सानिध्य में यह अनुष्ठान भव्यातिभव्य से संपूर्ण हुआ। इस पूजन के लाभार्थी विनोद भाई शंकरलाल संघवी परिवार ने लाभ लिया

बलेपेट भवन में बच्चों को आत्मरक्षा के लिए सिखाए कराटे

दैनिक पुष्पाजंली टुडे / नारायणलाल सेंणचा

बेंगलूरू। सीरवी समाज ट्रस्ट कर्नाटक बलेपेट भवन में पहली बार लक्ष्मणराम गेहलोत ने बच्चों को आत्म रक्षा के लिए कराटे सिखाएं। बलेपेट बडेर के अध्यक्ष हरिराम गेहलोत ने बताया कि कराटे हमारे दिनचर्या का हिस्सा है और इसको केवल खेल के तरह नही बल्कि अपनी आत्मरक्षा को देखते हुए सीखना चाहिए। उन्होनें कहा कि संस्था की तरफ से इस प्रशिक्षण के बदले कोई भी फीस नही ली जाती है। इनके लिए निशुल्क है। संस्था के सचिव अमराराम चोयल ने कहा कि कराटे से बच्चों में आत्म सुरक्षा की भावना उत्पन्न होती है और इससे शारीरिक वह मानसिकता मनोबल बढ़ता है। उन्होनें कहा कि आज के समय में लड़कियों के लिए आत्मरक्षा के तरीके सीखना बहुत जरूरी है। इसे ध्यान में रखकर लड़कियों के लिए विशेष प्रशिक्षण सत्र आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में समाज के बड़ी संख्या में बलाक -बालिकाओं ने भाग लिया। इस अवसर पर संस्था के उपाध्यक्ष अन्नाराम परिहारिया, सह-सचिव भंवरलाल गेहलोत, कोषाध्यक्ष मोतीराम लचेटा एवं कार्यकारिणी के बड़ी संख्या में लोग मौजूद थे।

भवन उद्घाटन महोत्सव में कानाराम सीरवी आईएएस को पत्रिका देकर किया निमंत्रित

दैनिक पुष्पाजंली टुडे

बेंगलूरू। सीरवी समाज तुमकुर के नवनिर्मित भवन का तीन दिवसीय उदघाटन सामोरह 17 नवम्बर से समाज के धर्मगुरू दीवान साहब व अन्य संत महात्माओं के सानिध्य में आयोजित किया जाएगा। सीरवी समाज तुमकूर संस्था के पूर्व अध्यक्ष हेमराज सेंणचा, भानाराम चोयल ने मुख्य अतिथि के रूप में कानाराम सीरवी आईएएस शिक्षा निदेशक (राजस्थान सरकार) को निमंत्रण पत्रिका देकर निर्मंत्रित किया।

नेता प्रतिपक्ष डॉ. गोविंद सिंह का ऑडियो वायरल ऑडियो में अभद्र भाषा का किया जा रहा है प्रयोग

दैनिक पुष्पांजली टुडे

भिण्ड।जानकारी के अनुसार, सोशल मीडिया पर एक ऑडियो वायरल हो रहा है। इसमें एक शख्स किसी रमेश नाम के व्यक्ति को रुपयों के लेनदेन को लेकर चुनाव के बाद देख लेने की धमकी देते सुनाई दे रहा हैं। वायरल ऑडियो में दावा किया जा रहा है कि धमकी देने वाला शख्स नेता प्रतिपक्ष गोविंद सिंह है।हालांकि इस वायरल ऑडियो की पुष्पांजली टुडे पुष्टि नहीं करता है।तथा दूसरी ओर नेता प्रतिपक्ष और लहार विधायक डॉ.

गोविंद सिंह ने लहार पुलिस थाने में गुरुवार को एक आवेदन दिया। इस आवेदन में उन्होंने उनकी छवि खराब करने को लेकर वायरल किए ऑडियो पर कार्रवाई करने की मांग की है।हालांकि इस मामले को लेकर नेता प्रतिपक्ष ने गुरुवार सुबह लहार थाने में आवेदन देकर कहा है कि असवार निवासी रमेश कुशवाह ने जो ऑडियो वायरल किया है, वह पूर्णतः झूठा है। मेरी राजनैतिक छवि धूमिल करने के लिए भाजपा ने यह ऑडियो तैयार किया है। मेरी रमेश कुशवाह से किसी प्रकार की कोई चर्चा नहीं हुई।

वायरल ऑडियो में क्या है-लहार में शोसल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो में एक व्यक्ति मोंटी निवासी महुआ फोन लगाकर रमेश से कहता है कि नेताजी बात करना चाहते हैं। इसके बाद डॉ. गोविंद सिंह की आवाज में एक व्यक्ति रमेश से काफी अभद्र भाषा का प्रयोग कर गाली-गलौच का प्रयोग कर रुपए वापिस करने की बात कहता है। चुनाव बाद देख लेने की बात कहता है।

जवाली में राजपुरोहित समाज बहन बेटी, सखी स्नेह-मिलन समारोह 18 व19 नवंबर 2023 को होगा

पुष्पांजलि टुडे संवाददाता नरेश कुमार सिरवी पाली राजस्थान

जवाली में हुई बैठक आगामी 18 और 19 नवम्बर को राजपुरोहित समाज की बहन बेटी एव सखी सम्मेलन 2023 आज सखी सम्मेलन 2023 की व्यवस्थार्थ समस्त कार्य योजनाओं को अंतिम रूप देने और उन्हें क्रियान्वित करने के लिए राजपुरोहित युवा वाहिनी के अध्यक्ष नरेश सिंह राजपुरोहित के नेतृत्व में राजपुरोहित समाज के कार्यकर्ताओं की बैठक बुलाई गई..जिसमे किस प्रकार कार्यक्रम की व्यवस्था की जाए इस पर विचार विमर्श हुआ तत्पश्चात सभी कार्यकर्ताओं ने श्रमदान किया और कार्यक्रम स्थल और उसके आसपास के क्षेत्र की सफाई की गई...समस्त कार्यकर्ता उत्साह और जोश से लबरेज थे और सखी सम्मेलन के आयोजन को भव्य बनाने को लेकर उनका उत्साह चरम पर दिखाई दिया..सांस्कृतिक कार्यक्रम किस प्रकार आयोजित किया जाए और कौन कौन से कार्यक्रम रखे जाए उस पर भी विचार विमर्श हुआ और कार्यक्रमों की सूची को अंतिम रूप दिया गया... इसमें मुख्य रूप से बहन मानसी राजपुरोहित, गुणवंति ,जीनल राजपुरोहित, निकिता राजपुरोहित, पायल राजपुरोहित, तमन्ना राजपुरोहित,खुशी, चिंटू राजपुरोहित,कृष्णा, दीपिका, भूमि, लवीका, जोशना, जिज्ञासा, ज्योती, साक्षी, हेतल,भाई ~ कुलदीप सिंह , गौरव सिंह , मोहित रावल, रणजीत सिंह , हर्षपाल सिंह, प्रर्तिक सिंह,खुशवीर सिंह, मोहित , आदित्य सिंह,आदि भाई बहनों ने बैठक मे भाग लिया

निम्बाडा में करवा चौथ पर सुहागिन महिलाओं ने चौथ माता की पूजा कर अखंड सौभाग्य की कामना की

पति की लम्बी उम्र व सुख समृद्धि मांगी, निराहार रहकर की पूजा सुनी कहानी, रात को चांद दिखने के बाद खोला व्रत।

पुष्पांजलि टुडे संवाददाता नरेश कुमार सिरवी पाली राजस्थान

निम्बाड़ा में बुधवार को भावना कडेला ने अपने पति की उम्र व पति को स्वस्थ रखने की भगवान से कामना को लेकर सुहागिन महिलाओं ने चौथ माता का व्रत रखा निर्जला व्रत कर जो सुबह से लेकर शाम तक पूजा पाठ किया, उसके बाद सुबह सूर्योदय से पहले रात को चंद्रमा को देखकर चांद दर्शन कर फिर अपने सुहाग की लंबी उम्र की कामना की फिर जल चढ़ाकर के व्रत खोला। आसपास के गावों में कॉफी संख्या में महिलाए अपने पति की व चंद्रमा की पूजा करती दिखाई दी। निम्बाडा,सोमेसर , डुठारिया, ओडवारिया, भादरलाऊ, इंदरवाड़ा, पत्तापगढ,भीमालिया।

राज्य के प्राथमिक विद्यालयों में ज्ञान सहायक की नियुक्ति के कारण स्थानांतरित किये गये 100? शिक्षकों को मुक्त करने की मांग की गयी

पाटन ब्यूरो
दैनिक पुष्पांजली टुडे

गुजरात। प्राथमिक शैक्षिक महासंध गुजरात द्वारा प्राथमिक शिक्षा नियामक गांधीनगर को एक लिखित निवेदन किया गया है कि राज्य के प्राथमिक विद्यालयों में ज्ञान सहायक की नियुक्ति के कारण स्थानांतरित किये गये 100? शिक्षकों को मुक्त करने की मांग की गयी।वर्तमान में राज्य के प्राथमिक विद्यालयों में ज्ञान सायकों की नियुक्ति की गई। हालाँकि, संस्था के नियमों के अनुसार राज्य के कई शिक्षकों को स्कूल से मुक्त नहीं किया है।राष्ट्रीय शैक्षिक महा संघ गुजरात के अध्यक्ष भीखाभाई पटेल ने कहा कि जिन विद्यालयों में ज्ञान सहायक उपस्थित हैं उन सभी विद्यालयों में 100? स्थानांतरित शिक्षकों को मुक्त किया जाए ताकि लंबे समय से मुक्त नहीं हुए स्थानांतरित शिक्षक अपने गृह/नगर के निकट जाने का लाभ उठा सकें।

22 अभ्यर्थियों ने वापस लिये अपने नामांकन

सातों विधानसभा क्षेत्रों के लिये अब 124 अभ्यर्थी चुनावी मैदान में

पुष्पांजलि टुडे
राजेश कुमार तिवारी

सतना 2 भारत निर्वाचन आयोग द्वारा मध्यप्रदेश विधानसभा आम निर्वाचन 2023 के लिये घोषित कार्यक्रमनुसार सतना और मैहर जिले की सभी सात विधानसभा क्षेत्रों के लिये 155 अभ्यर्थियों ने अपने नामांकन पत्र दाखिल किये थे। 31 अक्टूबर को संवीक्षा उपरांत 9 अभ्यर्थियों के नामांकन पत्र निरस्त होने पर 146 अभ्यर्थी विधिमान्य पाये गये थे। अभ्यर्थिता से नाम वापसी के लिये निर्धारित तिथि 2 नवंबर तक 22 अभ्यर्थियों द्वारा अपने नामांकन पत्र वापस ले लिये गये है। जिसके पश्चात अब 124 अभ्यर्थी विधानसभा निर्वाचन लड़ने के लिये शेष बचे हुये हैं। निर्वाचन कार्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार विधानसभा क्षेत्र 61 चित्रकूट के लिये 18 में से 2 अभ्यर्थियों ने अपने नामांकन पत्र वापस लिये हैं। इसी प्रकार विधानसभा क्षेत्र 62 रैगांव के लिये 16 में से 1, विधानसभा क्षेत्र 63 सतना के लिये 35 में से 6, विधानसभा क्षेत्र 64 नागौद के लिये 15 में से 1, विधानसभा क्षेत्र 65 मैहर के लिये 21 में से 4, विधानसभा क्षेत्र 66 अमरपाटन के लिये 21 में से 5 एवं विधानसभा क्षेत्र 67 रामपुर बघेलान के लिये 20 में से 3 अभ्यर्थियों ने अपने नामांकन पत्र वापस ले लिये हैं। विधानसभा क्षेत्र चित्रकूट में 16, रैगांव में 15, सतना में 29, नागौद में 14, मैहर में 17, अमरपाटन में 16 एवं रामपुर बघेलान में 17 अभ्यर्थी चुनावी मैदान में रहेंगे। इस प्रकार चुनाव मैदान में शेष 124 अभ्यर्थियों को संबंधित विधानसभा क्षेत्र के रिटर्निंग ऑफीसर्स द्वारा चुनाव चिन्ह आवंटित किये गये।

कम प्रतिशत वाले मतदान केन्द्रों में लगातार मतदाता जागरूकता अभियान चलाएं- श्री खत्री

मतदाता जागरूकता के लिए नवाचार करके स्वीप बुलेटिन में पोस्ट करें- श्री खत्री

पुष्पांजलि टुडे
राजेश कुमार तिवारी
ब्यूरो चीफ सतना

सतना निर्वाचन आयोग के संयुक्त मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी मनोज खत्री ने वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से मतदाता जागरूकता अभियान की समीक्षा की। श्री खत्री ने कहा कि सभी जिलों में मतदाता जागरूकता कार्यक्रम चलाया जा रहा है। जिन मतदान केन्द्रों में पिछले विधानसभा तथा लोकसभा चुनाव में मतदान का प्रतिशत कम था, वहाँ लगातार मतदाता जागरूकता अभियान चलाएं। मतदाताओं को जागरूक करने के लिए स्थानीय बोली में भी संदेश तैयार करके सोशल मीडिया में प्रसारित कराएं। मतदाता जागरूकता अभियान की हर गतिविधि स्वीप बुलेटिन में प्रतिदिन पोस्ट करें। निर्वाचन कार्य से जुड़े तथा मतदाता जागरूकता अभियान के अच्छे फोटोग्राफ नियमित रूप से निर्वाचन आयोग को उपलब्ध कराएं। वीडियो कान्फ्रेंसिंग में श्री खत्री ने कहा कि दिव्यांग मतदाताओं तथा 80 साल से अधिक आयु के शत-प्रतिशत मतदाताओं को मताधिकार का उपयोग करने के लिए आवश्यक सुविधाएं दें। मतदान केन्द्रों में रैंप और व्हील चेयर की अनिवार्य रूप से व्यवस्था करें। ग्राम स्तरीय कर्मचारियों के माध्यम से दिव्यांग तथा बुजुर्ग मतदाताओं को मतदान केन्द्र तक पहुंचाने की व्यवस्था सुनिश्चित करें। इसके लिए मतदान केन्द्रवार कार्यक्रम तैयार कर उसमें कर्मचारियों की ड्यूटी लगाएं। कई विधानसभा क्षेत्रों में महिलाओं तथा पुरूष मतदाताओं के मतदान प्रतिशत में बहुत अंतर था। महिला और पुरूष मतदाताओं का मतदान प्रतिशत लगभग बराबर रहे इसके प्रयास करें। आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, स्वास्थ्य कार्यकर्ता तथा महिला स्व-सहायता समूह के सदस्यों के माध्यम से महिला मतदाताओं को जागरूक करें। मतदाता जागरूकता के बहुत बड़े कार्यक्रम आयोजित करने के स्थान पर प्रत्येक मतदान केन्द्र में मतदाता जागरूकता अभियान चलाएं। आदर्श मतदान केन्द्र, पिंक पोलिंग बूथ, दिव्यांग मतदान केन्द्र तथा युवा मतदान केन्द्र के संबंध में भी मतदाताओं को लगातार जानकारी दें। समाज के विभिन्न वर्गों और समुदायों के प्रमुख व्यक्तियों, सामाजिक संगठनों तथा खेल, व्यापार एवं अन्य क्षेत्र के महत्वपूर्ण व्यक्तियों की मतदान अपील प्रिंट मीडिया तथा सोशल मीडिया में लगातार जारी कराएं। वीडियो कान्फ्रेंसिंग में श्री खत्री ने कहा कि ईव्हीएम के संबंध में तथा निर्वाचन से जुड़े अन्य मामलों में सोशल मीडिया पर कई बार फेक न्यूज पोस्ट की जाती हैं। इसका तत्काल खंडन कराएं। प्रत्येक जिले में जिला निर्वाचन अधिकारी एक अधिकारी को इसकी जिम्मेदारी दें। आयोग द्वारा फेक न्यूज के संबंध में एसओपी जारी की गई है। इसका पालन करते हुए सोशल मीडिया की मॉनीटरिंग करें। मतदान तथा मतगणना की कवरेज के लिए जनसंपर्क विभाग द्वारा भेजी गई सूची के आधार पर प्राधिकार पत्र जारी किए जा रहे हैं। इन प्राधिकार पत्रों के संबंध में सुरक्षा में तैनात अधिकारियों और कर्मचारियों को पूरी जानकारी दे दें। जिससे पत्रकारों को कवरेज में किसी तरह की कठिनाई न हो। प्राधिकार पत्र के साथ कवरेज के संबंध में निर्देश भी दिए गए हैं। कलेक्ट्रेट के एनआईसी केन्द्र से वीडियो कान्फ्रेंसिंग में स्वीप के नोडल अधिकारी सीईओ जिला पंचायत डॉ परीक्षित झाड़े, सहायक नोडल अधिकारी सौरभ सिंह, सहायक संचालक महिला एवं बाल विकास श्याम किशोर द्विवेदी, नोडल अधिकारी एमसीएमसी जनसंपर्क अधिकारी राजेश सिंह उपस्थित रहे।

नोटिस का अशिष्टतापूर्ण जवाब देने पर शिक्षक निलंबित

पुष्पांजलि टुडे
राजेश कुमार तिवारी
ब्यूरो चीफ सतना

सतना विधानसभा निर्वाचन 2023 अंतर्गत 16 अक्टूबर को आयोजित पीठासीन एवं मतदान अधिकारियों के प्रशिक्षण में शामिल नहीं होने पर विकासखंड अमरपाटन की शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय महुडर के शिक्षक अखिलेश कुमार तिवारी को कारण बताओ नोटिस जारी की गई थी। श्री तिवारी द्वारा नोटिस के स्पष्टीकरण में अर्नगल एवं अशिष्टतापूर्ण लेख कर जवाब दिया गया है। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी अनुराग वर्मा ने शासकीय कर्मचारी के इस कृत्य को दायित्वों के प्रति लापरवाही और स्वेच्छाचारिता का परिचय मानते हुये तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। माध्यमिक शिक्षक श्री तिवारी को अनुशासनहीनता एवं स्वेच्छाचारिता बरतने एवं उनका आचरण मध्यप्रदेश सिविल सेवा (आचरण) नियम 1965 और लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1950 के विपरीत होने के फलस्वरुप मध्यप्रदेश सिविल सेवा (वर्गीकरण नियंत्रण एवं अपील) नियम 1966 के तहत निलंबित किया गया है। संबंधित का मुख्यालय निलंबन अवधि में कार्यालय विकासखंड शिक्षा अधिकारी मझगवां नियत किया गया है।

स्वीप की गतिविधियां कर रहीं हैं मतदाताओं का जागरुक

पुष्पांजलि टुडे
राजेश कुमार तिवारी
ब्यूरो चीफ सतना

सतना कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी अनुराग वर्मा के निर्देशन में विधानसभा निर्वाचन 2023 में मतदान प्रतिशत बढ़ाने के उद्देश्य से एवं जिले के मतदाताओं को लोकतंत्र के बारे में जागरुक करने स्वीप गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। स्वीप गतिविधियों को जिले के मतदाताओं तक पहुंचाने में सभी विधानसभा क्षेत्रों में दीवाल लेखन, रंगोली एवं मेंहदी प्रतियोगिता, मानव श्रृंखला, पैदल रैली, साइकिल एवं बाइक रैली के आयोजन किये जा रहे हैं। इसके अलावा सोशल मीडिया इनफ्लूएंसर, कैंपस एबेंसडर, पार्टनर विभाग, गैर-सरकारी संस्थाओं के साथ-साथ विद्यालयीन और महाविद्यालयीन छात्र-छात्राओं का भी सहयोग लिया जा रहा है। स्वीप गतिविधि अंतर्गत गुरूवार को विधानसभा मैहर अंतर्गत शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय अमरपाटन में मतदाता जागरूकता कार्यक्रम के अंतर्गत प्रथम बार मतदान करने वाले युवा मतदाताओं को मतदाता शपथ दिलाई गई। युवा मतदाताओं को बताया गया कि लोकतंत्र का आधार मतदाता है। प्रत्येक मतदाता की चुनाव में भागीदारी आवश्यक है। ग्राम पंचायत पवैया एवं ग्राम भैसवार में शासकीय विद्यालय के विद्यार्थियों एवं स्व-सहायता समूह की महिलाओं ने गांव में मतदाता जागरुकता के लिये पैदल रैली निकाली एवं मतदाता जागरुकता संदेश की तख्तियों के माध्यम से एवं नारे लगाकर मतदान करने के लिये जागरुक किया। इसी प्रकार शासकीय महाविद्यालय नादन जिला मैहर के कर्मचारियों ने खेत-खलिहानों में जाकर मतदाताओं को जागरूक किया गया एवं मतदान के लिए प्रेरित किया। विधानसभा चित्रकूट में महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय में रंगोली प्रतियोगिता के माध्यम से मतदाता जागरूकता का कार्यक्रम चलाया गया। गैर-सरकारी संस्था माधवम् ईप्सा फाउंडेशन द्वारा ग्राम पंचायत भरगंवा, गौहनी, बगही, तागी, पछीत, बरहठा, चकर वनवासी(आदिवासी) बाहुल्य क्षेत्र में मतदाता जागरुकता संवाद का आयोजन किया गया। जिसमें मतदाताओं को 17 नवंबर को होने वाले चुनाव में मतदान करने के लिये प्रेरित किया गया।

सम्पादकीय

वही पुराना रोग

सदियों का मौसम अभी आने को है, लेकिन दिल्ली-[illegible] में हवा की क्वालिटी मुद्दा बनने लगी है। यह क्वालिटी शनिवार को वेरी पुअर यानी बेहद खराब की श्रेणी में पाई गई। इस मौसम में ऐसा दूसरी बार हुआ है। इससे पहले 22 अक्टूबर को भी एयर क्वालिटी इंडेक्स ([illegible]) 313 पर गया था, लेकिन तब बारिश और तेज हवाओं ने राहत दी थी, जिससे अगले ही दिन [illegible] घटकर 263 पर आ गया था। हालांकि तात्कालिक वजहों से कभी-कभार राहत भले मिल जाए, दिल्ली-[illegible] ही नहीं, उत्तर भारत के बड़े इलाके में रहने वालों के लिए यह इस मौसम की स्थायी समस्या है। बुजुर्गों और सांस की बीमारियों से पीड़ित लोगों के लिए तो हालत जानलेवा हो जाती है। यही वजह है कि सरकारें भी इस मौसम के आसपास इस मुद्दे को लेकर गंभीर नजर आने लगती हैं। इस बार भी पहले से ऐसी खबरें आने लगी हैं कि राज्य सरकार के पास पूरा एक्शन प्लान तैयार है कि [illegible] में कितनी बढ़ोतरी होने पर किस तरह के कदम उठाए जाएंगे। शनिवार को ही बताया गया कि दिल्ली में [illegible] की तरफ से अपडेटेड [illegible] सर्टिफिकेट के बगैर गाड़ियों को पार्किंग की इजाजत न देने का आदेश जारी हो सकता है।

दिल्ली-[illegible] में जगह-जगह जल छिड़काव करती सरकारी गाड़ियां भी दिखने लगी हैं, जो हवा में धूल की मात्रा कम करती हैं। मगर इन कदमों का स्वरूप ही बताता है कि सरकार समस्या के लक्षणों को कम करने में जुटी है। अभी तक समस्या को सुलझाने या इसकी गंभीरता को कम करने में कोई खास सफलता नहीं मिली है। इसके एक प्रमुख कारण के रूप में पंजाब और आसपास के राज्यों में पराली जलाने के चलन को कई साल पहले चिह्नित किया जा चुका है। मगर उस मोर्चे पर खास प्रगति के संकेत नहीं हैं।

बीते हफ्ते की ही बात की जाए तो पंजाब में बुधवार को पराली जलाने की 398, गुरुवार को 589 और शुक्रवार को 766 घटनाएं दर्ज की गईं। वैसे सरकारें इसे कम करने का अपने ढंग से प्रयास कर रही हैं। पंजाब के मोगा समेत कई इलाकों में फायर फाइटर्स की टीमें तैनात की गई हैं जो पराली जलने की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंच कर उसे रोकने का काम करती हैं।

यूपी में कहा गया है कि पराली जलाते पाए जाने वाले किसानों को किसान सम्मान निधि जैसी योजनाओं का फायदा नहीं दिया जाएगा। लेकिन यहां भी मामला सख्ती के जरिए किसानों को पराली जलाने से रोकने का ही है, जबकि जरूरत उन्हें ऐसे बेहतर विकल्प मुहैया कराने की है जिससे वे खुद इससे मुंह मोड़ने लग जाएं। पराली से खाद बनाकर खेती में उपयोग करने या अन्य उपायों से थर्मल पावर प्लांट और अन्य उद्योगों में ईंधन के तौर पर पराली का इस्तेमाल बढ़ाने जैसे कई सुझावों पर चर्चा होती रही है, लेकिन साफ है वे विकल्प किसानों तक अभी पहुंचाए नहीं जा सके हैं।

दिल्ली-एनसीआर में हवा के जरिये जहर अंदर कब तक खींचते रहेंगे लोग?

ललित गर्ग

इस वर्ष फिर से दिल्ली, हरियाणा, उत्तर प्रदेश के कुछ क्षेत्रों में पराली एवं वायु प्रदूषण से उत्पन्न दमघोटू माहौल का संकट जीवन का संकट बनता जा रहा है। दिल्ली-एनसीआर में हवा की क्वालिटी बेहद खराब यानी जानलेवा बनती जा रही है। अभी सर्दी शुरु भी नहीं हुई है, इस मौसम में ऐसा दूसरी बार हुआ है। हालांकि तात्कालिक वजहों से कभी-कभार राहत भले मिल जाए, लेकिन दिल्ली--एनसीआर ही नहीं, उत्तर भारत के बड़े इलाके में रहने वाले जनजीवन के लिए यह एक स्थायी समस्या एवं जीवन संकट बनती जा रही है, जो बच्चों, बुजुर्गों और सांस की बीमारियों से पीड़ित लोगों के लिए बेहद खतरनाक एवं जानलेवा साबित हो रही है। सरकारें भले ही इस मुद्दे को लेकर गंभीर नजर आने लगती हैं, भले ही इस जटिल से जटिलतर होती समस्या के समाधान का पूरा एक्शन प्लान तैयार भी है लेकिन इसके प्रभावी परिणाम देखने को नहीं मिलना, कहीं-ना-कहीं सरकार की नाकामी को ही दर्शा रहा है। दिल्ली और पंजाब सरकार ने अनेक लुभावने तर्क एवं तथ्य दिये, सरकारें जो भी तर्क दें, पर हकीकत यही है कि लोगों का दम घुट रहा है। अगर वे सचमुच इससे पार पाने को लेकर गंभीर हैं, तो वह व्यावहारिक धरातल पर दिखना चाहिए।

वायु की गुणवत्ता का खराब होना एवं प्रदूषण का ऐसा विकराल जाल है जिसमें मनुष्य सहित सारे जीव-जंतु फंसकर छटपटा रहे है, जीवन सांसों पर छाये संकट से जूझ रहे है। अस्पतालों के बाहर लम्बी कतारें देखने को मिलने लगी हैं। सेंट्रल पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड के अनुसार लोगों को अगले कुछ दिनों तक खराब वायु में कमी आने की उम्मीद नहीं है। मौसम विभाग के अनुसार, अगर वायु गुणवत्ता शून्य से 50 के बीच रहे तो इसे 'अच्छा' माना जाता है। अगर एक्यूआई 51 से 100 के बीच रहे तो इसे 'संतोषजनक' और 101 से 200 के बीच एक्यूआई को 'मध्यम' माना जाता है। अगर एक्यूआई 201 से ऊपर चला जाए और 300 तक रहे तो इसे 'खराब', 301 से 400 के बीच रहे तो 'बहुत खराब' और अगर 400 से ऊपर पहुंच जाए तो इसे 'गंभीर' माना जाता है। दिल्ली-एनसीआर में 22 अक्टूबर को एक्यूआई 313 यानी बहुत खराब स्तर पर गया था। उसके बाद से हवा की गति धीमी होने और तापमान में गिरावट के कारण वायु गुणवत्ता 'बहुत खराब' श्रेणी में बनी हुई है। यह समस्या साल-दर-साल गंभीर होती जा रही है।

इस गंभीर होती समस्या से पार पाने के लिए दिल्ली सरकार ने कई उपाय आजमाए, प्रदूषण पर नियंत्रण के लिये निर्देश जारी किये गये मगर वे कारगर साबित नहीं हो पा रहे। दिल्ली-एनसीआर में जगह-जगह जल छिड़काव करती सरकारी गाड़ियां भी दिखने लगी है, जो हवा में धूल की मात्रा कम करती है। मगर इन कदमों का स्वरूप ही बताता है कि सरकार समस्या के लक्षणों को कम करने में जुटी है लेकिन अभी तक समस्या को सुलझाने या इसकी गंभीरता को कम करने में कोई खास सफलता नहीं मिली है। इसके एक प्रमुख कारण के रूप में पंजाब और आसपास के राज्यों में पराली जलाने के चलन को कई साल पहले चिह्नित किया जा चुका है। मगर उस मोर्चे पर राजनीतिक कारणों से खास प्रगति के संकेत नहीं मिल रहे हैं।

प्रदूषण जानलेवा स्तर तक खतरनाक हो गया है। प्रश्न है कि पिछले कुछ सालों से लगातार इस महासंकट से जूझ रही दिल्ली-एनसीआर को कोई स्थायी समाधान की रोशनी क्यों नहीं मिलती? सरकारें एवं राजनेता एक दूसरे पर जिम्मेदारी ठहराने की बजाय समाधान के लिये तत्पर क्यों नहीं होते? इस विषम एवं ज्वलंत समस्या से मुक्ति के लिये हर राजनीतिक दल एवं सरकारों को संवेदनशील एवं अन्तर्दृष्टि-सम्पन्न बनना होगा। क्या हमें किसी चाणक्य के पैदा होने तक इन्तजार करना पड़ेगा, जो जड़ों में मट्ठा डाल सके।...नहीं, अब तो प्रत्येक राजनीतिक मन को चाणक्य बनना होगा। तभी विकराल होती वायु प्रदूषण की समस्या से मुक्ति मिलेगी।

बीते हफ्ते की ही बात की जाए तो पंजाब में बुधवार को पराली जलाने की 398, गुरुवार को 589 और शुक्रवार को 766 घटनाएं दर्ज की गई। वैसे सरकारें इसे कम करने का अपने ढंग से प्रयास कर रही है। पंजाब के मोगा समेत कई इलाकों में फायर फाइटर्स की टीमें तैनात की गई हैं जो पराली जलने की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंच कर उसे रोकने का काम करती है। यूपी में कहा गया है कि पराली जलाते पाए जाने वाले किसानों को किसान सम्मान निधि जैसी योजनाओं का फायदा नहीं दिया जाएगा। लेकिन यहां भी मामला सख्ती के जरिए किसानों को पराली जलाने से रोकने का ही है, जबकि जरूरत उन्हें ऐसे बेहतर विकल्प मुहैया कराने के है जिससे वे खुद इससे मुंह मोड़ने लग जाएं। पराली से खाद बनाकर खेती में उपयोग करने या अन्य उपायों से थर्मल पावर प्लांट और अन्य उद्योगों में ईंधन के तौर पर पराली का इस्तेमाल बढ़ाने जैसे कई सुझावों पर चर्चा होती रही है, लेकिन साफ है वे विकल्प किसानों तक अभी पहुंचाएं नहीं जा सके हैं।

वायु की गुणवत्ता को बढ़ाने एवं प्रदूषण कम करने और दिल्ली सहित देश के अन्य महानगरों-नगरों को रहने लायक बनाने की जिम्मेदारी केवल सरकारों की नहीं है, बल्कि हम सबकी है। हालांकि लोगों को सिर्फ एक जिम्मेदार नागरिक की भूमिका निभानी है, एंटीडस्ट अभियान भी निरन्तर चलाया जाना चाहिए। लोगों को खुद भी पूरी सतर्कता बरतनी होगी। लोगों को खुली जगह में कूड़ा नहीं फेंकना चाहिए और न ही उसे जलाया जाए। वाहनों का प्रदूषण लेवल चैक करना चाहिए। कोशिश करें कि हम निजी वाहनों का इस्तेमाल कम से कम करें और सार्वजनिक वाहनों का उपयोग करें। आम जनता की जिंदगी से खिलवाड़ करने वाली पटाखे जलाने की भौतिकतावादी मानसिकता को भी विराम देना जरूरी है। क्योंकि पटाखे जलाने से न केवल बुजुर्गों बल्कि बच्चों के जीवन पर खतरनाक प्रभाव पड़ने और अनेक रोगों के पनपने की संभावनाएं है। प्रदूषण मुक्त पर्यावरण की वैश्विक अभिधारणा को मूर्त रूप देने के लिये इको फ्रेंडली दीपावली मनाने की दिशा में सार्थक पहल करनी होगी, एक सकारात्मक वातावरण बनाना होगा। पराली ही तरह पटाखों उत्पन्न प्रदूषण खतरनाक हैं। पराली-पटाखे आज एक राजनीतिक प्रदूषण बन चुका है। इस प्रदूषण से ठीक उसी प्रकार लड़ना होगा जैसे एक नन्हा-सा दीपक गहन अंधेरे से लड़ता है। छोटी औकात, पर अंधेरे को पास नहीं आने देता। क्षण-क्षण अग्नि-परीक्षा देता है। पर हां! अग्नि-परीक्षा से कोई अपने शरीर पर फूस लपेट कर नहीं निकल सकता। दिल्ली एवं पंजाब में एक ही दल ही सरकारें है, दूसरों पर आरोप लगाने की बजाय क्यों नहीं आम आदमी पार्टी की सरकार समाधान देती।

पराली के प्रदूषण से 'दीपावली' के गौरवपूर्ण सांस्कृतिक अस्तित्व एवं अस्मिता को धुंधलाने की बजाय पराली का स्थायी हल निकाला जाना चाहिए। पराली के प्रदूषण को पटाखों के प्रदूषण के नाम पर ढकने की कुचेष्टा से बचना चाहिए। "दीपावली" हमारी संस्कृति है, सभ्यता है, आपसी प्रेम है, इतिहास है, विरासत है और दीपों की कतारों का आश्चर्य है। पराली से दीपावली के आसपास होने वाले प्रदूषण को पटाखे का प्रदूषण कहना, अतिश्योक्तिपूर्ण विडम्बना एवं समस्या से मुंह फैरने की पलायनवादी मानसिकता है। वास्तव में यह सरकारों का गैर जिम्मेदाराना व्यवहार है, जिसने सबको जहरीले वायुमंडल में रहने को विवश किया है। सदियों के मौसम में हवा में घातक धातुएं होती है, जिससे सांस लेने में दिक्कत आती है। हवा में कैडमियम और आर्सेनिक की मात्रा में वृद्धि से कैंसर, गुर्दे की समस्या और उच्च रक्तचाप, मधुमेह और हृदय रोगों का खतरा बढ़ जाता है। इसमें पराली के प्रदूषण से घातकता कई गुणा बढ़ जाती है। पटाखों का प्रदूषण उससे भी घातक है। 300 से अधिक एक्यूआई वाले शहरों की संख्या बढ़ती ही जा रही है। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में रहने वाले सांस के रूप में जहर खींचने को क्यों विवश है, इसके कारणों पर इतनी बार चर्चा हो चुकी है कि उन्हें दोहराने की आवश्यकता नहीं।

कुत्तों के हमले से उद्योगपति की मौत के बाद तो सरकारों की आंखें खुल जानी चाहिए

योगेंद्र योगी

वाघ बकरी चाय समूह के कार्यकारी निदेशक पराग देसाई का आवारा कुत्तों के हमले के दौरान सिर में लगी गंभीर चोट से अहमदाबाद के एक निजी अस्पताल में निधन हो गया। 49 वर्षीय देसाई पर उनके घर के बाहर मौजूद आवारा कुत्तों ने हमला कर दिया था। यह घटना बताती है कि देश में आवारा पशुओं के नियंत्रण और लचर सरकारी मशीनरी की अनदेखी की हालत क्या है। इससे आम आदमी ही नहीं बल्कि उद्योगपति तक पीड़ित हैं। हर रोज कुत्तों के काटने की सैकड़ों घटनाएं होने के बावजूद केंद्र, राज्यों की सरकारें और स्थानीय निकाय दशकों पुरानी इस समस्या के निदान में विफल रहे है। यदि यही हादसा किसी विदेशी पर्यटक के साथ होता तो भारत की विश्व में कितनी किरकिरी होती। इस बात की कोई गारंटी नहीं है कि विदेशी पर्यटक कभी आवारा कुत्तों के निशाने पर नहीं आ सकते। विधायिका ही नहीं न्यायपालिका भी इस मुद्दे का कोई ठोस समाधान नहीं कर सकी है।

इस मुद्दे पर सुप्रीम कोर्ट की नजर पिछले दिनों तब गई जब सुनवाई के दौरान एक वकील के हाथ में पट्टी बंधी देख कर मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड ने पूछ लिया। चीफ जस्टिस के साथ बैठे दूसरे जज जस्टिस पी.एस. नरसिम्हा ने कहा कि आवारा कुत्तों को लेकर इस तरह की समस्या एक गंभीर समस्या है। कोर्ट में मौजूद सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने इसे गंभीर समस्या बताते हुए कहा कि आए दिन कुत्तों के काटने के मामले सामने आ रहे है। यहां तक कि छोटे और अबोध बच्चों के मौत की खबरें भी काफी विचलित करती हैं। सॉलिसिटर जनरल की चिंता से सहमति जताते हुए चीफ जस्टिस चंद्रचूड ने कहा था कि दो साल पहले मेरा लॉ क्लर्क गाड़ी पार्क कर रहा था तभी आवारा कुत्तों ने उसे घेर लिया था और उस पर हमला कर दिया था। अदालत में दूसरे सीनियर एडवोकेट विजय हंसरिया ने भी चीफ जस्टिस से अनुरोध किया कि इस गंभीर समस्या पर अदालत को स्वतः संज्ञान लेना चाहिए। हंसारिया ने कहा कि इस मामले पर देश के अलग-अलग हाईकोर्ट के अलग-अलग फैसले के चलते एक भ्रम की स्थिति बनी हुई है। इसलिए सुप्रीम कोर्ट को स्वतः संज्ञान लेकर एक आदेश पारित करना चाहिए। सॉलिसिटर जनरल और हंसारिया की मांग पर चीफ जस्टिस ने कहा कि वो इस पर विचार करेंगे। हालांकि पहले भी आवारा कुत्तों के आतंक पर देश के दूसरे राज्यों की कई याचिकाएं सालों से सुप्रीम कोर्ट में लंबित है। तमिलनाडु में आवारा कुत्तों की बढ़ती संख्या और हमलों को लेकर नसबंदी किये जाने के खिलाफ पेटा (पशु अधिकार संगठन) की याचिका हो या केरल और बॉम्बे हाई कोर्ट के आदेश के खिलाफ दायर याचिकाएं भी सुप्रीम कोर्ट में लंबित है। सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका केरल के कन्नूर की जिला पंचायत की ओर से भी दायर की गई, जिसमे इंसान के लिए खतरनाक हो चुके कुत्तों को उन्हें इन्जेक्शन देकर मार दिए जाने की मांग की गई। दिल्ली हाईकोर्ट के 2021 में आए एक ऐतिहासिक फैसले में आवारा कुत्तों को भोजन के अधिकार की गारंटी दी गई है। साथ ही इसमें चेतावनी भी दी गई है कि इस अधिकार को सुनिश्चित करने में सावधानी बरती जानी चाहिए। इससे बाकी नागरिकों के अधिकारों का हनन नहीं होना चाहिए। जी-20 के आयोजन के दौरान एमसीडी की ओर से सडकों से आवारा कुत्तों को हटाए जाने का मामला दिल्ली हाईकोर्ट में भी उठा। एक जनहित याचिका दाखिल कर आरोप लगाया गया कि कुत्तों को एमसीडी ने अवैध तरीके से पकड़ रखा है। याचिका पर एमसीडी ने दिल्ली हाई कोर्ट में दलील देते हुए कहा है था कि स्ट्रीट डॉग्स को सिर्फ जी-20 इवेंट की वजह से पकड़ा गया था और अब उन्हें उसी इलाके में छोड़ा जा रहा है, जहां से उन्हें पकड़ा गया था। इन कुत्तों को बगैर नसबंदी के छोड़ा गया। अब यह समस्या देश की राजधानी का भी सिरदर्द बन चुकी है। आवारा कुत्तों और बिल्लियों की संख्या को लेकर दि स्टेट ऑफ पेट होमलेसनेस इंडेक्स डाटा फॉर इंडिया की ओर से जारी एक रिपोर्ट में कहा गया कि देश में आवारा कुत्तों की संख्या लगभग 6.2 करोड़ है, वहीं ऐसी बिल्लियों की संख्या करीब 91 लाख है। करीब 88 लाख कुत्ते और बिल्लियां शेल्टर होम में है। रिपोर्ट में कहा गया है कि देश में आवारा पशुओं की बढ़ती संख्या से भारत के ऑल पेट्स वांटेड स्कोर में भी गिरावट दर्ज की गई है। 10 अंकों के मानक पर इस समय भारत का स्कोर 2.4 है। रिपोर्ट में यह दावा भी किया गया है कि भारत में 85 फीसदी कुत्ते और बिल्लियां बेघर है। रिपोर्ट के अनुसार लगभग 68 फीसदी लोगों का कहना है कि वह हर सप्ताह कम से कम एक आवारा बिल्ली देखते है और लगभग 77 फीसदी लोगों ने कहा कि उन्हें आवारा कुत्ते आसानी से देखने को मिल जाते है। भारत की 61 फीसदी जनसंख्या दूरी, प्रतिष्ठा या सुविधाओं जैसे व्यावहारिक कारणों के चलते आवारा कुत्तों के काटने के बाद भी पशु चिकित्सक के पास नहीं जाती है। यह दुनियाभर के औसत 31 फीसदी से कहीं ज्यादा है। पीपल्स फॉर एनिमल्स के अनुसार देश में हर 100 लोगों पर आवारा कुत्तों की संख्या कम से कम तीन है। भारत के अलावा दुनिया के बाकी देशों की बात करें तो रिपोर्ट बताती है कि चीन में बेघर कुत्ते और बिल्लियों की संख्या लगभग 7.5 करोड़ है। वहीं, जर्मनी में यह आंकड़ा 20.6 लाख, मैक्सिको में 74 लाख, रूस में 41 लाख, दक्षिण अफ्रीका में 41 लाख और ब्रिटेन में 11 लाख है। रिपोर्ट में इस मामले को लेकर भारत की स्थिति को चिंताजनक बताया गया है। दूसरी तरह विश्व स्वास्थ्य संगठन का कहना है कि कुत्तों के काटने की वजह से होने वाली रेबीज बीमारी से मौत के मामले में भारत की भागीदारी 36 प्रतिशत है। समस्या के इतने गंभीर होने के बावजूद जिम्मेदार देश का सरकारी तंत्र गफलत में है।

आवारा कुत्तों को 1960 के पशु क्रूरता निवारण अधिनियम की धारा-38 के तहत संरक्षित किया जाता है। इसका मतलब है कि किसी कुत्ते की उपेक्षा करना या उसका दुरुपयोग करना अवैध है। ऐसा करने वाले व्यक्ति के खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी। आवारा कुत्ते आज बड़े शहरों में आवारा कुत्ते बहुत बड़े विवाद की वजह है। आवारा कुत्तों की वजह से जिंदगी दूभर हो चुकी है। ऐसी घटनाएं आए दिन होती है, जिसकी वजह से सैर पर जाने वालों में खौफ रहता है। बच्चों के खेलने के दौरान भी कुत्तों के हमलों का खतरा बना रहता है। दूसरी तरफ ऐक्टिविस्ट की जमात है, जो यह माने बैठे हैं कि यह जानवर बिना छेड़े कुछ कर ही नहीं सकते! सिक्किम में आवारा कुत्तों के खिलाफ एक कार्यक्रम चलाया गया, जो कि बड़े पैमाने पर नसबंदी और वार्षिक एंटी-रेबीज टीकाकरण कार्यक्रम था। देश में विकराल होती जा रही आवारा कुत्तों की समस्या का यदि शीघ्र निदान नहीं किया गया तो यह भी हो सकता है कि किसी दिन विदेशी पर्यटक के शिकार बनने पर भारत को विश्व में शर्मिंदगी का सामना करना पड़े। ऐसी नौबत आए, इससे पहले सरकारी और स्वायत्तशाषी निकायों को इस समस्या का कोई ठोस और स्थायी समाधान निकालना चाहिए।

भारतीय सनातन संस्कृति का पालन करके ही विश्व में शांति स्थापित हो सकती है

प्रह्लाद सबनानी

आज पूरे विश्व में अशांति एवं अराजकता का माहौल है। रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध चल ही रहा था कि हमास और इजराइल के बीच युद्ध प्रारम्भ हो गया है एवं इस युद्ध में लेबनान एवं सीरिया भी कूद पड़े हैं। इधर चीन की विस्तारवादी नीतियों के चलते उसके अपने लगभग सभी पड़ौसी देशों के साथ सम्बंध अच्छे नहीं चल रहे हैं। ताईवान, मंगोलिया, जापान, इंडोनेशिया, फिलिपीन, नेपाल, भूटान, म्यांमार, भारत आदि जैसे शांतिप्रिय देश भी आज चीन की नीतियों से बहुत परेशान हैं। एक तरफ तो विकसित देश अपनी आर्थिक नीतियों के असफल होने के कारण कई प्रकार की आर्थिक एवं सामाजिक परेशानियों से जूझ रहे है, तो दूसरी ओर अफ्रीकी महाद्वीप क्षेत्र में कई देश अभी भी आर्थिक विकास को तरस रहे हैं और इन देशों के नागरिक गरीबी का जीवन जीने को मजबूर हैं। कुल मिलाकर पूरे विश्व में ही त्राहि त्राहि मची हुई है। इन समस्त विपरीत परिस्थितियों के बीच आज भारत की आर्थिक विकास दर विश्व की समस्त बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के बीच लगातार सबसे तेज बनी हुई है, क्योंकि भारत आज अपनी सनातन संस्कृति का पालन करते हुए ही आर्थिक, सामाजिक, सांस्कृतिक, आध्यात्मिक, आदि क्षेत्रों में कार्य करता हुआ दिखाई दे रहा है एवं इसके चलते भारत आज कई क्षेत्रों में पूरे विश्व को राह दिखा रहा है।

वैसे भी किसी भी राष्ट्र के मूल में कुछ तत्व निहित होते है, जिनके बल पर वह देश आगे बढ़ता है और समाज के विभिन्न वर्गों को एकता के सूत्र में पिरोए रखता है। भारत के एक राष्ट्र के रूप में, इसके मूल में, सनातन हिंदू संस्कृति का आधार है जो हजारों वर्षों से भारत को आज भी भारत के मूल रूप में ही जीवित रखे हुए है। अन्यथा, पिछले लगभग 1000 वर्षों में भारत को तोड़ने के लिए अरब के आक्रांताओं और अंग्रेजों के द्वारा अनेकानेक प्रयास किए गए हैं। अरब के आक्रांताओं एवं अंग्रेजों ने बहुत अधिक प्रयास किए कि किसी तरह भारतीय मूल संस्कृति को तहस नहस किया जाय, शिक्षा पद्धति को ध्वस्त किया जाये, बलात हिंदुओं का धर्म परिवर्तन किया जाय, आदि आदि। इन प्रयासों में उन्हें कुछ सफलता तो अवश्य मिली परंतु पूर्ण रूप से भारतीय संस्कृति को समाप्त नहीं कर पाए। जबकि कई अन्य देशों (ईरान, लेबनान, इंडोनेशिया, मिस्त्र, ग्रीक आदि) में इनके यही प्रयास पूर्ण रूप से सफल रहे एवं वहां के लगभग सम्पूर्ण नागरिकों को इस्लाम में परिवर्तित करने में वे सफल रहे। भारत में चूंकि सनातन हिंदू धर्म का बोलबाला है अतः यहां इन तत्वों को आज तक सफलता नहीं मिली है हालांकि इनके प्रयास अभी भी जारी हैं।

अंग्रेजों ने जब भारत पर शासन करना प्रारम्भ किया तो उनका अज्ञानतावश यह सोच था कि यहां के नागरिक कुछ जानते ही नहीं है और इनकी विज्ञान के प्रति कोई समझ ही नहीं है। उनकी यह भी सोच थी कि भारत कई राज्यों का एक समूह है और यह एक राष्ट्र नहीं है। अंग्रेज तो यह भी सोचते थे कि भारत कभी एक राष्ट्र नहीं रहा है, ना ही अभी यह एक राष्ट्र है और न ही कभी भविष्य में यह एक राष्ट्र रह पाएगा। क्योंकि यहां तो विभिन्न राजा राज्य करते है और उनके राज्यों की अलग अलग भौगोलिक सीमाएं है इसलिए भारत का एक रार्ष्ट्र के रूप में कभी अस्तित्व ही नहीं रहा है। अंग्रेज यह भी मानते थे कि पूरे भारत के लोग एक हो जाएंगे यह कभी सम्भव ही नहीं है। अंग्रेज अहंकारवश भारतीयों को अनपढ़, असभ्य एवं रूढ़िवादी तक कहते थे। उनकी नजरों में भारतीयों की कोई एतिहासिक उपलब्धि नहीं है एवं भारत के बर्बर, जंगली लोगों को

सभ्यता सिखाने का दायित्व हमारा (अंग्रेजों का) है। भारत के लोग प्रशासन करने के अयोग्य है। किसी कारण से यदि भारत को स्वतंत्र राष्ट्र का दर्जा दे दिया तो इस देश की बर्बादी सुनिश्चित है और फिर इसकी जवाबदारी हमारी (अंग्रेजों की) होगी। उनको विशेष रूप से हिंदुओं से बहुत डर लगता था और वे हिंदुओं से सावधान रहने की आवश्यकता पर बल दिया करते थे। उनका सोच था कि स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद भारत बहुत जल्दी बर्बाद हो जाएगा। भारत में लोकतंत्र जीवित नहीं रह सकता, यह बहुत ही अस्वाभाविक राज्य है। भारत आजाद होते ही कई टुकड़ों में बिखर जाएगा क्योंकि यहां 52 करोड़ लोग है एवं इनकी अलग अलग भाषाएं है ये आपस में लड़ते रहते हैं और कभी भी एक नहीं रह पाएंगे। भारत आजादी के बाद पूरी दुनिया के लिए एक भार बन जाएगा एवं यहां के नागरिक भूख से ही मर जाएंगे। उक्त सोच ब्रिटेन, अमेरिका, लगभग समस्त यूरोपीय देशों सहित कई देशों की भी थी। आज भी आतंकवादी संगठन एवं विदेशी ताकतें जो भारत को अस्थिर करना चाहते है वे इसी परिकल्पना पर अपना कार्य प्रारम्भ करते हैं एवं समाज के विभिन्न वर्गों को आपस में लड़ाने का प्रयास करते नजर आते है। उक्त वर्णित देशों की यह सोच इसलिए थी क्योंकि उनके पास हिंदू सनातन संस्कृति का कोई ज्ञान नहीं था बल्कि उनकी अपनी पश्चिम रंग में रची बसी सोच थी जो केवल 'मैं' में विश्वास करती थी उनके लिए देश मतलब केवल भौगोलिक सीमाओं वाला जमीन का टुकड़ा और उस जमीन के टुकड़े पर रहने वाले लोग ही विशेष हैं। उनके सोच में अहम का भाव कूट कूट कर भरा है। केवल मैं ही श्रेष्ठ हूं। इस दुनिया में रहने वाले बाकी सभी लोग हमसे हीन हैं। जर्मन लोगों ने अपना एक विशेष दर्शन शास्त्र दुनिया के सामने रखा जिसमें उन्होंने किसी और दर्शन को स्वीकार न करते हुए केवल अपने दर्शन को ही श्रेयस्कर माना एवं अहंकार का भाव जाहिर किया। जर्मन, फ्रेंच से भिन्न हैं। यूरोप में प्रत्येक देश ने अपने आप को दूसरे देश से बिलकुल अलग रखा हुआ है। पश्चिम का राष्ट्रवाद एकांतिक है इसमें समावेशिता का नितांत अभाव है। इसीलिए आज रूस, यूक्रेन के साथ लड़ रहा है तो जर्मनी की फ्रांस के साथ नहीं बनती है। इसी प्रकार यूरोप के लगभग सभी देशों के आपसी विचारों में किसी न किसी प्रकार की भिनन्ता दृष्टिगोचर होती रहती है। जबकि यह लगभग सभी देश ईसाई धर्म को मानने वाले देश हैं।

आज कई इस्लामी देश भी पश्चिमी सोच की राह पर चलते हुए दिखाई दे रहे है कि केवल हमारा धर्म ही श्रेष्ठ है। इस धरा पर जो भी इस्लाम को नहीं मानता है वह काफिर है और उसे जीने का हक नहीं है। काफिर या तो इस्लाम को कबूल करे अथवा वह मार दिया जाएगा। और तो और इस्लामी देशों में भी अलग अलग किस्म के कई फिर्के आपस में ही लड़ते झगड़ते रहते है एवं एक दूसरे को अपने से श्रेष्ठ सिद्ध करने की कोशिश में लगे रहते हैं।

जबकि भारतीय विचारधारा इसके ठीक विपरीत आचरण करना सिखाती है विशेष रूप से सनातन संस्कृति में जो व्यक्ति जितना विशेष होगा वह उतना ही विनयपूर्ण होगा और इस नाते भारतीय सनातन संस्कृति अविभाजनकारी दर्शन पर चलकर सर्वसमावेशी है।

भूत बनकर कर रही हैं एक्टिंग में रीडेब्यू खुद इस बात से डरती हैं मल्लिका शेरावत!

मुम्बई। मल्लिका शेरावत इन दिनों अपनी आगामी वेब सीरीज 'बू' के प्रमोशन में जुटी हुई हैं। मल्लिका शेरावत जो पिछले कई वर्षों से बड़े पर्दे से दूर थीं, अब बी टाउन में लौट आई हैं और प्रमोशन के जरिए अपने फैंस से रूबरू हो रही है। मल्लिका काम के सिलसिले में पिछले कई वर्षों से विदेश में थीं। अब भारत वापस लौट आई मल्लिका, बॉलीवुड में और भी ज्यादा काम करने के लिए उत्सुक हैं।

मल्लिका से जब यह पूछा गया कि क्या वह किसी चीज से डरती हैं, तो मल्लिका का साफ जवाब था कि वह प्लेन टेकऑफ और लैंडिंग के समय बहुत ज्यादा डरती हैं। मल्लिका ने यह भी कहा कि उन्होंने यह बात किसी से भी शेयर नहीं की थी। पर सच तो यही है कि हर बार जब भी वह प्लेन का सफर करती है। टेक ऑफ और लैंडिंग के वक्त सहम जाती है। साथ ही मल्लिका ने यह भी कहा कि उन्हें अपने भतीजे यानी कि भाई के बेटे को डराने में बहुत मजा आता है। बूगी बूगी करके वह अपने भतीजे को डराती है और खुश हो जाती हैं। जी न्यूज की खास बातचीत में मल्लिका ने बताया की भूत का किरदार उनके लिए बिल्कुल अलग था। अपने किरदार के बारे में बात करते हुए मल्लिका ने बताया कि उनका किरदार 'दुल्हन भूतनी' का है जो एक ऐसी भूतनी जिससे लोगों को प्यार भी होगा और डर भी लगेगा। इस किरदार ने उन्हें रोमांचित किया और फट से उन्होंने इस रोल को करने की हामी भर दी। हालांकि मल्लिका का यह भी कहती है कि उन्हें अच्छी स्क्रिप्ट का इंतजार है और जल्द ही उनकी कोशिश रहेगी कि वह अपने फैंस को अपनी अदाकारी से खुश कर सकें। वेब सीरीज में तुषार कपूर की मुख्य भूमिका में हैं। तुषार का यह मानना है कि 17 वर्षों के गैप के बाद वह मल्लिका के साथ काम कर रहे है लेकिन उन्हें यह भी उम्मीद है कि अब उन्हें ज्यादा इंतजार नहीं करना पड़ेगा। वेब सीरीज की स्क्रीनिंग देखने के बाद तुषार को इस बात का अहसास हो गया है कि लोगों को यह जरूर पसंद आएगी। साथ ही उम्मीद है 17 वर्ष नहीं बल्कि 17 दिन बाद की सेकंड सीजन की शूटिंग भी शुरू हो जाएगी। इस पर मल्लिका ने अपनी खुशी जाहिर की और कहा की तुषार तुम्हारे मुंह में घी शक्कर।मल्लिका के तेवर और उनके अदाओं के फैंस बहुत ज्यादा है लेकिन उनकी पिछली कुछ फिल्मों को फैंस ने नकार दिया था।

अभिनेत्री रश्मिका मंदाना से मिलने के लिए प्रशंसक ने 900 किलोमीटर का सफर तय किया

मादीकेरी। तेलुगु एवं हिंदी फिल्मों की अभिनेत्री रश्मिका मंदाना से मिलने के लिए उनके एक प्रशंसक ने तेलंगाना से कर्नाटक के कोडागु पहुंचने के लिए 900 किलोमीटर से अधिक दूरी का सफर तय किया। हालांकि, पुलिस के समझाने पर उसे अभिनेत्री से मिले बिना ही वापस घर लौटना पड़ा। तेलंगाना का रहने वाला आकाश त्रिपाठी अभिनेत्री मंदाना का बहुत बड़ा प्रशंसक है। मंदाना को देखने की चाहत में त्रिपाठी ने उनके घर पहुंचने के लिए गूगल सर्च की मदद ली और वह मैसूर को जाने वाली ट्रेन में सवार हुआ।

इसके बाद त्रिपाठी ने अभिनेत्री के गृह जिले कोडागु पहुंचने के लिए माल ढोने वाले आटो में सवारी की। पूरे रास्ते भर वह अभनेत्री के घर का रास्ता पूछता हुआ आगे बढ़ता रहा। ऐसे में युवक पर शक होने पर लोगों ने पुलिस को त्रिपाठी के बारे में सूचना दी। पुलिस ने तत्काल त्रिपाठी को पकड़ा और उसे वापस तेलंगाना जाने को कहा क्योंकि कोडागु में लॉकडाउन लागू था। पुलिस ने बताया कि जब प्रशंसक को यह पता चला कि अभिनेत्री शूटिंग के सिलसिले में मुंबई में है तो वह वापस लौट गया।

नुसरत जहां ने बेबी बंप फ्लॉन्ट करते हुए आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर की तस्वीर, कैप्शन में लिखी यह बात

मुम्बई। बंगाली अभिनेत्री और सांसद नुसरत जहां इन दिनों अपनी निजी जिंदगी को लेकर चर्चा में बनी हुई है। नुसरत जहां अपने पति निखिल जैन से अलग रह रही है और उनकी शादी टूटने की कगार पर है। वहीं नुसरत जहां प्रेग्नेंट भी है जिसे लेकर अभी तक नुसरत ने कोई आधिकारिक ऐलान नहीं किया है।

नुसरत जहां की प्रेग्नेंसी की खबरों पर मुहर उस वक्त लगी जब उनकी बेबी बंप फ्लॉन्ट करते हुए एक तस्वीर सोशल मीडिया पर वायरल हो गई। वहीं अब नुसरत जहां ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक और तस्वीर शेयर की है। जिसमें वह अपने बेबी बंप फ्लॉन्ट करती नजर आ रही है।

नुसरत ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर तीन तस्वीरें शेयर की है। जिनमें वे मिकी माउस को-ऑर्ड सेट पहने नजर आ रही है। इस तस्वीर के कैप्शन में अभिनेत्री ने लिखा चलो पक्षी के खोए हुए घर का मार्गदर्शन करें। आपको बता दें कि नुसरत जहां ने साल 2019 में निखिल जैन से शादी की थी। हालांकि कुछ महीने पहले उनकी शादी में सबकुछ ठीक न होने की बात सामने आई थी। वहीं नुसरत के निखिल जैन से अलग होने की खबर की उस समय पुष्टि हो गई जब निखिल जैन से उनकी पतनी की प्रेग्नेंसी के बारे में

पूछा गया। इस पर उन्होंने कहा कि मुझे इस बारे में कोई जानकारी नहीं है। नुसरत ने भी इस महीने की शुरुआत में एक बयान देकर इन सभी खबरों को पक्का कर दिया था।

नुसरत के मुताबिक भारतीय कानून के मुताबिक मान्य नहीं है। अभिनेत्री ने निखिल जैन पर यह भी आरोप लगाया कि उनका सामान, जैसे पारिवारिक आभूषण और अन्य संपत्ति, 'अवैध रूप से वापस ले ली गई है।' अभिनेत्री ने यह भी दावा किया कि उनकी जानकारी के बिना उनके विभिन्न बैंक खातों में रखे उनके 'धन का दुरुपयोग' किया गया।

आपको बता दें कि नुसरत जहां के निखिल जैन से अलग होने के बाद बीजेपी नेता यशदास गुप्ता के साथ रिलेशनशिप में होने की खबरें है। वहीं नुसरत जहां की प्रेग्नेंसी को लेकर निखिल जैन का कहना है कि यह बच्चा उनका नहीं है क्योंकि वे नवंबर 2020 से अपनी पतनी के साथ नहीं रह रहे है।

मल्लिका शेरावत के पेट पर अंडा फ्राई करना चाहते थे प्रोड्यूसर

नई दिल्ली। अभिनेत्री मल्लिका शेरावत ने एक चैट शो इस बात का खुलासा किया कि एक

निर्माता उनके पेट पर अंडा फ्राई करना चाहते थे ताकि वह दिखा सकें कि मल्लिका कितनी हॉट हैं। कार्यक्रम में मल्लिका से पूछा गया कि मल्लिका, हमने आपके बारे में अफवाहें सुनी हैं। ऐसा कहा जाता है कि जब भी किसी न्यूज पेपर पर आपकी फोटो छपती है तो लोग उसमें अपना लंच पैक करते हैं ताकि वह काफी लंबे समय तक गर्म रहे।

मल्लिका ने कहा कि यह दावा सच है। उन्होंने आगे कहा कि मैं एक फिल्म कर रही थी। उसमें एक गाना था। वह प्रोड्यूसर नौसिखिया लग रहा था, इसलिए समझ नहीं पा रहा था कि किस तरह से दिखाए कि मल्लिका बहुत हॉट हैं। उसने एक कोरियोग्राफर के जरिए अपना विचार भेजा कि वह मेरे पेट पर अंडा फ्राई करना चाहता है। इसे सुनकर वहां मौजूद दर्शक चकित रह गए।

जब मल्लिका से यह पूछा गया कि क्या वह उस दृश्य को करने के लिए सहमत हो गई तो अभिनेत्री ने कहा कि मैंने वह दृश्य नहीं किया।

बता दें कि मल्लिका शेरावत इन दिनों अपनी आगामी वेब सीरीज 'बू' के प्रमोशन में जुटी हुई हैं।

मल्लिका शेरावत जो पिछले कई वर्षों से बड़े पर्दे से दूर थीं, अब बी टाउन में लौट आई हैं और प्रमोशन के जरिए अपने फैंस से रूबरू हो रही हैं। मल्लिका काम के सिलसिले में पिछले कई वर्षों से विदेश में थीं। अब भारत वापस लौट आई मल्लिका, बॉलीवुड में और भी ज्यादा काम करने के लिए उत्सुक हैं।

गाने 'मखना' से हनी सिंह आए मुसीबत में, पंजाब महिला आयोग ने की कार्रवाई की मांग

नई दिल्ली। पंजाब राज्य महिला आयोग ने रैपर यो यो हनी सिंह के खिलाफ हाल ही में एक गाने में महिलाओं के खिलाफ कथित तौर पर अभद्र शब्दों का इस्तेमाल करने के लिए कार्रवाई की मांग की है।

महिला पैनल की अध्यक्ष मनीषा गुलाटी ने स्वतः संज्ञान लेते हुए राज्य के गृह सचिव, पंजाब के पुलिस महानिदेशक और पुलिस महानिरीक्षक (अपराध) को पत्र लिखा है, जिसमें गायक के खिलाफ उचित कार्रवाई की सिफारिश की गई है।

गुलाटी ने कहा कि हमने पुलिस से गायक के खिलाफ उनके गाने 'मखना' में महिलाओं के खिलाफ अश्लील शब्दों का इस्तेमाल करने के आरोप में प्राथमिकी दर्ज करने के लिए कहा है। महिला पैनल ने पुलिस से 12 जुलाई तक मामले में स्थिति रिपोर्ट पेश करने को कहा है।

मधुबाला-दिलीप कुमार की नाकाम मोहब्बत की दास्तां!

मुम्बई। बॉलीवुड में जब प्रेम कहानियों की चर्चा होती है, तो मधुबाला और दिलीप कुमार की प्रेम कहानी भला कोई कैसे भूल सकता है, इस प्रेमकहानी की शुरुआत 1957 में फिल्म तराना से शुरू हुई, दिलीप कुमार और मधुबाला पहली नजर में ही एक दूसरे के प्यार में गिरफ्तार हो गए। खास बात ये रही की मोहब्बत का इजहार मधुबाला ने खुद किया, उन्होंने गुलाब के फूल के साथ एक चिट्ठी दिलीप कुमार को भिजवाई, जिसमें लिखा था-अगर आप मुझसे मोहब्बत करते हैं तो ये गुलाब का फूल कबूल करें। दिलीप कुमार ने मुस्कुराते हुए वो फूल कबूल कर लिया।दोनों मोहब्बत में इतने डूब गए थे कि मधुबाला जहां भी शूटिंग करतीं, दिलीप कुमार सेट पर पहुंच जाते। दोनों की प्रेम कहानी में मधुबाला के पिता अताउल्ला खान विलेन बन बैठे, अताउल्ला मधुबाला के साथ हमेशा सेट पर मौजूद रहते थे और उनपर कड़ी नजर रखते थे।, वो दिलीप कुमार और मधुबाला की नजदीकियों को भी भांप गए थे। सेट पर हर चीज के लिए टोकते रहते थे, जिस वजह से दिलीप कुमार उनको नापसंद करने लगे।कहते हैं कि दिलीप कुमार और मधुबाला का रिश्ता सगाई तक पहुंच गया था, लेकिन शादी से पहले दिलीप ने मधुबाला के सामने एक ऐसी शर्त रख दी, जिसे निभाना मधुबाला के लिए आसान नहीं था। दिलीप ने मधुबाला को शादी के बाद फिल्मों में काम छोड़ने को कहा और साथ ही अपने पिता से भी नाता तोड़ने को कहा। मधुबाला अपने पिता से बेहद प्यार करती थीं, और दिलीप की ये बात उन्हें पसंद नहीं आई, जिस वजह से उन दोनों के बीच आए दिन झगड़े होने लगे। 1956 में बात और बिगड़ गई, जब फिल्म नया दौर की शूटिंग के लिए बी आर चोपड़ा ने भोपाल में शूटिंग का फैसला किया। मधुबाला के पिता को मुंबई से बाहर जाकर शूटिंग करना मंजूर नहीं था। बस क्या था फिल्म में मधुबाला की जगह बैजंती माला को साइन कर लिया गया। कहते हैं कि दिलीप कुमार ने भी बी आर चोपड़ा का साथ दिया।चोपड़ा ने इस खबर का ऐलान अखबार में इश्तिहार देकर किया। इस इश्तिहार में मधुबाला पर एक कट का निशान लगाकर उसकी जगह बैजंतीमाला की फोटो लगी थी। अताउल्ला खान इससे गुस्से में आ गए और जवाब में उन्होंने एक इश्तिहार दिया, जिसमें मधुबाला की तमाम फिल्मों के नाम देकर आखिर में नया दौर के नाम पर वैसा ही कट का निशान लगा दिया। यहां तक उन्होंने अदालत में फिल्म की शूटिंग पर रोक लगाने के लिए केस भी कर दिया।अदालती झगड़ों के बीच सुनवाई के दौरान दिलीप कुमार को गवाही के लिए बुलाया गया। कोर्ट में तमाम सवालों के अलावा एक सवाल यह भी पूछा गया कि क्या वो मधुबाला से प्यार करते हैं, दिलीप कुमार ने अदालत में सबके सामने कहा, हां मैं मधु से प्यार करता हूं और उसे हमेशा प्यार करता रहूंगा, लेकिन जिस दिन दिलीप ने अपने प्यार का पूरी दुनिया के सामने इजहार किया उसी दिन इस प्यार का अंत भी हो गया।

कंगना रनौत ने इंदिरा गांधी की बायोपिक पर कहा- मुझसे बेहतर इसे कोई निर्देशित नहीं कर सकता

मुंबई। अभिनेत्री कंगना रनौत ने उनकी आने वाली फिल्म 'इमरजेंसी' का निर्देशन खुद करने की घोषणा की है। फिल्म की कहानी भारत की पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के जीवन पर आधारित है। इसका निर्देशन पहले फिल्म 'रिवॉल्वर रानी' के निर्देशक साई कबीर करने वाले थे। लेकिन

कंगना ने बुधवार को कहा कि उनके अलावा कोई और, इस फिल्म के साथ इंसाफ नहीं कर सकता। उन्होंने स्वदेशी सोशल मीडिया एप 'कू' पर लिखा, " एक बार फिर निर्देशन की दुनिया में कदम रख कर खुश हूं। 'इमरजेंसी' पर एक साल से अधिक समय तक काम करने के बाद मुझे लगता है कि मुझसे बेहतर इसका निर्देशन कोई और नहीं कर सकता। लेखक रितेश शाह के साथ इस पर काम कर रही हूं, अगर इसके लिए अभिनय से जुड़े बाकी कामों का बलिदान भी देना पड़ा, तो तैयार हूं।" कंगना रनौत ने इससे पहले 2019 में आई फिल्म 'मणिकर्णिका' का निर्देशन किया था। फिल्म 'इमरजेंसी' के अलावा वह इन दिनों 'थलाइवी', 'धाकड़', 'तेजस' और 'मणिकर्णिका रिटर्नसः दी लीजेंड ऑफ दिद्दा' पर काम कर रही है।

सलमान खान ने क्यों कहा- अपनी गलतियां स्वीकार करने के लिए हिम्मत होनी चाहिए!

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेता सलमान खान का मानना है कि अपने जीवन में की गई गलतियों को स्वीकारने और उन्हें सुधारने के लिए बहुत 'हिम्मत' चाहिए होती है। कबीर बेदी के संस्मरण 'स्टोरीज आई मस्ट टेल : द इमोशनल जर्नी ऑफ एन एक्टर" के विमोचन के मौके पर उनके साथ हल्के-फुल्के ?अंदाज में हुई बातचीत में खान ने कहा कि उनकी जिंदगी में ऐसे कई मौके आए जब उन्हें अपनी गलतियों की जिम्मेदारी लेने में मुश्किल हुई। खान ने कहा,, 'पहले की गई गलतियों को मान लेना सबसे मुश्किल काम है। हर कोई उससे इनकार करता है। मैं उन लोगों में से एक हूं जो ठीक आपके सामने बैठ हुआ हूं। मैंने हमेशा कहा है 'ये मैंने नहीं किया।' उन्होंने कहा, 'लेकिन अगर आप कहते हैं कि 'हां, मैंने यह गलती की है और मैंने इसे ठीक करने की कोशिश की', तो ऐसा कहने के लिए बहुत हिम्मत चाहिए।' बेदी के इस खुलासे पर कि उन्होंने किताब में अपनी जिंदगियों की गलतियों और गौरवों को साझा किया है, पर खान नेप्रतिक्रिया देते हुए ये बातें कहीं। 55 वर्षीय अभिनेता ने कहा कि उन्होंने भी जिंदगी में गलतियां की हैं और इस मकसद से माफी मांगी है कि वह उन्हें दोहराएंगे नहीं। खान ने कहा, 'ऐसा कई बार हुआ है जब मैंने गलतियां की है। मैं सामने आया हूं और माफी मांगी है। गलतियां होती हैं, लेकिन एक ही गलती को बार-बार करना ठीक नहीं है।' खान ने 75 वर्षीय बेदी की इस संस्मरण के जरिए अपनी जिंदगी की कहानी साझा करने के लिए तारीफ की। बेदी ने कहा कि इस किताब में उनके करियर, सफलता, जीत, विफलता, प्रेम एवं संबंधों के बारे में सब चीजों पर विस्तार से बात की गई है।

शरीर मखमली और कपड़े खुरदरे ना बाबा ना.. शबाना आज़मी

यदि कोई हीरोइन किसी फिल्म में मैले कुचैले, फटे पुराने कपड़े पहनने से इंकार कर दे तो हमें आश्चर्य नही होना चाहिए! ग्लैमर आखिर ग्लैमर है! हीरोइन आखिर हीरोइन है! आप पूछ सकते हैं तो फिर जया ने फिल्म दूसरी सीता में काली कलूटी बनना कैसे स्वीकार कर लिया ? उसने खुरदरे कपड़े पहनने से आनाकानी क्यों नही की ? जया, जया है वह अपवाद है। उन जैसी अभिनेत्रियां हैं ही कितनी ? केवल उंगलियों पर गिनी जा सकती हैं। केवल तीन या चार बस हालांकि जया को भी उसके तथाकथित हितैषियों ने बड़ा समझाया था कि वे काली कलूटी न बनें। पर जया ने किसी बात की परवाह नहीं की। वह हमेशा यही कहती रही कि अभिनेत्री का सबसे बड़ा ग्लैमर उसका रूप सौन्दर्य नहीं, बल्कि उसकी प्रतिभा है। जया को छोड़ो शबाना आज़मी के बारे में आपका क्या विचार है ? अरे उनके बारे में क्या पूछना उन्ही ने तो अंकुर जैसी संवेदनशील और कलात्मक फिल्म में भावनात्मक रोल करके नयी आशा जगायी थी। फासला के निर्माता-निर्देशक के ए।अब्बास ने अपनी फिल्म की इस नयी हीरोइन के बारे में बड़े विश्वास के साथ कहा था कि यह दूसरी मीना कुमारी बनने वाली है। अंकुर को देखकर कुछ समीक्षकों ने लिखा कि वह शीघ्र ही दूसरी मीना कुमारी बन जायेंगी। पर जनाब हवा ही बदल गई। कुछ का कुछ हो गया। अंकुर की सफलता की चकाचौंध में शबाना आज़मी जैसी समझदार हीरोइन ग्लैमर फिल्मों की ग्लैमर हीरोइन बनकर अपनी भूमिका से ज्यादा अपने रूप लावण्य और वेशभूषा की चिंता करेगी यह किसने सोचा था। शायद उसका आईना भी उसकी सफलता पर इठलाने लगा है। पिछले दिनों की बात है। शबाना आज़मी अंकुर के ही निर्देशक श्याम बेनेगल की दूसरी फिल्म निशांत के एक दृश्य में भाग ले रही थी। यह फिल्म समय, देश भक्त, जीवन एवं चारित्रिक अभिव्यक्ति की दृष्टि से अंकुर से भी अधिक मार्मिक एवं हृदयस्पर्शी है। पर न जाने कैसे ग्लैमर की चमक-दमक की लहर ने शबाना को छू दिया कि वह फिल्म के एक दृश्य में सादी साड़ी की जगह रंग बिरंगी साड़ी सुपर फाईन साड़ी की मांग कर बैठी। शबाना ने अपनी भूमिका के बारे में कुछ भी नही सोचा। इस फिल्म की सम्पूर्ण पृष्ठभूमि गांव की पृष्ठभूमि है और उस पृष्ठभूमि में उसका रोल एकदम सादा त्रासदीपूर्ण और नॉनग्लैमरस है। इस फिल्म में यह गांव के एक साधारण अध्यापक की साधारण पत्नी है। गांव के जागीरदार का बेटा उसका अपहरण और बलात्कार कर उसे रखेल बना लेता है। वह जागीरदार की हवेली में रखेल की दर्द भरी विवशताओं की घुटनभरी जिंदगी जीती है। उसे अपने पति और बेटे की याद सताती है और त्रासदी के ऐसे क्षण काटती है कि दर्शकों की छाती भी फटने सी लगती है। क्या ऐसी दारूण स्थिति का शिकार निसहाय कभी रंग बिरंगी सुपर फाईन साड़ी पहनने की इच्छा कर सकती है ? वह भले ही न करे पर शबाना आजमी कर सकती हैं क्योंकि अंकुर के बाद वह हिंदी की कमर्शियल फिल्मों की कमर्शियल और ग्लैमरस हीरोइन बन गयी हैं। यदि वह साधारण साड़ी पहनेगी तो फिर उनकी कीमत का क्या होगा ? पर हां, श्याम बेनेगल जिन्होंने अपने ही हाथों शबाना को अंकुर की चुनौतीपूर्ण भूमिका देकर सफलता की माला पहनायी थी, यह सुनकर सकते में जरूर आ गये। वो शबाना आज़मी के ग्लैमर के वास्ते अपनी फिल्म से समझौता नहीं कर सके। इसलिए वे भी सत्याग्रह पर बैठे सुनते हैं उस दिन शूटिंग स्थगित हो गयी।

आखिर शबाना को झुकना पड़ा। वह झुक तो गई पर अंकुर से उनकी जो इमेज बनी थी, वह इस खबर से टूट गयी। ठीक है, किंतु अकेली शबाना को ही दोष क्यों दिया जाये ? इस फिल्म के बनने के बहुत अर्से पहले ही बरखा बहार की नायिका रेखा ने भी जेल के दृश्यों में हिस्सा लेते हुए जेल की खुरदरी ड्रेस पहनने से इंकार कर दिया था। उनके इस नखरे के कारण कई दिनों तक शूटिंग स्थगित रही। रेखा ने तो साफतौर पर कह दिया था कि उस खुरदरी ड्रेस से उनकी मखमली देह छिल गई तो कौन जिम्मेदार होगा ? वस्तुतः आजकल की हीरोइनों में अभिनय के प्रति ग्लैमर का अधिक मोह है वे नॉन ग्लैमर्स ड्रेस पहनने से झिझकती हैं कहीं उनकी सादगी से आम दर्शकों में उनका आकर्षण कम न हो जाये ? शायद यही कारण है कि इसी मोह के आवरण में अंग-प्रदर्शन भी अधिक होने लगा है। शरीर मखमली और कपड़े खुरदरे।। ना।।बाबा।।ना।। ग्लैमर तो ग्लैमर ही है। फिल्म के पर्दे पर ग्लैमर की चमक दमक नही तो फिर कुछ भी नही। पर पर्दे की बात पर्दे तक ही रहे तो अच्छा है। कभी-कभी तो वास्तविक जीवन में इस ग्लैमर के कारण कुछ इस तरह की परेशानी भी हो जाती है कि ग्लैमर की चकाचौंध खटकने लगती है। इस बात की गहराई किरण कुमार और रेखा ही बता सकते हैं जो कहीं भी अपने को छुपाकर सुख चैन से कुछ क्षण भी नही काट सकते। होटल जाते हैं तो लोग पहचान लेते हैं, समुद्र किनारे टहलते हैं तो भीड़ आकर घेर लेती है और किसी दोस्त के फ्लैट पर जाकर चंद क्षणों के लिए मीठी-मीठी बातें करना चाहते हैं तो आसपास के लोग तरह तरह की अफवाहें उड़ा देते हैं। तो अब जायें तो जायें कहा। ग्लैमर को छुपायें तो कहां छुपायें पर कभी-कभी कोई नया रास्ता निकल आता है। शायद उन्हें भी नयी रोशनी मिल गयी। किरण कुमार ने एकदम सादी पैंट और शर्ट पहन ली और आंखो पर लगा लिया चौड़ा काला चश्मा बाल भी इस तरह बिखरा दिये कि लोग पहचान न सकें और रेखा ने तो कमाल कर दिया। एकदम सफेद सादी साड़ी, मामूली-सा ब्लाउज़ आंखो पर धूप का काला चश्मा और मामूली से सैंडिल, हाथों में दो चार कोर्स की किताबें जैसे कॉलेज की स्टूडेंट हो। किसी तरह का मेकअप भी नही दोनों कॉलेज के स्टूडेंट बनकर बाहर निकले। जगह भी उन्होंने क्या ढूंढी एरोड्राम एरोड्राम भीड़-भाड़ से दूर वाकई एक ऐसी जगह है जहां सब लोग हड़बड़ी में रहते हैं। किसी को क्या मतलब कौन आया, कौन गया? उन दिनों ग्लैमर को छुपाकर ग्लैमर की दुनिया से भागने की वह योजना काबिले तारीफ थी। अचानक उन दोनों पर मेरी नज़र पड़ गयी। मैं उस दिन मायापुरी का डिस्पैच करने एरोड्राम पर गया था मैं बाहर निकल ही रहा था कि अचानक मेरी नजर किरण कुमार पर पड़ी। पहले तो मुझे भ्रम हुआ जैसे दोनों कॉलेज स्टूडेंट ही हैं पर किरण कुमार की कुछ हरकतें मुझसे छुपी न रह सकी। शायद किरण कुमार को भी मेरी उपस्थिति का आभास हो गया।

उन्होंने रेखा को कुछ इशारा किया और झुक कर उनके कान में कुछ कहा। रेखा को कुछ झुंझलाहट सी हुई और पैर पटकती हुई दूर निकल गयी पीछे-पीछे किरण कुमार भी। मैं भी पीछे-पीछे हो लिया मेरे कानों में भनक पड़ी, किरण कुमार कह रहा था यहां भी कुछ लोग पहचान रहे है। चलो ऊपर कहीं चलते है। इसी बीच कुछ और लोगों ने भी उन दोनों को पहचान लिया। बस फिर क्या था, कुछ लोगों ने उनको घेर लिया। दोनों को परेशानी हुई। रेखा तो एक दम भन्ना गयी। वह किरण कुमार को वही लोगों के घेरे में छोड़ कर भाग गयी। संभवतः वह ऊपर नये बने रेस्ट्रा में चली गयी। हाल ही में वहां फर्स्टक्लास श्रेणी का रेस्ट्रा बना है जहां कुछ ऐसे ही लोग आते जो दुनिया से बेखबर रहना चाहते है। मैं उन दोनों की स्थिति पर पिघल पड़ा मुझे उनके प्रति सहानुभूति भी हुई। फिल्म वालों को हम न जाने कितना कोसते हैं। न जाने हम उन पर कैसी कैसी छींटाकसी करते हैं। आज मुझे कुछ मसाला मिल गया था। पर क्या कहूं आखिर इनके भी तो कुछ जज़्बात हैं। कभी - कभी ये लोग भी अपने ग्लैमर के कारण ही इतने विवश हो जाते हैं कि कहीं अंधेरे में भी मुंह नही छुपा सकते। इसे कहते है ग्लैमर का अभिशाप ग्लैमर को छुपायें तो छुपायें कहां। अपने को छुपायें तो छुपायें कहा ?

पनवार पुलिस ने वाहन चेकिंग के दौरान 50 लीटर पेट्रोल व 70 लीटर डीजल किया जप्त

थाना प्रभारी आरएस सिंह बागरी के नेतृत्व मे हुईं कार्यवाही

पुष्पांजली टुडे

रीवा।पुलिस अधीक्षक विवेक कुमार सिंह अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अनिल सोनकर के निर्देशन में एसडीओपी रूपेंद्र धुर्वे के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी आरएस सिंह बागरी ने रात्रि में वाहन चेकिंग के दौरान बोलिरो वाहन से 50 लीटर पेट्रोल और 70 लीटर डीजल अवैध परिवहन करते पाया गया

जो डभौरा तरफ से उर्मालिया पेट्रोल पंप से लाना बताया गया जिसमे चालक के विरुद्ध अपराध धारा 3/7 दृष एक्ट एवम 285 आईपीसी के तहत कार्यवाही की गई वहीं पेट्रोल पंप संचालक द्वारा खुला जरीकिन मे ज्वालनशील पदार्थ देने से पेट्रोल पंप संचालक से भी पूछ ताछ की जा सकती है वही गाड़ी का चालक रत्नेश पाठक पिता मोहनलाल निवासी किरहाई थाना जवा के बताए गए

क्षेंत्र के किसानो के पलेवा हेतु पड़े पानी के लाले

शिवपुरवा मऊगंज लिप्ट ऐरीगेशन का मात्र नाम क्षेत्र की नहरे पानी बिन सूनी

पुष्पांजली टुडे

रीवा। आपको बता दे कि किसानो के सामने हर समय कोई न कोई समस्या खडी ही रहती धान बोनी का समय या तब पानी बिजली की समस्या किसी कदर लेव लगाया बाद खादी की समस्या अब धान पक चुकी है तो आवारा मवेशियों की समस्या उसके बाद अब गेहूं बोने हेतु पलेवा देने के लिए फिर पानी की समस्या इस समस्याओ से किसानो को कब छुटकारा मिलेगा यह कहना बहुत मुस्किल जबकि गुढ़ क्षेत्र मे नहर का जाल फैला दिया गया लेकिन उन नहरो मे बूद पानी

नही है इस बार तो बरसात में भी गुढ़ क्षेत्र की नहरे सूखी पड़ी थी गुढ़ नगर परिषद अध्यक्ष श्रीमती अर्चना सिंह ने जिला कलेक्टर से मांग करते हुए कहा कि गुढ क्षेत्र के किसानो के खेतो मे पलेवा देने व गेहूं की बोनी हेतु शिवपुरवा मऊगंज जाने वाली बड़ी नहर एवं क्षेत्र में फैली छोटी माइनर नहर में समय रहते पानी छोडवाया जाय जिससे किसानो के खेतो मे पलेवा लग सके। और किसानो को पानी समस्या से निजात मिल सके।

रीवा से गुढ की ओर जा रही कार में मिले 110 शर्ट एवं 60 पैंट जप्त

FST टीम ने की कार्यवाही

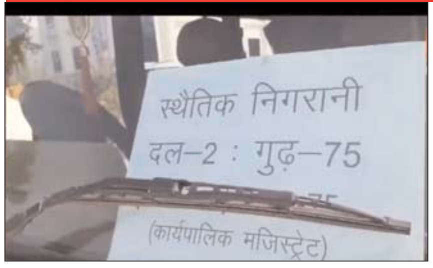

पुष्पांजली टुडे

रीवा। विधानसभा निर्वाचन की तिथि जैसे-जैसे नजदीक आ रही हैं मतदाताओं को रिझाने एवं खुश करने के लिए प्रत्याशियों द्वारा भरपूर कोशिश की जा रही है । आचार संहिता का उल्लंघन एवं अवैध रूप से लाई एवं ले जाई जा रही सामग्रियों को जगह-जगह नाके बनाकर चेक किया जा रहे हैं । स्त्रस्ज्ञ टीम ने रीवा गुढ मार्ग पर एक वैगन आर कार में दो बड़े बैग जिसमें 110 शर्ट एवं 60 पैंट थे को जप्त कर निर्वाचन कार्यालय के कंट्रोल रूम में जमा किया है। अधिकारियों ने बताया कि कार चालक से जब इस संबंध में कागजात मांगे तो वह देने में असमर्थ रहा। हालांकि अभी यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि।

एक ही सड़क को बार बार बनता देख ऊब गई रीवा की जनता, अब करना चाहती है बदलाव: इंजी. राजेन्द्र शर्मा

पुष्पांजली टुडे

रीवा। रीवा विधानसभा से कांग्रेस प्रत्याशी इंजी. राजेन्द्र शर्मा लगातार जनता के बीच पहुंच कर जनसंपर्क के माध्यम जनता से आर्शीवाद की मांग रहे हैं। इसी कड़ी में गुरुवार को गोड़हर भारत माता मंदिर सहित रमकुई, करहिया नं. 2, कपुरी, रमकुई व करहिया नं. 1 में विभिन्न जगहों पर आयोजित सभाओं में सैकड़ो की संख्या बीच इंजी. राजेन्द्र शर्मा पहुंचे और जनता ने उनका समर्थन किया। इंजी. राजेन्द्र शर्मा ने कहा कि 20 वर्षो में रीवा की जनता ने रीवा में एक ही सड़क को कई बार बनते देखा है, करोड़ो रुपए की सड़के पहले भी बनाई गई फिर उनको किसी न किसी प्रोजेक्ट या निर्माण के बहाने खोद दिया गया फिर उन्हें बनाने के लिए करोड़ो खर्च किए गए और फिर तोड़ दिया गया और फिर करोड़ो खर्च किए गए... ऐसा करते हुए सड़क निर्माण के नाम पर जमकर भ्रष्टाचार किया गया और अपने मनचाहे बिल्डर को लाभांवित करने की मंशा से शहर की बहुमूल्य शासकीय भूमियाँ बेंच दी गई। बदले में रीवा जनता को क्या मिला भगवान ही जाने। इसलिए अब रीवा की जनता बदलाव चाहती है। इंजी. राजेन्द्र शर्मा ने कहा कि रीवा की जनता उन्हें एक मौका दें, वह अपने हर वादे को पूरा करेंगे। प्रदेश में कमलनाथ जी की नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार बनने जा रही हैं, जिसमें हर वर्ग का विकास होगा और कांग्रेस अपने वचनों को पूरा करेगी। इस दौरान महापौर अजय मिश्रा बाबा ने कहा कि जब नगर निगम का चुनाव था तो वह प्रचार के लिए निकलते थे, तब लोग अपनी मांगो को रखते और सिर्फ बदलाव की बात कहते थे, वहीं हाल उन्हें विधानसभा चुनाव के दौरान देखने को मिल रहा है। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार कांग्रेस पार्टी के महापौर ने अपने वचनों को पूरा किया है, ठीक उसी प्रकार यदि जनता कांग्रेस पार्टी से रीवा विधायक चुनती है तो जनता की हर समस्याओं को दूर करने का काम किया जाएगा। महापौर ने कहा कि अभी भी कुछ प्रशासनिक अधिकारी सत्ता के इशारे में राजनैतिक लाभ देने में लगे हुए हैं, इनको आचार संहिता का डर नहीं है। उन्होंने कहा कि आज ही समाचार पत्रों में देखने को मिला कि अधिकारी सुनवाई नहीं कर रहे और मामले लोकायुक्त तक शिकायत में पहुंच रहे हैं। इसलिए अब समय आ गया है कि बदलाव हो और जनता के खून पसीने की कमाई किसी बिल्डर या ठेकेदार को नहीं बल्कि रीवा की जनता के विकास में खर्च किया जाए। बता दें कि कांग्रेस प्रत्याशी की सभाओं में भारी भीड़ देखने को मिल रही है।

अमरपाटन थाना पुलिस ने अपहरण कर डकैती करने वाले आरोपी किये गये गिरफ्तार

पुष्पांजली टुडे

अमरपाटन। पुलिस अधीक्षक मैहर सुधीर अग्रवाल के निर्देशन , अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विक्रम सिंह कुशवाह एवं स्ठ्ह(क्क) महोदय मैहर राजीव पाठक के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी अमरपाटन निरी0 आदित्य सेन के नेतृत्व मे अपराधियो पर नकेल कसने के तारतम्य मे डकैती के आरोपी गिरफ्तार किये गये ।

संक्षिप्त विवरण:- फरियादी देवेन्द्र शुक्ला पिता स्व रामावतार शुक्ला उम्र 45 साल निवासी मौहारी कटरा द्वारा दिनांक 10.10.2023 को रात्रि करीब 11 बजे मौहारी कटरा शिव कम्प्यूटर के सामने एक इनोवा कार मे सवार 05 व्यक्तियो द्वारा उसे अपहृत कर उसके पास रखे नगदी 12000/रुपये व उसका वीबो कपंनी का मोबाईल फोन लूट लेने व फरियादी को पाल मोड के पहले वापस रीवा तरफ खुटहा गांव मे उतार देने की सूचना पर थाना अमरपाटन मे अप0क्र0 619/23 धारा 365,395 ताहि का अज्ञात आरोपियो के विरुद्ध पंजीबद्ध कर विवेचना मे लिया गया । दौरान विवेचना टोल प्लाजा एवं सायबर सेल सतना के सहयोग से मामले मे संदेही 1. अमान खान उर्फ

सेबू पिता अनवर खान 22 वर्ष निवासी मैहर 2. इमाम खान उर्फ गोलू पिता अयूब खान 27 वर्ष निवासी अमरपुर थाना इंदवार जिला उमरिया , 3. सुनील पटेल उर्फ सोढ़ी पिता वंशगोपाल उम्र 30 वर्ष (4) रोहित पटेल पिता मंगल प्रसाद पटेल उम्र 19 वर्ष, (5) महेश पटेल उर्फ सरकार पिता गणेश पटेल उम्र 24 वर्ष तीनो निवासी लखौरीबाग रीवा थाना सिटी कोतवाली को इनोबा कार सहित हाईवे खरमसेड़ा मोड अमरपाटन मे दस्तयाब कर संदेहियो से बारीकी से पूछताछ की गई जो संदेहियो द्वारा अपहरण कर लूट की घटना को स्वीकार किये । आरोपियो से मामले मे लूटे गये कुल 6000/रुपये फरियादी का लूटा हुआ मोबाईल व आरोपियो द्वारा घटना मे प्रयुक्त इनोबा कार स्क्क 15 क्क0977 जप्त कर आरोपियो को गिरफ्तार किया गया गया है । जिन्हे आज दिनांक 02.11.2023 को माननीय न्यायालय अमरपाटन मे पेश किया जायेगा ।

आरोपियो से जप्त मसरुका

(1) एक अदद इनोवा क्रमांक स्क्क15 क्क0977 कीमती 10 लाख रुपये

(2) फरियादी के लूटे हुये 6000/रुपये

(3) फरियादी का लूटा हुआ बीवो कंपनी का मोबाईल कीमती करीब 10000/रुपये

सराहनीय भूमिका-

श्री राजीव पाठक स्ठ्ह(क्क) मैहर, निरी. आदित्य सेन थाना प्रभारी अमरपाटन , उनि. आकाश बागड़े , सउनि. समरजीत कोल, प्रआर0 813 संजय सिंह, आर0 992 विमलेश यादव, आर. 896 विकाश शिवहरे , आर0 366 आशीष रावत , आर0 चालक 468 संतोष पटेल, आर सुरजीत, आर आशुतोष यादव एवं मैहर पुलिस स्टाफ से आर. अनिल सिंह ह्यस्त्रश्चश्च कार्यलय मैंहर आर संजय तिवारी...

सायबर सेल सतना उनि0 अजीत सिंह, सउनि0 दीपेश पटेल

बेला चौकी अंतर्गत ग्राम पंचायत रूहिया में एक युवक ने अपने घर में फांसी लगा ली 3 दिन तक किसी कोनहीं हुई जानकारी

पुष्पांजली टुडे

बेला। एक युवक ने घर में फांसी लगाई तीन दिन तक किसी को पता नहीं चला जब बॉडी से बदबू आने लगी जब आस पड़ोस के लोगों को जानकारी मिली तो वह बेला चौकी पुलिस को सूचना दी मौके में पहुंची बेला चौकी की पुलिस रामपुर बघेलान पीएम के लिए भेजा गया।

महीनो से जले ट्रांसफार्मर को नहीं बदला बिजली विभाग..बूंद बूंद पानी के लिए तरस रहे हैं ग्रामवासी..

पुष्पांजली टुडे

रीवा। जिले के सिरमौर तहसील अंतर्गत ग्राम बगहिया में एक महीने से ट्रांसफार्मर जला हुआ है, इसी समय खेत में पानी की आवश्यकता सहित पीने के पानी के लिए आम जनमानस हलाकान है, लेकिन मजाल क्या की बिजली विभाग वाले जले ट्रांसफार्मर को बदलने के लिए गांव की तरफ एक बार भी झांक लें, वही कुछ ही दिनों बाद विधानसभा चुनाव के लिए मतदान है, सभी दलों के प्रत्याशी अपनी

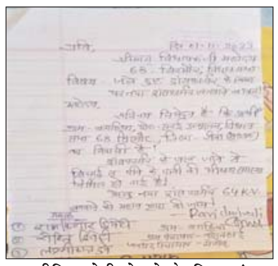

राजनीतिक रोटी सेकने के लिए गांव-गांव घर-घर पहुंचकर घोषणा और वादों की झाड़ी लगाए हुए हैं,लेकिन इन प्रत्याशियों को सिर्फ अपने वोट बैंक की राजनीति से मतलब है, ग्रामीणों की समस्याओं का कोई लेना-देना नहीं है, वही ग्रामीण अब परेशान होकर मतदान का बहिष्कार करने के लिए तैयार हैं, साथ ही गांव के अंदर किसी भी राजनीतिक दल के नेताओं का प्रवेश भी वर्जित करेंगे,ग्रामीणों द्वारा शिकायत कर जिला कलेक्टर रीवा से गुहार लगाई है, कि जल्द ट्रांसफार्मर नहीं बदला गया तो हम आने वाले विधानसभा चुनाव का बहिष्कार करेंगे।

जिला मुख्यालय मऊगंज में मध्य प्रदेश स्थापना दिवस कार्यक्रम का हुआ आयोजन

दैनिक पुष्पांजलि टुडे
पुष्पेंद्र सिंह ब्यूरो चीफ मऊगंज

मऊगंज --मध्य प्रदेश स्थापना दिवस के उपलक्ष में मऊगंज जिला मुख्यालय में पहली बार कार्यक्रम का आयोजन किया गया। विदित हो कि मऊगंज तीन माह पूर्व जिला बनाया गया जिससे जो भी आयोजन किया जा रहा हैं वह पहली बार किया जा रहे हैं। मऊगंज कलेक्टर कार्यालय में मध्य प्रदेश स्थापना दिवस के कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें सर्वप्रथम ध्वजारोहण का कार्यक्रम आयोजित हुआ ।कलेक्टर मऊगंज अजय श्रीवास्तव ने ध्वजारोहण कर झंडे को सलामी दी। तत्पश्चात कलेक्टर कार्यालय में उपस्थित अधिकारियों एवं गणमान्य नागरिकों को संबोधित करते हुए कलेक्टर अजय श्रीवास्तव ने कहा कि मध्य प्रदेश का गठन 1 नवंबर 1956 को किया गया। लगातार मध्य प्रदेश में जिले बनते गए और विकास की गति तेजी से बढ़ती गई। मऊगंज जिले में पहली बार मध्य प्रदेश स्थापना दिवस के आयोजन होने पर मऊगंज जिला वासियों को बधाई दी और कहा कि मऊगंज जिले में असीमित संसाधन और पर्यटन की संभावनाएं मौजूद हैं जिसके दिशा में तेजी से काम किया जा रहा है उन्होंने नए जिले को लेकर कहा कि आपके जिले में कई ऐसे पुरातात्विक धरोहर एवं खनिज सम्पदा मौजूद हैं जिनका शायद इस जिले के लोगों को पता नहीं है लेकिन उस पर बहुत तेजी से काम किया जा रहा है वही मऊगंज जिले में पर्यटन की असीम संभावनाएं विद्यमान है। उपस्थित लोगों को कलेक्टर अजय श्रीवास्तव ने मतदान के सत प्रतिशत मतदान को लेकर शपथ दिलाई। पुलिस अधीक्षक मऊगंज वीरेंद्र जैन ने भी संबोधित किया और उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि पुलिस विभाग की तरफ से मैं इस पूरे जिले के लोगों को बधाई देता हूं कि आज मऊगंज जिले में मध्य प्रदेश स्थापना दिवस कार्यक्रम का आयोजन हो रहा है उन्होंने अपनी तरफ से एवं पुलिस विभाग की तरफ से मऊगंज जिले के लोगों को बहुत-बहुत बधाई दी ।कार्यक्रम में रंगारंग कार्यक्रम का आयोजन हुआ जिसमें सीएम राइज विद्यालय मऊगंज की छात्राओं द्वारा हे स्वर की देवी मां वाणी में मधुरता देना, मैं गीत सुनाती हूं संगीत की शिक्षा देना। गीत गाकर मन मोह लिया। वही शासकीय शहीद केदारनाथ महाविद्यालय मऊगंज की छात्राओं ने आशाओं का दीप जलाता अपना मध्य प्रदेश, यहां राम के चरण पड़े थे धन्य है हमारा मध्य प्रदेश ,जैसे गीत प्रस्तुत की । कार्यक्रम में प्रमुख रूप से कलेक्टर मऊगंज अजय श्रीवास्तव, पुलिस अधीक्षक वीरेंद्र जैन ,डिप्टी कलेक्टर अशोक कुमार ओहरी, डिप्टी कलेक्टर रश्मि चतुर्वेदी, एसडीएम बृजेंद्र पांडेय, तहसीलदार शौरभ मरावी मऊगंज, भोलानाथ उपाध्याय प्राचार्य सीएम राइस विद्यालय मऊगंज, बीओ शत्रुघ्न मिश्रा, महेश पटेल मुख्य नगर पालिका अधिकारी मऊगंज, केशव प्रसाद मिश्रा सहित तमाम गणमान्य लोग उपस्थित रहे

सहजयोग धर्म, सत्य व आनंद का मार्ग प्रशस्त करता है

सहजयोग एक ऐसी सुंदर ध्यान पद्धति है। जो हमें हमारे सनातन, प्राचीन महान भारतीय संस्कृति से पुनः एकबार परिचित कराती है। आज हम देख रहे हैं कि कलियुग अपनी चरम सीमा पर है। जीवन के सभी क्षेत्रों में असंतुलन, निराशा, वैमनस्य फैला हुआ है। सभी लोगों के मन में चित्त में भ्रांति फैली हुई है, सर्वत्र अंधकार छाया हुआ है। इस संपूर्ण नकारात्मकताओं के बीच सहज- योग एक प्रखर चाँदनी की तरह, ध्रुव तारे के समान, समाज में पुनः एक बार फिर धर्म की, सत्य की, आनंद और प्रसन्नता की नींव का रोपण कर रहा है। प. पू. श्रीमाताजी कहते हैं, सहजयोग में जो सूक्ष्म ज्ञान हम आपको दे रहे हैं यह ज्ञान हमारी भारतीय संस्कृति की नींव रही है। प.पू. श्रीमाताजी कहते हैं कि ये सनातन ज्ञान केवल ऋषियों, मुनियों या मनीषियों को ही प्राप्त नहीं हुआ बल्कि आधुनिक विज्ञान के शास्त्रज्ञ आईनस्टाइन ने भी इस ज्ञान के बारे में बताया था। वे कहते थे कि जो भी शुद्ध ज्ञान आपको प्राप्त होता है वह ज्ञान आपको आपके टॉर्शन एरिया (सहस्त्रार) से प्राप्त होता है वह ज्ञान प्राप्त करने के लिये आपको मन और बुद्धि से परे जाना पड़ेगा । हमारे रोजमर्रा के जीवन में हम जो भी काम करते हैं, वह हम हमारी बुद्धि से करते हैं, हमारी सीमित बुद्धि उस असीमित शक्ति का आंकलन नहीं कर सकती। प.पू.श्री माताजी कहते हैं, अगर आपको अपनी बुद्धि से परे जाने की कला सीखनी है, तो हमें हमारा आत्मसाक्षात्कार प्राप्त करना होगा। हमें हमारे टॉर्शन एरिया यानि कि सहस्त्रार चक्र को नियमित ध्यान से पोषित, पल्लवित करना होगा, तभी हम हमारी सनातन संस्कृति में वर्णित इस शुद्ध ज्ञान को जान पायेंगे। इस ज्ञान को पूर्व काल में एक सदगुरु केवल एक शिष्य को ही दे सकते थे। आधुनिक काल में मातृशक्ति प्रस्फुटित हुई और आज हज़ारों लोगों को एक साथ यह आत्मानंद देने वाला आत्मसाक्षात्कार प्राप्त होने लगा। अधिक जानकारी के लिए टोल फ्री नंबर 18002700800 पर कॉल कर सकते हैं या वेबसाइट पर देख सकते हैं।

एकाधिकार के खिलाफ लडाई में जनता हमारे साथ - शशांक सक्सेना

सीहोर। यह चुनाव अमीर और गरीब के बीच का चुनाव है। एक तरफ आम जनता है तो दूसरी और पूंजीवादी ताकतें हैं जो ऐन केन प्रकरण सत्ता पर काबिज होना चाहती है। बीते दस सालों से यहां पर एक ही परिवार का एकाधिकार बढता जा रहा है। आमजन मंहगाई, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार से त्रस्त है लेकिन भाजपा के जनप्रतिनिधियों की सम्पत्तियां बढ रही हैं। लोग आर्थिक संकट से जूझ रहे हैं। यह बात गुरूवार को जनसंपर्क के दौरान सीहोर विधानसभा क्षेत्र के कांग्रेस प्रत्याशी शशांक सक्सेना ने लोगों से कही। नगर में जनसंपर्क के दौरान श्री सक्सेना लोगों से सीधे संवाद कर रहे हैं और भाजपा सरकार की खामियों को जनता के सामने रख रहे हैं। केन्द्र, प्रदेश और निकायों में भाजपा सरकार होने के बाद भी सीहोर विधानसभ में कभी विकास कार्य नहीं हुए। मेडिकल कालेज बुधनी में बनाया जा रहा है जबकि यह सीहोर मुख्यालय पर बनना था। भाजपा के नेता झूठ बोलना जानते हैं झूठे वादे करना जानते हैं। रेल इंजन कारखाने का भूमिपूजन दस साल पहले सीएम शिवराज सिंह चौहान ने किया था आज तक नहीं बना। उन्होंने कस्बा क्षेत्र के वार्ड 29,30,34,35 में डोर टू डोर जनसंपर्क किया।

ट्रेन रूकवाना नहीं चाहते-कांग्रेस प्रत्याशी शशांक सक्सेना ने कहा कि भाजपा के जनप्रतिनिधि विकास का राग अलापते हैं, स्मार्ट सिटी बनाने की वादे करते हैं हकीकत यह है कि बीते दस वर्षों में सीहोर पिछडता ही जा रहा है। मुख्यालय पर आज हाल यह हैं कि महत्वपूर्ण ट्रेन नहीं रूकती, लोग मंहगे सफर को मजबूर हैं। पर इन्हें क्या यह पूंजीपती लोग है। इन्हें अपने व्यापार से मतलब। कहा कि जनता अब ऐसे स्वार्थी लोगों को नकार चुकी है। कांग्रेस की सरकार बनने पर ऐसे लोगों को एकाधिकार समाप्त हो जाएगा। जनता का राज कायम होगा। विभागों में काम करवाने के लिए जनता को भटकना नहीं पडेगा। कमलनाथ एक दूरदृष्टि रखने वाले नेता हैं, उनके नेतृत्व में प्रदेश समृद्ध और खुशहाल होगा।

आदर्श आचरण संहिता और निर्वाचन आयोग के निर्देशों का पालन करें

प्रेक्षकों की उपस्थिति में सतना, मैहर, रैगांव, नागौद के अभ्यर्थियों की बैठक संपन्न

पुष्पांजलि टुडे
राजेश कुमार तिवारी
ब्यूरो चीफ सतना

सतना विधानसभा आम निर्वाचन 2023 के लिए भारत निर्वाचन आयोग द्वारा नियुक्त सामान्य प्रेक्षक की उपस्थिति में संबंधित रिटर्निंग ऑफीसर्स ने कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में विधानसभावार सतना, मैहर, नागौद और रैगांव विधानसभा चुनाव लड़ने वाले सभी अभ्यर्थियों एवं उनके निर्वाचक अभिकर्ताओं की परिचयात्मक बैठक लेकर उन्हें भारत निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों, आदर्श आचार संहिता और व्यय लेखा संधारण संबंधी जानकारियां विस्तारपूर्वक दी। बैठक में सभी अभ्यर्थियों से भारत निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों और आदर्श आचार संहिता का कड़ाई से पालन करने की अपील की गई। इस मौके पर रैगांव और नागौद के लिये नियुक्त सामान्य प्रेक्षक श्री राम केवल, सतना के लिये नियुक्त डॉ एम हरि जवाहर लाल और विधानसभा मैहर के लिये नियुक्त सामान्य प्रेक्षक श्रीमती अंजना एम सहित रिटर्निंग ऑफीसर नीरज खरे, एसके गुप्ता, एपी द्विवेदी, सुरेश जादव तथा सहायक रिटर्निंग ऑफीसर भी उपस्थित रहे। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा नियुक्त सामान्य प्रेक्षक ने अपने-अपने मोबाइल नंबर तथा निर्वाचन के शिकायत प्रकोष्ठ, डीसीसी, सी-विजिल की जानकारी अभ्यर्थियों को उपलब्ध कराते हुए किसी शिकायत एवं समस्या के लिए संपर्क करने की सलाह दी। प्रेक्षकों ने कहा कि पूरी निर्वाचन प्रक्रिया में प्रेक्षक भारत निर्वाचन आयोग के आंख और कान की भूमिका में रहेंगे और हर गतिविधि पर अपनी नजर बनाए रखेंगे। आदर्श आचार संहिता और भारत निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों का उल्लंघन कदापि नहीं करें। रिटर्निंग ऑफीसरों ने बताया कि निर्वाचन की घोषणा के साथ ही जिले में आदर्श आचरण संहिता को प्रभावी रूप से क्रियान्वित करने पूरे जिले में धारा 144 के तहत प्रतिबंधात्मक आदेश लागू है। इस दौरान जिले में जो भी राजनैतिक गतिविधियां हो वह भारत निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों के दायरे में होनी चाहिए। उल्लंघन पर कार्यवाही की जाएगी। सभी अभ्यर्थी अपना व्यय लेखा सही तरीके से तैयार करें और मतदान अवधि तक तीन बार रोस्टर की तिथि के अनुसार रिटर्निंग ऑफिसर के पास प्रस्तुत कर अवलोकन कराएं। उन्होंने कहा कि प्रचार वाहन, लाउड स्पीकर, सभा इत्यादि की विधिवत सक्षम प्राधिकारी से पूर्व अनुमति लें और वाहन की अनुमति की मूल प्रति विंडस्क्रीन पर चस्पा करें। उन्होंने बताया कि प्रत्येक अभ्यर्थी या उसके एजेंट को निर्धारित रोस्टर अनुसार व्यय लेखा मतदान होने तक की अवधि में तीन बार रिटर्निंग ऑफिसर को अवलोकन कराना होगा। इसी प्रकार परिणाम घोषित होने के बाद 30 दिवस के भीतर निर्वाचन व्यय लेखा निर्वाचन कार्यालय में जमा करना होगा। इसी प्रकार अपराधिक पृष्ठभूमि वाले अभ्यर्थी अपने ऊपर चल रहे प्रकरणों के बारे में मतदान होने की तिथि तक तीन बार सर्वाधिक प्रचलित संख्या वाले समाचार पत्र और इलेक्ट्रॉनिक चैनल में प्रकाशन, प्रसारण सुनिश्चित कराएंगे और उसकी प्रकाशित प्रति सीडी रिटर्निंग ऑफिसर को प्रस्तुत करेंगे। अभ्यर्थियों को बताया गया कि इलेक्ट्रॉनिक और सोशल मीडिया में किसी प्रकार का विज्ञापन देने से पहले उसका प्रमाणन निर्धारित प्रारुप में आवेदन कर एमसीएमसी से प्राप्त करना होगा। इसी प्रकार मतदान समाप्ति के 48 घंटे पूर्व प्रकाशित होने वाली प्रिंट मीडिया के विज्ञापन और अपील का भी एमसीएमसी से प्रमाणन कराना अनिवार्य होगा। सहायक व्यय लेखा प्रेक्षक एवं नोडल अधिकारी व्यय देवेंद्र द्विवेदी ने अभ्यर्थियों को निर्वाचन व्यय लेखा संधारित करने का प्रशिक्षण दिया।

अवैध मादक पदार्थ गांजा के 175 नग हरे पौधों के साथ आरोपी गिरफ्तार

श्रीमान पुलिस अधीक्षक महोदय,अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक महोदय के निर्देशन एंव एसडीओपी नागौद के मार्गदर्शन में थाना जसो पुलिस की कार्यवाही

दिनांक 01/11/23 को विश्वसनीय मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई की ग्राम कोरदरा में एक व्यक्ति अपने घर के पीछे अरहर के खेत में अवैध रुप से गांजा के पौधे लगाये हुए है मुखबिर की सूचना पर हमराह स्टाफ तत्काल रवाना हो ग्राम कोरदरा पहुचे । घटना स्थल रोड से दूर होन पर वाहन खडा कर रोड न होने से पगडडियों व खेतो से होते हुए बताये गये स्थान पर पहुचें ,बताये गये स्थान पर पहुचते ही हुलिया अनुसार एक व्यक्ति घर के पीछे अरहर में दस्तयाब हुआ जिसस नाम पता पूछा तो अपना नाम रामनरेश कोल बताया । बताये गये स्थान पर रेड कार्यवाही की गई जो दौरान रेड कार्यवाही के 175 नग छोटे बडे हरे पौधे अवैध मादक पदार्थ गांजा के बजनी 38 किलो 250 ग्राम कीमती 380000/- रुपये मिले । मामला धारा 8/20 ए एनडीपीएस एक्ट का दण्डनीय पाये जाने से आरोपी को गिरफ्तार कर एनडीपीएस एक्ट के तहत अपराध कायम कर विवेचना में लिया गया ।

जप्त मशरूका- कुल 175 नग हरे गांजा के पौधे बजनी 38 किलो 250 ग्राम कीमती 380000/ रुपये।

गिरफ्तार आरोपी का नाम पता- रामनरेश कोल पिता रमेश कोल उम्र 19 साल निवासी कोरदरा थाना जसो ।

सराहनीय भूमिका - उनि.के.एन. मिश्रा, सउनि प्रहलाद कुशवाहा ,प्रआर संतकुमार प्रजापति ,संजय सिंह ,आर् सतीष पटेल ,संजय यावद, पुष्पेन्द्र नट, राहुल द्विवेदी का सराहनीय योगदान रहा ।

अवैध शराब की फैक्ट्री से बड़ी मात्रा में कच्ची देशी शराब बरामद

दैनिक पुष्पांजली टुडे

गोहद (भिण्ड)। पुलिस अधीक्षक भिण्ड डॉ. असित यादव एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संजीव पाठक के निर्देशन में अवैध शराब एवं अवैध मादक पदार्थ के विरूद्ध प्रभावी कार्यवाही करने हेतु मुखबिर तन्त्र विकसित करने के लिये निर्देशित किया गया था।इसी क्रम में अनुविभागीय अधिकारी गोहद सोरभ कुमार के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी एण्डोरी उपनिरीक्षक हरजेन्द्र चौहान को मुखबिर द्वारा सूचना प्राप्त हुई कि ग्राम कंचनपुर में अवैध शराब की फैक्ट्री चल रही है। उक्त सूचना के सम्बन्ध में थाना प्रभारी द्वारा वरिष्ठ अधिकारियों को सूचित किया उक्त निर्देशों के पालन में थाना प्रभारी एण्डोरी द्वारा एक पुलिस टीम बनाकर मुखबिर द्वारा बताये गये स्थान ग्राम कंचनपुर में जाकर देखा तो तीन व्यक्ति एक खेत में शराब की भट्टी लगाकर अवैध कच्ची शराब बना रहे थें पुलिस टीम द्वारा अवैध शराब की फैक्ट्री पकड़ी गयी तथा बना रहे 03 व्यक्ति खेतों में खडी धान की फसल का फायदा उठाकर भागने में सफल हो गए उसके बाद भट्टियों की आग बुझाई गई तथा लोहे के ड्रम तथा प्लास्टिक की कैन से कुल 140 लीटर कच्ची देशी शराब जप्त की गई। उक्त सम्बन्ध में थाना एण्डोरी में अपराध 153 / 23 धारा 34(2).34 (1)एफ.34 (1) ए आवकारी एक्ट कायम किया गया है ।

बरामद मशरुका- अवैध देशी कच्ची शराब 140 लीटर,तीन प्लास्टिक कैन,तीन लोहे के ड्रम,शराब बनाने की अन्य साम्रगी ।

सराहनीय भूमिका-थाना प्रभारी एण्डोरी उपनिरीक्षक हरजेन्द्र चौहान,सउनि. राजेन्द्र डंडोतिया, आरक्षक नारायण, दिनेश,प्रदीप,ज्ञान सिहं,सुनील शर्मा की महत्वपूर्ण भूमिका रही है ।

गोहद विधानसभा क्षेत्र में पुन: कमल खिलाएं : लाल सिंह आर्य

दैनिक पुष्पांजली टुडे

गोहद । गोहद विधानसभा क्षेत्र से भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री लाल सिंह आर्य ने जनसंपर्क कार्यक्रम के तहत विधानसभा क्षेत्र के ग्रामीण एवं शहरी अंचलों में पहुंचकर 17 नवंबर को होने जा चुनावी महासमर में भाजपा को जिताने एवं गोहद से भाजपा का कमल खिलाने के लिए सर्व समाज के मतदाताओं के बीच पहुंचकर जनसंपर्क किया।इस अवसर पर श्री आर्य ने कहा कि जब-जब आपने मुझे गोहद क्षेत्र की जिम्मेदारी दी तो मैंने हजारों करोड़ के विकास कार्य कराकर इस गोहद क्षेत्र का सर्वांगीण विकास किया। देश के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी एवं मप्र के मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान के नेतृत्व में आज गरीब कल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से प्रदेश की जनता को लाभ मिल रहा है। आने वाले चुनाव में आप प्रत्येक पोलिंग बूथ पर भारतीय जनता पार्टी का कमल खिलाकर भाजपा को आशीर्वाद प्रदान करें और प्रदेश में भाजपा की पुनः सरकार बनें। इस दौरान जिला पंचायत अध्यक्ष श्री कामना सिंह भदौरिया, महिला मोर्चा की प्रदेश कर समिति सदस्य श्रीमती सुमन तोमर, पूर्व सरपंच एवं मंडल अध्यक्ष श्री दीपक सिंह तोमर, पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ लोधेकीपाली, चंदोखर, रामपाल का पूरा लोहरी का पूरा, चक्र चंदोखर, चंद्रभान का पुरा में संपर्क किया।

4 वर्ष से हत्या के आरोप में फरार ?5000 का इनामी स्थाई वारंटी को गिरफ्तार किया

राकेश परिहार पिछोर
9691338626

पिछोर,> पुलिस अधीक्षक शिवपुरी रघुवंश सिंह भदोरिया एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शिवपुरी संजीव मूले के निर्देशन में एवं एसडीओपी पिछोर प्रशांत शर्मा के मार्गदर्शन में आगामी विधानसभा चुनाव को देखते हुए पुलिस अधीक्षक द्वारा फरार अपराधियों की धरपकड़ हेतु निर्देशित किया था थाना पिछोर के अपराध क्रमांक 461/19 धारा 302 ,452,323,324,326,294,506,449,34 भादवि मे आरोपी जगदेव पुत्र परमानंद लोधी निवासी ग्राम पनिहारी चौकी हिम्मतपुर थाना पिछोर का फरार चल रहा था जिसकी गिरफ्तारी हेतु 5000 रू, का इनाम घोषित किया गया था उक्त आरोपी न्यायालय के क्रमां 46/20 मे स्थाई वारंटी था आज दिनांक 01/11/23 को मुखबीर द्वारा सूचना प्राप्त हुई की फराह आरोपी जगदेव लोदी माता टीला डैम तरफ गया हुआ है जिस पर थाना प्रभारी पिछोर शिव सिंह यादव द्वारा उप निरीक्षक विनोद यादव चौकी प्रभारी हिम्मतपुर को मय फोर्स रवाना किया गया तो जीरो पोइंट माताटीला पर मुखबिर के बताएं होलिय का एक व्यक्ति मिला जिसका नाम पता पूछा तो अपना नाम जगदेव लोधी पुत्र परमानंद लोधी उम्र 25 साल निवासी ग्राम पनिहारी थाना पिछोर का होना बताया जिस विधिवत गिरफ्तार किया गया उक्त आरोपी को माननीय न्यायालय पेश किया जावेगा

उक्त कार्रवाही में थाना प्रभारी पिछोर शिव सिंह यादव चौकी प्रभारी हिम्मतपुर उप निरीक्षक विनोद यादव , जितेंद्र सिंह यादव, चालक अनिल यादव, की सराहनीय भूमिका रही है

आपका आशीर्वाद ही क्षेत्र के विकास का रास्ता चुनेगा : राकेश शुक्ला

दैनिक पुष्पांजली टुडे

भिण्ड। मैं आप के सुख दुख के बीच ढाल बनकर हमेशा खड़ा रहूंगा, आपका आशीर्वाद ही क्षेत्र के विकास का रास्ता चुनेगा। यही संकल्प हमारे संगठन का है। हर बूथ केंद्र पर प्रचंड बहुमत के साथ भारतीय जनता पार्टी को जिताना है और प्रदेश में भाजपा की सरकार बनाने में आप सब की महत्वपूर्ण भूमिका होगी। उक्त बात गुरूवार को मेहगांव विधानसभा के पार्टी प्रत्याशी श्री राकेश शुक्ला ने जनसंपर्क के दौरान कही। श्री शुक्ला ने जनसंपर्क कार्यक्रम के तहत कोट पढोरा, परसाला तुला का पूरा, बहादुरपुर, भगेली पिसेने का पुरा मेहदा घाट, बिछैली, गोराई, रघु का पूरा रुरुआ में पहुंचकर जनसंपर्क किया। इस अवसर पर उनके साथ नगरीय प्रशासन एवं आवास राज्य मंत्री ओपीएस भदौरिया, किसान मोर्चा के प्रदेश उपाध्यक्ष श्री राजेंद्र सिंह गुर्जर उपस्थित थे।

ताहिर अली बने अल्पसंख्यक मोर्चा के विधानसभा प्रभारी...

बैरसिया।आगामी विधानसभा चुनाव को देखते हुए भारतीय जनता पार्टी द्वारा समस्त विधानसभाओं में मोर्चा के विधानसभा प्रभारी नियुक्त किए गए हैं इसी तारतम्य में भोपाल जिला ग्रामीण की हुजूर विधानसभा से अल्पसंख्यक मोर्चा के पूर्व जिला अध्यक्ष एवं प्रदेश कार्यसमिति सदस्य ताहिर अली को हुजूर विधानसभा के ग्रामीण विधानसभा प्रभारी के रूप में नियुक्त किया गया साथ ही भोपाल ग्रामीण के बैरसिया विधानसभा से बबलू भाई सरपंच ग्राम पंचायत ललरिया को विधानसभा प्रभारी के रुप में नियुक्त किया गया है नियुक्ति के साथ ही भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेताओं ने इन पर विश्वास जताते हुए पार्टी के हित में कार्य करने हेतु एवं प्रचार प्रसार हेतु इन पर जिम्मेदारी सौंपी ह

कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी जिला शिवपुरी द्वारा पुलिस अधीक्षक जिला शिवपुरी की अनुशंसा पर

राकेश परिहार पिछोर
9691338626

पिछोर, दिनांक 02.11.2023 को जिले के निम्नलिखित 03 अपराधी को जिलाबदर एवं 2 थाना अटैच किये जाने का आदेश पारित किया ङ्क

1.अखिलेश पुत्र प्रागीलाल दुबे उम्र 40 साल निवासी ग्राम हिम्मितपुर थाना पिछोर जिला शिवपुरी ङ्क 03 माह थाना अटैच ।

2.आकाश उर्फ अंकित उर्फ छोटू पुत्र पवन दुबे उम्र 24 साल निवासी ग्राम हिम्मतपुर थाना पिछोर जिला शिवपुरी ङ्क 03 माह थाना अटैच

3.दिनेश पुत्र लक्खूराम जाटव उम्र 50 साल ग्राम कनाखेडी थाना पोहरी जिला शिवपुरी ङ्क 03 माह जिलाबदर

4.मातादीन पुत्र लक्ष्मण यादव उम्र 38 साल निवासी गोरा थाना दिनारा परगना करैरा जिला शिवपुरी ङ्क 03 माह जिलाबदर।

5.उम्मेद पुत्र कैलाश धाकड उम्र 49 साल निवासी ग्राम दीघौदी थाना तेन्दुआ जिला शिवपुरी 03 माह जिलाबदर ।

राम कृष्ण ने बहुत समझाया, मैं भी लगातार समझा रहा हूं, नहीं समझ में आएगा तो विनाश अवश्यंभावी है

पूरा विश्व विनाश के कगार पर है खड़ा: सन्त बाबा उमाकान्त जी महाराज

उज्जैन (मध्य प्रदेश)इस युग के महापुरुष जो विनाश को टालने के लिए बराबर समझा रहे हैं, बचने के सरल उपाय भी बता रहे हैं, और बात न मानने पर होने वाले भारी संहार की चेतावनी भी दे रहे हैं, ऐसे पूरे समरथ सन्त सतगुरु, त्रिकालदर्शी, दुःखहर्ता, उज्जैन वाले बाबा उमाकान्त जी महाराज ने 28 अक्टूबर 2023 प्रात- उज्जैन आश्रम में दिए व अधिकृत यूट्यूब चैनल जयगुरुदेवयूकेएम पर लाइव प्रसारित संदेश में बताया कि इस समय विश्व विनाश के कगार पर, बर्बादी हो जाने की तरफ खड़ा हुआ है। दूसरों को नुकसान पहुंचाने के लिए जो बारूद इकट्ठा किया, अब वहीं बारुद उसके लिए नुकसान बन रहा है। विस्फोट होने वाले बारूद के ढेर पर कोई खड़ा हो जाए और अगर आग लग जाए तो समझो विनाश, खत्म हो गया। आदमी अपने ही पैर पर कुल्हाड़ी मारता चला जा रहा है। दूसरे के लिए कर रहा है कि इनका नुकसान हो, हमारा नाम हो लेकिन अब सब के ऊपर संकट आने लग गया। अब तो यहां न कम रघुवर न कम कन्हैया। कोई किसी से कम नहीं रह गया। देश के विकास, गरीबों के रोजी-रोटी में खर्च करने का पैसा अब गोला-बारूद, बंदूक की गोली बनाने पर खर्च कर रहे हैं।

धीरे-धीरे विनाश अवश्यंभावी हो रहा-देखो कितना समझाया, बताया जाए। जब नहीं मानेंगे फिर तो यह होना ही होना है। कृष्ण ने कौरवों को बहुत समझाया। जब नहीं माने तब महाभारत हुआ ही। कई अक्षौहिणी सेना खत्म हो गई। राम ने रावण को बहुत समझाया। जब उसके समझ में नहीं आता तब- एक लाख पूत सवा लाख नाती, ता रावण घर दिया न बाती। खत्म।

शराब और मांस के कारण विश्व बारूद के ढेर पर है खड़ा-उनको राक्षस क्यों कहा गया मनुष्य जैसा काम, व्यवहार नहीं करते थे इसलिए वो राक्षस कहलाए। वो थे तो मनुष्य, आदमी लेकिन उनका खान-पान खराब था। मुर्गा, भैंसा, बकरा सब खा जाते थे। सीधे-सीधे निकल जाते थे, पकाते भी नहीं थे, खा जाते थे। दारु, शराब जो बुद्धि को खराब करता है, उसको पीते थे और जब होश में नहीं रह जाते थे तो अपने-पराए की, मां बहन बेटी की पहचान खत्म हो जाती थी। तो फिर वह भगवान् के बनाये नियम के खिलाफ काम करते थे। इसलिए राक्षस कहलाये। उनके समझ में कहां से आएगा। कहावत है- भैंस के आगे बीन बजाय, भैंस खड़ी पगुराए। भैंस को कोई पता रहता है कि बीन बज रही है या ढोलक। अगर अब (समझाने का) असर नहीं पड़ेगा तो विनाश अवश्यंभावी हो जाएगा, विनाश हो ही जाएगा।

बहुत से देशों में युद्ध की अंदर ही अंदर तैयारी चल रही है-जहां युद्ध चल रहा है और कहां-कहां सब आपस में लड़ रहे हैं। कुछ जगह अंदर ही अंदर तैयारीयां चल रही हैं कि हम उनकी मदद करेंगे, हम इनकी तरफ से लड़ेंगे, यह हमारे गुट के हैं, हमारा नाम हो जाएगा। इस तरह का सब चल रहा है। जहां लड़ाइयां हो गई हैं, दूसरे लोग मदद कर भी रहे हैं। देखो हम और आप आमने-सामने बैठे हैं। बीच में अगर बहुत गहरी नाली, खंदक खोद दी जाए तब आप कहो कि हमको कोई चीज दे दो तो कैसे दे पाओगे? देख रहे हैं एक-दूसरे को, देखते हैं लेकिन मुलाकात नहीं हो सकती। तकलीफ में हो, गिर गए हो, चोट लग गई, परेशानी हो गई लेकिन मदद नहीं हो सकती, ऐसी स्थिति आ जाती है। ऐसे स्थिति न आवे इसके लिए प्रभु से प्रार्थना करना है। इस समय पर जो महसूस कर रहे हो, जितना भी महसूस कर रहे हो, यह समझो कि अच्छा ही समय है। अच्छे समय में अच्छी बातों को सोचो, लोगों को अच्छी बातों को बताओ, उस प्रभु अच्छे को प्राप्त करो इसलिए प्रेमियों यह मनुष्य शरीर मिला है। लाभ और मान क्यों चाहे, पड़ेगा फिर तुझे देना। यह देना पड़ता है।

जीवन की आखरी सांस तक जनसेवा करता रहूॅंगा :विधायक डॉ. सिकरवार

महापौर और पूर्व विधायक ने भी किया जनसंपर्क

दैनिक पुष्पांजली टुडे

ग्वालियर। हमारा लक्ष्य क्षेत्र के विकास व प्रगति को शिखर तक पहुॅंचाना है। क्षेत्र की जनता को मूलभूत सुविधायें जैसे सड़क, सीवर, स्ट्रीट लाईट, स्वच्छ पेयजल मिले यही प्रयास रहा है और इस प्रयास में सफल भी रहा हूॅं। यह बात ग्वालियर पूर्व विधानसभा से कांग्रेस प्रत्याशी एवं विधायक डॉ. सतीश सिकरवार ने जनसंपर्क के दौरान आमजनों के बीच कही। आज शहर जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष डॉ. देवेन्द्र शर्मा और कांग्रेस प्रत्याशी एवं विधायक डॉ. सतीश सिकरवार ने सैकड़ो कांग्रेस कार्यकर्ताओं के साथ 16 ग्वालियर पूर्व विधानसभा के वार्ड क्रमांक 59 के कोठी गांव, आशाराम बापू आश्रम के पीछे का क्षेत्र एवं वार्ड क्रमांक 21 के नारायण विहार कॉलोनी से जनसंपर्क प्रारम्भ कर मुरारी गोदाम और आस-पास की विभिन्न गलियों में घर-घर पहुॅंच कर जनता से सीधा संवाद किया। इसके साथ ही महापौर डॉ. शोभा सतीश सिकरवार ने वार्ड क्रमांक 28 में अम्बेडकर नगर, शिव नगर, परिहार मौहल्ला में और पूर्व विधायक सत्यपाल सिंह सिकरवार ने वार्ड क्रमांक 19 की विभिन्न गलियों में और इसी क्रम में सत्यप्रकाश सिंह सिकरवार एवं आदित्य सतीश सिकरवार ने कांग्रेस कार्यकर्ताओं के साथ ग्वालियर पूर्व के अन्य क्षेत्रों में घर-घर जाकर जनसंपर्क किया। जनसंपर्क के दौरान विधायक डॉ. सतीश सिकरवार ने आमजनों से चर्चा करते हुये कहा कि कांग्रेस पार्टी विकास करती है और दूसरी पार्टी के लोग झूठ-फरेब एवं भ्रम फैलाने की राजनीति करते हैं। आज इस बात की आवश्यकता है कि ऐसी पार्टी और उनके नेताओं से सावधान रहें। जो महंगाई, बैरोजगारी और भ्रष्?टाचार के लिये जिम्मेदार है, एक तरफ गरीब, आदिवासी वर्ग पर अत्याचार करते है और फिर घड़ियाली आंसू बहाते हैं। विधायक डॉ. सिकरवार ने कहा कि आपकी सेवा के लिये जीवन की आखरी सांस तक जनसेवा करता रहूॅंगा, यही मेरा संकल्प है। उन्होंने कहा कि मेरी जनता का जहां पसीना बहेगा मैं वहां अपना खून बहाने से पीछे नहीं हटूंगा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की सरकार बनने जा रही है, चौतरफा कांग्रेस की लहर है। आम आदमी कांग्रेस के साथ खड़ा है। जनसंपर्क में जिला संगठन मंत्री सुरेंद्र यादव, ब्लॉक अध्यक्ष देवेन्द्र चौहान, महादेव अपोरिया, हितेन्द्र यादव, अनूप शिवहरे, पार्षद श्रीमती गायत्री सुधीर मण्डेलिया, राष्ट्रीय सचिव युवक कांग्रेस हेवरन कंसाना, एम.आई.सी. सदस्य अवधेश कौरव, साहब सिंह बघेल, सुधीर मण्डेलिया, महेंद्र शर्मा 'विक्की', लालता प्रसाद मिश्रा, रामवीर सिंह गुर्जर, केशव शर्मा, आविद नकवी, जबर सिंह गुर्जर, रमेश झा, मनीषा शर्मा, पंचम सिंह भदौरिया, राजवीर सिंह सिसोदिया, मनोज वर्मा, मंथन सिंह, मुन्नी बाई, किरण कश्यप, पुष्पा चौधरी, अनीता सुमब्बे, संतोष वर्मा, जीतू मौर्य, कमलेश रोजिया, अशोक सुमन, देवानंद ऐसवार, प्रीति शर्मा, पप्पू पंडित, महेंद्र शर्मा, सुनीता आदिवासी, सुरेश वाजपेई, सीलेश जाटव, राजू बाथम आदि मौजूद रहे।

सायबर सेल ग्वालियर ने दो माह में खोजे 35 लाख 48 हजार रूपये कीमत के 151 मोबाइल

ग्वालियर पुलिस ने दीपावली के पावन पर्व पर आवेदकों को दिया उपहार, लौटाये उनके गुम मोबाइल, आवेदको के चेहरों पर लौटी मुस्कान

दैनिक पुष्पांजली टुडे

ग्वालियर।पुलिस अधीक्षक ग्वालियर श्री राजेश सिंह चंदेल,भापुसे को प्रतिदिन मोबाइल गुम होने के संबंध आवेदन प्राप्त हो रहे है। जिस पर से पुलिस अधीक्षक ग्वालियर द्वाराअतिरिक्त पुलिस अ धी क्ष क शहर(पूर्व/अपराध/यातायात) श्री ऋषिकेश मीणा,भापुसे को उक्त मोबाइलों को सायबर सेल ग्वालियर की टीम से टेऊस कराकर उनकी शीघ्र बरामदगी कराने हेतु निर्देशित किया गया।वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशो के परिपालन में सीएसपी लश्कर/डीएसपी अपराध श्री षियाज़.के.एम.,भापुसे, डीएसपी अपराध द्वितीय श्री नागेन्द्र सिंह सिकरवार के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी अपराध शाखा निरी0 श्री अमर सिंह सिकरवार एवं प्रभारी सायबर सेल उनि0 श्रीमती रजनी सिंह रघुवंशी* द्वारा मोबाइल गुम होने संबधी प्राप्त आवेदनों पर त्वरित कार्यवाही करने हेतु सायबर सेल की टीम को लगाया गया। सायबर सेल टीम द्वारा उक्त आवेदनों पर सत्त कार्यवाही करते हुये विभिन्न कम्पनियों के 151 मोबाइलों को टेऊस कर बरामद किया गया। सायबर सेल की टीम ने माह सितम्बर-अक्टूबर 2023 में लगभग 35 लाख 48 हजार रूपये कीमत के 151 मोबाइल बरामद किये जो कि एप्पल, ओपो, वनप्लस,द्ध सेमसंग, वीवो, टेक्नो, रेडमी, रीयलमी, एमआई आदि कंपनियों के है। उक्त मोबाइलों को ग्वालियर पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों व सायबर सेल की टीम द्वारा मोबाइल मालिकों को सुपुर्द किया गया। उक्त सभी मोबाइलों को ग्वालियर, गुना, भिण्ड, मुरैना, शिवपुरी, दतिया, भोपाल, एवं उ.प्र., दिल्ली, बिहार, राजस्थान, पश्चिम बंगाल, उत्तराखण्ड, हिमाचल प्रदेश, झारखण्ड, छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र, गुजरात आदि स्थानों से ट्रेस किया जाकर बरामद किये गये थे। मोबाइल वापस मिलने पर सभी मोबाइल धारकों के चेहरे पर पुनः मुस्कान लौट आई। सभी मोबाइल मालिकों द्वारा पुलिस अधिकारियों एवं सायबर सेल की टीम का धन्यवाद ज्ञापित किया गया। पुलिस अधीक्षक ग्वालियर ने सायबर सेल की टीम को उक्त सराहनीय कार्य हेतु पुरूष्कृत करने की घोषणा की है।

सराहनीय भूमिका:- उक्त मोबाइलों को खोजने में उप निरीक्षक श्रीमती रजनी सिंह रघुवंशी, प्र0आर0 संजय सिंह जादौन, आरक्षक जैनेन्द्र गुर्जर, सोनू प्रजापति, कपिल पाठक, शिवकुमार यादव की सराहनीय भूमिका रही।

ग्वालियर दक्षिण में मिल रहा है तूफानी जैन संपर्क पंकज गुप्ता

दैनिक पुष्पांजली टुडे

ग्वालियर 17 दक्षिण विधानसभा क्षेत्र से आम आदमी पार्टी के प्रत्याशी ने किया तूफानी जनसंपर्क आज सुबह वार्ड क्रमांक 37 के अंतर्गत संजय नगर माधव नगर गोल पालिया क्षेत्र में सगन जनसंपर्क किया और मतदाताओं का आशीर्वाद प्राप्त हुआ ग्वालियर दक्षिण की जनसंख्या बदलाव चाहती है आज ग्वालियर की जनता केजरीवाल जी की गारंटी पर विश्वास रखती है केजरीवाल जी ने मध्य प्रदेश में 10 गारंटी योजना लागू की है जिसका लाभ आप दिल्ली और पंजाब में देख सकते हैं यदि मध्य प्रदेश में आम आदमी पार्टी की सरकार बनती है तो मध्य प्रदेश की जनता को 10 गारंटी योजना उपलब्ध कराई जाएगी इसमें बिजली का बिल और आर्थिक पेंसिल योजना सहित अनेक योजनाएं शामिल है आम आदमी पार्टी के प्रत्याशी पंकज गुप्ता ने कहा कि मैं प्रचंड बहुमत से जीत रहा हूं दक्षिण विधानसभा मतदाता मेरा परिवार है मैं पंकज गुप्ता उनके सुख-दुख में हमेशा खड़ा रहूंगा यहां की जनता मेरा घर और परिवार है जनसंपर्क के दौरान लोगों की समस्याएं सुनी कहीं सड़के खुदी हुई है कहीं गड्ढे हैं कहीं पानी की समस्याएं दक्षिण का सौतेला बेटा अपने आप को सुपर प्रीमियम समझता है आज शाम को वार्ड 55 के अंतर्गत **गूड़ागुड़ी का नाका अवाड़पुरा में सघन जनसंपर्क किया**

भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशियों ने जनसंपर्क कर मांगा समर्थन

मैं हर पल आपका सेवक बनकर आपके सुख-दुख का साथी रहूंगा : प्रद्युम्न सिंह तोमर

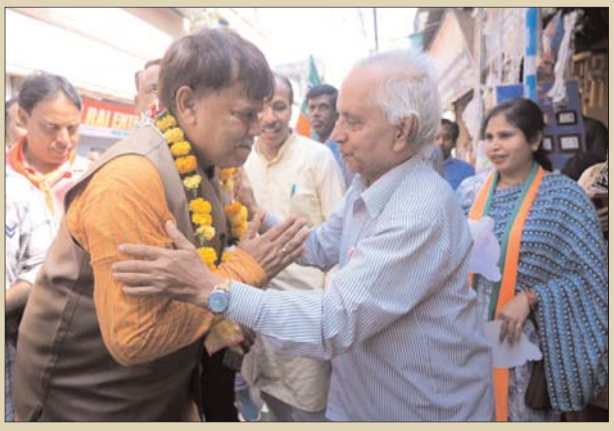

दैनिक पुष्पांजली टुडे

ग्वालियर । ग्वालियर विधानसभा क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने क्षेत्र में जनसंपर्क कर जनसमर्थन मांगा। उन्होंने कहा कि बीते डेढ़ दशक में ग्वालियर ने विकास की अंगड़ाई ली है। लेकिन इतना काफी नहीं है ग्वालियर शहर को महानगरों की कतार में लाने के लिए अभी बहुत काम करना बाकी है और यह तभी संभव होगा जब आपका आशीर्वाद आपके इस सेवक प्रद्युम्न को निरंतर मिलता रहेगा। उन्होंने कहा कि भाजपा ने हमेशा विकास की राजनीति की है, क्योंकि इसकी चाल, चरित्र और चेहरा सर्वसमावेशी, सर्वस्पर्शी और सर्वजन का हित करने वाला है, मैं हर पल आपका सेवक बनकर आपके सुख-दुख का साथी रहूंगा।श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने गुरुवार को अपने विधानसभा क्षेत्र के वार्ड क्रमांक 10 के घास मंडी चौराहे से जनसंपर्क अभियान की शुरुआत करते हुए सघन जनसम्पर्क किया। उन्होंने घास मंडी से प्रारंभ होकर धर्मशाला वाली गली, मंगलेश्वर रोड, शीतला गली, नीरगिलान गली, तानसेन सिनेमा, भड़भूजा वाली गली, रामेश्वर महादेव वाली गली, सुनारान वाली गली, काशी नरेश वाली गली, कानूनगान, बाबा कपूर, लखेरा वाली गली, छोटा बाजार, हलवाट खाना तथा किला गेट सहित अन्य इलाकों में जनसम्पर्क किया। इस दौरान रानी लक्ष्मी बाई मंडल के अध्यक्ष श्री मनमोहन पाठक, श्री धीरु यादव, श्री राजेन्द्र जैन, श्री जय सिंह राठौर, श्री सुरेन्द्र यादव, श्री श्यामसुन्दर, श्री छोटे सिंह तोमर, श्री नीरज तिवारी, श्री केशव मांझी, श्री प्रदीप कश्यप, श्री सरदार रणदीप सिंह, श्री सरदार गुरुदयाल सिंह, श्री रवि यादव, श्री बाबूलाल राठौर, श्री ओमी अरोरा, श्री रवि अग्रवाल उपस्थित रहे।

पार्टी प्रत्याशी श्रीमती माया सिंह ने पूर्व विधायक मुन्नालाल के साथ किया सघन जनसंपर्क

दैनिक पुष्पांजली टुडे

ग्वालियर । ग्वालियर पूर्व विधानसभा क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी श्रीमती माया सिंह ने ग्वालियर पूर्व विधानसभा के वार्ड 22 के नेहरू कॉलोनी पार्क से अपना जनसंपर्क प्रारंभ किया। उसके बाद बस्ती गोदाम, तरूण बिहार, लुम्बिनी बिहार,न्यू सुरेश नगर, जीडीए कॉलोनी, रोहित नगर, ओमनगर, तारामाई कॉलोनी में जनसंपर्क किया। इस अवसर पर श्रीमती माया सिंह ने कहा कि ग्वालियर पूर्व विधानसभा के विकास के लिए आप सब लोग भाजपा के पक्ष में मतदान कर भाजपा को विजयी बनाएं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के कार्यकाल की याद आज भी जनता को है। पूरा प्रदेश लाइटेन युग में जी रहा था, सड़कों की खराब स्थिति थी लेकिन प्रदेश की भाजपा सरकार ने हर क्षेत्र में समुचित विकास किया है। इस दौरान श्रीमती माया सिंह का क्षेत्रीय जनता ने पुष्प बरसाकर स्वागत किया। इस दौरान पूर्व विधायक श्री मुन्नालाल गोयल, श्रीमती सुमन शर्मा, श्री राजा सिंह कौरव, डॉ नीतेश शर्मा, श्री रितेश तोमर, श्री सत्येन्द्र राजावत, श्री धीर सिंह तोमर, श्री चन्द्रशेखर भदौरिया, डॉ अरविन्द शर्मा, पूर्व पार्षद श्री पोहप सिंह, पूर्व पार्षद श्री शिवराम जाटव, पूर्व पार्षद श्री दिनेश दीक्षित, पूर्व पार्षद श्रीमती केशकली जाटव उपस्थित रहे।

चार नवंबर को अमित शाह, आठ नवंबर को मोदी करेंगे ग्वालियर का दौरा, जनसभाएं भी होंगी

मुख्यमंत्री नौगांव में करेंगे चुनावी सभा- मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान आज 7 विधानसभाओं में चुनाव प्रचार और सभाएं करने वाले हैं। जिनमें छतरपुर जिले की महाराजपुर विधानसभा में नौगांव में वह 3ः15 बजे अपनी चुनावी सभा को संबोधित करेंगे। बता दें सीएम देवरी, टीकमगढ़, पृथ्वीपुर, महाराजपुर, गुन्नौर, रैगांव और सतना में चुनावी सभा को करेंगे संबोधित।

0मध्यप्रदेश में ताबड़तोड़ चुनावी सभाएं करेंगे मोदी-मध्यप्रदेश विधानसभा चुनाव को लेकर पीएम नरेंद्र मोदी के कई दौरे प्रस्तावित हैं। पीएम मोदी प्रदेश में ताबड़तोड़ चुनावी सभाएं करेंगे। हालांकि यह सभी दौरे प्रस्तावित हैं। जिनके लिए पीएमओ से स्वीकृति मिलना बाकी है। जानकारी के अनुसार पीएम मोदी का 4 नवंबर को रतलाम, 5 नवंबर को सिवनी के लखनादौन, 7 नवंबर को सीधी और सतना, 8 नवंबर को गुना, मुरैना, पथरिया, 9 नवंबर को बड़वानी और नीमच, 13 नवंबर को छतरपुर, 14 नवंबर को इंदौर और झाबुआ व 15 नवंबर को बैतूल का दौरा संभावित है।

ग्वालियर के दौरे पर रहेंगे शाह-मोदी- मध्यप्रदेश में विधानसभा चुनाव की कमान संभाल रहे केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह का 4 नवंबर को एक बार फिर ग्वालियर के दौरे पर आ सकते हैं। वहीं, 8 नवंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र के ग्वालियर चंबल संभाग के दौरे पर आने की उम्मीद है। पार्टी सूत्रों के अनुसार अमित शाह 4 नवंबर को ग्वालियर से पोहरी और करेरा क्षेत्र में जाएंगे, उसके बाद लौटकर ग्वालियर विधानसभा क्षेत्र में इंटक मैदान पर आमसभा को भी संबोधित करेंगे। इसके बाद अंचल के चुनिंदा नेताओं से बात करेंगे और रात्रि विश्राम भी ग्वालियर में ही करेंगे। इसी तरह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दौरे की तैयारी भी शुरू कर दी गई हैं। संभावित रूप से 8 नवंबर को मोदी ग्वालियर चंबल अंचल के दौरे पर आएंगे। वे चंबल क्षेत्र में आम सभा को संबोधित करेंगे। फिलहाल आम सभा का स्थान तय नहीं हो पाया है। मुरैना क्षेत्र में प्रधानमंत्री मोदी की सभी हो सकती है।

अंतर सिंह दरबार ने दिया इस्तीफा-कांग्रेस नेता व पूर्व विधायक अंतर सिंह दरबार ने कांग्रेस पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे दिया है। महू के पूर्व विधायक नेता रहे अंतर सिंह दरबार निर्दलीय चुनाव लड़ेंगे। गुरुवार को उन्होंने अपना इस्तीफा कांग्रेस पार्टी को सौंप दिया है। उनका मुकाबला भाजपा की उषा ठाकुर और कांग्रेस के रामकिशोर शुक्ला से होगा, जो भाजपा छोड़कर पार्टी में जुड़े हैं।

सतना के दौरे पर सिंधिया-केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया आज सतना जिले के दौरे पर हैं। वे भाजपा प्रत्याशी का प्रचार करेंगे। प्रचार से पहले सिंधिया मैहर स्थित मां शारदा देवी की मंदिर में पहुंचे, जहां उन्होंने शारदा माता की पूजा-अर्चना की। सिंधिया यहां जनसभा को संबोधित करेंगे।

निर्दलीय प्रत्याशी ने नामांकन वापस लिया- झाबुआ विधानसभा क्रमांक 193 कांग्रेस से बगावत कर आम आदमी पार्टी व निर्दलीय चुनाव लड़ने की घोषणा करने वाले जेवियर मेडा ने अपना नामांकन फॉर्म वापस लेंगे। 2018 में जेवियर कांग्रेस से टिकिट नहीं मिलने की वजह से नाराज थे, जेवियर ने अपना नामांकन वापस के साथ कांग्रेस के झाबुआ से प्रत्याशी विक्रांत भूरिया को अपना समर्थन देने की बात कही और उन्होंने साफ कर दिया कि वह कांग्रेस पार्टी के साथ हैं।

भाजपा प्रत्याशी कृष्णा गौर का विवादित बयान- भोपाल गोविंदपुरा विधानसभा सीट से भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी कृष्णा गौर का एक विवादित वीडियो सामने आया है। इस वीडियो में मतदाताओं से कहते हुए नजर आ रही हैं कि अगर कांग्रेस की सरकार आ गई तो वे नवरात्रि, करवाचौथ और दीवाली जैसे सभी फेस्टिवल नहीं मना पाएंगे। क्योंकि कांग्रेस सनातन विरोधी है सनातन को खत्म करना चाहती है। भाजपा प्रत्याशी कृष्णा गौर का यह वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। गौर का ये वीडियो गोविंदपुरा क्षेत्र में रात्रिकालीन चुनाव प्रचार के दौरान का बताया जा रहा है। हालांकि अमर उजाला इस वीडियो की पुष्टि नहीं करता है। गौर का यह वीडियो सामने आने के बाद कांग्रेस इस पर निशाना साधा ह

स्वामी, प्रकाशन, मुद्रक एवं संपादक भरत सिंह चौहान द्वारा वॉइस ऑफ मध्यांचल मीडिया नेटवर्क प्राइवेट लिमिटेड 101 वैष्णोपुरम एबी रोड बिरलानगर ग्वालियर म.प्र. 474004 से मुद्रीत करा कर दीपू इलेक्ट्रॉनिक हनुमान मंदिर के पास भिण्ड रोड गोले का मंदिर जिला ग्वालियर मध्यप्रदेश 474005 से प्रकाशित। भरत सिंह चौहान पी. आर. बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार। E-mail : Pushpanjalitoday@gmail.com 0751-4050784, Mob.:8269307478